दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

ठंड से ठिठुरा उत्तर भारत

छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में शीत लहर की चेतावनी

नई दिल्ली ए.। उत्तर भारत में रिकॉर्डतोड़ ठंड ने जनजीवन को थाम दिया है। लद्दाख की द्रास घाटी से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत पूरा उत्तर भारत ही शीत लहर की चपेट में है। पारा यहां नए रिकॉर्ड बना रहा है। दुनिया के दूसरे सबसे सर्द रिहायशी इलाके द्रास में पारा -20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में शनिवार को यह 1.7 तक चला गया। राजस्थान के शेखावटी में न्यूनतम तापमान -4 डिग्री दर्ज किया गया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चिल्फी पर चढ़ने लगी बर्फ की चादर, पारा @ 4 डिग्री

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मिनी कश्मीर के नाम से मशहूर चिल्फी घाटी पर बर्फ की चादर चढ़नी शुरू हो गई है। दो दिन पहले हुई बारिश के बाद शनिवार को जब मौसम खुला तो सुबह कबीरधाम की चिल्फी घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लग गए। पेड़-पौधों की पत्तियों पर गिरी ओस बर्फ में तब्दील हो चुकी थी। खेत-खलिहानों में ओस की बूंदें बर्फ का रूप ले रही हैं और अब यहां यही नजारा आम रहने वाला है। यहां का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आज बेबाक

इधर देश नये नागरिकता कानून और जनसंख्या रजिस्ट्रर के विरोध व समर्थन में उलझा हुआ है और उधर प्याज ने दबे पांव डेढ़ सौ का आंकड़ा पार कर दिया है। एक सप्ताह पूर्व तक सौ रु. किलो बिकने वाला प्याज डेढ़ सौ रु. किलो में बिकने लगा है। प्याज की नई फसल आने के पहले इसके दाम में और इजाफा होने की संभावना है। विदेशों से प्याज आयात किया गया है लेकिन इससे भी प्याज के बढ़ते दामों पर लगाम नहीं लगी है। समझ में नहीं आता कि बढ़ती महंगाई को लेकर राजनीतिक दल प्रदर्शन करने सड़कों पर क्यों नहीं उतरते?

खास खबर

एनएचएआई का प्रबंधक एक लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

सागर, (वार्ता)। मध्यप्रदेश के विशेष स्थापना पुलिस लोकायुक्त ने छतरपुर में पदस्थ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक प्रबंधक को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। सागर लोकायुक्त पुलिस सूत्रों के अनुसार छतरपुर में पदस्थ एनएचएआई के प्रबंधक सुरेश कुमार को कल गनेश कोरी नामक एक व्यक्ति से एक लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया। आरोपी ने पेट्रोल पंप के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के एवज में गनेश से डेढ़ हजार रुपए मांगे थे। बाद में एक लाख रुपए में मामला तय हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एस. मोहन का निधन

नयी दिल्ली, (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और कर्नाटक के पूर्व कार्यवाहक राज्यपाल न्यायमूर्ति षणमुगसुंदरम मोहन का कल देर शाम निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। उनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री है। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने चेन्नई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। फरवरी 1930 में तमिलनाडु के तिरुपुर जिले के उदुमलपेट में जन्मे न्यायमूर्ति मोहन ने मद्रास विश्वविद्यालय से वकालत की डिग्री हासिल की। उन्होंने वहीं से कानून में पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री भी हासिल की। उन्हें लक्ष्मीनारसा रेड्डी गोल्ड मेडल से भी सम्मानित किया गया।

नवप्रदेश से खास चर्चा-जम्मू कश्मीर के नर्तक दल ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की व्यवस्थाओं को बताया अद्भुत, बोले-

छत्तीसगढ़ का हम पर रहेगा 'कर्ज'

पता नहीं चुका पाएंगे भी या नहीं, यहां के लोग दिल के बेहद अमीर

अश्विन अगाड़े

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में भाग लेने आए हर राज्य व देश के नतृक दल यहां की व्यवस्थाओं खुश हैं। वे इसकी प्रशंसा करते नहीं थकते। लेकिन जम्मू कश्मीर का दल इन व्यवस्थाओं व अपनी आवभगत से इतना अभिभूत है कि दल के नेतृत्वकर्ता का कहना है कि यह छत्तीसगढ़ का उनके ऊपर कर्ज है। पता नहीं इसे

चुकाने का मौका उन्हें कब मिलेगा। इस दल ने महोत्सव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हमारे यहां भी हो ऐसे आयोजन

इस ग्रुप की महिला नेतृत्वकर्ता का कहना है कि हर राज्य में ऐसे आयोजन होने चाहिए। जम्मू कश्मीर सरकार प्रशासन को भी चाहिए कि वह भी ऐसे आयोजन करें, ताकि देश के अन्य राज्यों के लोगों को जम्मू कश्मीर से जुड़ने का मौका मिले। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ के लोग हमारे यहां कब आएंगे अतिथि बनकर...

चौहान ने कहा कि हमारे स्वागत से लेकर खान-पान सुरक्षा आदि की इतनी बेहतर व्यवस्था की गई कि यह हमारे ऊपर कर्ज से कम नहीं है। पता नहीं ये कर्ज चुकाने का मौका हमें कभी मिल पायेगा भी या नहीं। पता नहीं छत्तीसगढ़ के लोग कब हमारे राज्य में अतिथि बनकर आएंगे या नहीं।

हर राज्य को सीखना चाहिए छत्तीसगढ़ से

जाहिदा ने छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ सरकार परंपराओं व संस्कृति को बढ़ावा दे रही है वैसा ही काम जम्मू कश्मीर समेत सभी राज्यों में होना चाहिए। यदि हमारे राज्य में भी इस तरह का भव्य कार्यक्रम हुआ और छत्तीसगढ़ के कलाकार आए तो ही शायद हम छत्तीसगढ़ का कर्ज चुका पाएं।

सीएम और पीसीसी चीफ के सामने लगा फूल छाप कांग्रेसियों को निकालने का नारा

कांग्रेस स्थापना दिवस की खुशी ऐसे गुस्से में हुई तब्दील

नारेबाजों को लगाई कड़ी फटकार, पीसीसी चीफ को बोले नोटिस दो इनको

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में ऐसा वाक्या हुआ कि सभी पार्टी नेता आवाक रह गए। मामला दरअसल आधा दर्जन कांग्रेस कार्यकर्ता की नारेबाजी से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुस्से से तमतमा उठे। फाफाडीह के चंद कांग्रेसी कार्यकर्ता ऐन पार्टी के स्थापना दिवस के दिन फूल छाप कांग्रेसियों को पार्टी से बाहर निकालने की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे। स्थापना दिवस की खुशियों के साथ ही सीएम प्रदेश कार्यालय से बाहर निकले तब उनके साथ पीसीसी चीफ समेत कई दिग्गज पार्टी नेता भी मौजूद थे। सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ मोहन मरकाम को बाहर आता देख नाराज कार्यकर्ताओं ने फूल छाप कांग्रेसी वाला नारा और बुलंद कर दिया। बस, फिर क्या था पीसीसी चीफ तो पहले इसे अनदेखी कर गए, लेकिन सीएम भूपेश बघेल का गुस्सा फूट पड़ा। उन्हों ने वहीं से तमतमाई आवाज में फटकारते हुए सीधे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नारेबाजों को पीसीसी चीफ ने समझाया

सीएम ने नारे लगाने वालों को जिला अध्यक्ष से शिकायत करने को कह चले गए। तब पीसीसी चीफ मोहन मरकाम उन लोगों के पास पहुंचे और विधायक विकास उपाध्याय ने गुस्साए कार्यकर्ताओ को नारेबाजी करने से मना किया और शांत कर समझाइश दी।

सोनिया ने फहराया झंडा

नई दिल्ली, (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी के 135वें स्थापना दिवस पर शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर तिरंगा फहराया और देशभर में चलने वाले पार्टी के 'संविधान बचाओ-भारत बचाओ' अभियान की शुरुआत की।

नजरबंदी शिविर : झूठ बोलते हैं मोदी

नई दिल्ली, (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि देश में कहीं भी नजरबंदी शिविर नहीं होने का उनका दावा गलत है और इन शिविर लेकर जारी वीडियो श्री मोदी के झूठ की पोल खोलता है।

श्री गांधी ने कांग्रेस के 135वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित झंडा रोहण समारोह के दौरान कहा कि वह झूठे हैं या श्री मोदी झूठ बोल रहे हैं इसका साक्ष्य हाल में जारी एक वीडियो

है। श्री गांधी ने यह वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया है जिसमें असम में निर्माणाधीन एक नजरबंदी शिविर को दिखाया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने श्री गांधी को इस साल का सबसे बड़ा झूठा आदमी बताया है जिसका करारा जवाब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कायर है मोदी सरकार : प्रियंका

लखनऊ में पार्टी के 135वें स्थापना दिवस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार कायर है और यह देश उसकी कायरता को पहचान रहा है। एनआरसी और सीएए के मुद्दे पर प्रियंका गांधी ने कहा कि जब जनता ने आवाज उठाई तो ये पीछे हटने लगे। यह कायर की पहचान है।

यूपी हिंसा में पीएफआई का हाथ? अब तक 20 अरेस्ट

लखनऊ ए.। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में उत्तर प्रदेश में हिंसक प्रदर्शनों के संबंध में राज्य की खुफिया आकलन रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आक्रोश स्वस्फूर्त था लेकिन हिंसा ज्यादातर संगठित थी। मेरठ जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रशांत कुमार ने कहा, 'कई मामलों में पीएफआई नेताओं के खिलाफसबूत पाए गए हैं। अब तक पीएफआई के लगभग 20 सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें पीएफआई की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफइंडिया का प्रदेश अध्यक्ष नूर हसन भी शामिल है। हिंसा का मुख्य केंद्र मेरठ, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर रहे। रिपोर्ट में प्रदेश के सांप्रदायिक रूप ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बैंकों को सीबीआई, कैग, सीवीसी से डरने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, (वार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकारी बैंकों को अपने अधिकारियों के विरुद्ध लंबित सतर्कता मामलों को निपटाने के निर्देश दिये गये है और जो सही एवं विवेक से लिए गये मामले हैं उनके लिए बैंकों को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) और केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) से डरने की जरूरत नहीं है। श्रीमती सीतारमण ने सरकारी एवं निजी बैंक प्रमुखों के साथ बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद शनिवार को यहां संवाददाताओं से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बैंकरों को किया गया आश्वस्त

उन्होंने कहा कि बैंकरों को आश्वस्त किया गया है कि विवेक से लिये गये वाणिज्यिक निर्णय की संरक्षा की जायेगी और उसके लिए किसी भी बैंकर को डरने की जरूरत नहीं है। इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि आयकर विभाग द्वारा नोटिस भेजने के लिए बनाये गये तंत्र की तरह सीबीआई भी एक तंत्र विकसित करेगा जिससे केन्द्रीय जांच एजेंसी के सभी नोटिस पर एक पंजीयन नंबर होगा जिससे अनाधिृकत पत्राचार और किसी तरह के उत्पीड़न की आशंका समाप्त हो जायेगी।

भाजपा के 'दुर्योधन' और 'दु:शासन' देश के सबसे खतरनाक 'टुकड़े-टुकड़े गैंग': यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली ए.। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के लिए 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' को जिम्मेदार बताने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर यशवंत सिन्हा ने बेहद तल्ख टिप्पणी की है। कभी बीजेपी के कद्दावर नेताओं में शुमार रहे सिन्हा ने ट्वीट कर कहा कि देश में सबसे खतरनाक टुकड़े-टुकड़े गैंग तो बीजेपी के 'दुर्योधन' और 'दु:शासन' का है।

पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने ट्वीट किया, 'भारत का सबसे खतरनाक टुकड़े-टुकड़े गैंग तो 2 लोगों से बना है, दुर्योधन और दु:शासन। वे दोनों बीजेपी में हैं। उनसे सावधान रहें।' सिन्हा ने ट्वीट में किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन महाभारत के खलचरित्रों के जरिए बीजेपी पर तीखा हमला बोला।

सेना का काम संभालें जनरल रावत

चिदंबरम बोले- राजनीति हमें करने दें

तिरुवनंतपुरम ए.। केरल के तिरुवनंतपुरम पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने आर्मी चीफजनरल बिपिन रावत को नसीहत दी है। जनरल रावत से राजनीति ना सिखाने की अपील करते हुए चिदंबरम ने कहा है कि यह आर्मी का काम नहीं है कि वह नेताओं को बताए कि क्या करना है। चिदंबरम ने गृहमंत्री अमित शाह के बारे में कहा कि उन्हें नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर संसद में हुई बहस को दोबारा सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने संसद में एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया।

चिदंबरम ने जनरल बिपिन रावत को आड़े हाथ लेते हुए कहा, 'डीजीपी और आर्मी जनरल से सरकार का समर्थन करने को कहा जा रहा है। यह शर्मनाक है। मैं जनरल रावत (बिपिन रावत) से अपील करता हूं कि आर्मी की अगुवाई करें और अपना काम करें। नेताओं को जो करना है, वे करेंगे।

बता दें कि जनरल बिपिन रावत ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर नेता लोगों को हिंसा और आगजनी करने के लिए उकसाता है तो उसे नेतृत्व नहीं कहा जा सकता है। सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की ओर इशारा करते हुए जनरल रावत ने कहा था, 'नेता कभी गलत दिशा में नहीं ले जाता है।

गरमा-गरम

अपनत्व **युगांडा और मालदीव के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति दिखाया अपना लगाव**

विदेशियों में 'जय जोहार', 'छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया' का क्रेज

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में प्रस्तुति देने आए विदेशी कलाकार भी मानों छत्तीसगढ़ के रंग में रंग गए। किसी देश के कलाकार ने मंच पर अपनी प्रदर्शन की शुरुआत जय जोहार से की तो किसी ने परफार्मेंस के बाद छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का नारा लगा दिया है।

रायपुर (नवप्रदेश)। मालदीव के कलाकारों ने शनिवार को बॉलीवुड सांग ऐ मेरी जोहरा जबी, तुझे मालूम नहीं... पर परफॉर्म कर दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं प्रस्तुति के बाद उन्होंने 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' का नारा भी लगा दिया। नवप्रदेश के यह पूछे जाने पर कि उन्होंन हिंदी में गाना कैसे सीखा, उन्होंने बताया कि सिर्फ सुन-सुनकर उन्होंने हिंदी बॉलीवुड गीत गाना सीखा है। वहीं युगांडा के डांस ग्रुप ने अपने प्रजेंटेशन की शुरुआत 'जय जोहार' से की।

स्वार्ड नृत्य की प्रस्तुती दी श्रीलंकाई दल ने

श्रीलंका के नतृक दल ने भी महोत्सव की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। श्रीलंकाई नर्तक दल ने स्वार्ड नृत्य की प्रस्तुति दी। डांस ग्रुप की लीडर ने नवप्रदेश को बताया कि यह नृत्य श्रीलंका के प्रसिद्ध मंदिरों मुरुगन पूजा के दौरान किया जाता है। श्रीलंका में भगवान गणेश के भाई कार्तिक को कहा जाता है। यानी कार्तिक पूजा में यह नृत्य किया जाता है।

मालदीव ग्रुप मौसम को भी कर रहे एन्जॉय

नवप्रदेश से चर्चा में मालदीव के ग्रुप लीडर ने कहा कि वे इस कार्यक्रम के साथ ही मौसम का भी लुत्फ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव में पारा हमेशा 34-35 डिग्री बना रहता है। वहां साल भर गर्मी रहती है। इसलिए यहां अच्छा लग रहा है। यहां ठंडक भरा मौसम बेहद अच्छा लग रहा है। इस दल ने बाडोबेरु की प्रस्तुति दी। बोडोबेरु मालदीव में संगीत व डांस को कॉम्बिनेशन है। मालदीव के हर उत्सव में यह आकर्षण का केंद्र होता है। मालदीव के कलाकारों ने यह भी कहा कि वे फिर छत्तीसगढ़ आना पसंद करेंगे।

प्याज के रिकार्ड मूल्य और वन नेशन वन कार्ड के लिए याद रहेगा 2019

नई दिल्ली (वार्ता)। प्याज की रिकार्ड तोड़ कीमतें, वन नेशन वन कार्ड, शुद्ध पेय जल की उपलब्धता और आभूषणों के लिए हॉल मार्किंग को अनिवार्य बनाने जैसे इस वर्ष के निर्णयों के लिए खाद्य और आपूर्ति विभाग को याद किया जायेगा । वर्ष के अंतिम महीनों में प्याज की अब तक की सर्वाधिक ऊंची कीमतों ने जहां आम आदमी के आंसू निकाल दिये वहीं एक ही राशन कार्ड से देश में कही भी राशन लेने , पाइप के माध्यम से शुद्ध पेय जल की आपूर्ति और हालमार्किंग के फैसलों से उसे कई प्रकार की राहत और सहूलियत भी मिली ।

देश के प्याज उत्पादक राज्यों में खरीफप्याज की खेती के दौरान अधिक वर्षा होने से इसकी फसल नष्ट हो गयी जिसकें कारण मांग और आपूर्ति में 30 से 40 प्रतिशत का अंतर आ गया और इसके कारण इसका मूल्य दो सौ रुपये प्रति किलो से भी ऊपर निकल गया। बाद में सरकार ने इसके आयात का निर्णय किया और जमाखोरी रोकने को लेकर कई कदम उठाये गये ।

प्रवासी मजदूरों को सुविधा को ध्यान में रखकर इसी वर्ष एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना की शुरुआत की गयी । इसके तहत लाभार्थी अपने राशन कार्ड का नम्बर बताकर किसी भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान से सस्ते दर पर सीमित मात्रा में राशन प्राप्त कर सकते है। ग्यारह राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध करायी गयी है जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ में यह योजना आंशिक रुप से लागू की गयी है ।

इस दौरान 23.5 करोड़ राशन कार्डो का डिजिटलीकरण किया गया और लगभग 86 प्रतिशत (20 करोड़) राशन कार्डो को आधार नम्बर से जोड़ा गया । कुल 26 राज्यों में कम्प्यूटरीकृत आपूर्ति श्रृंखला की शुरुआत की गयी । देश के 27 राज्यों के 5.35 लाख सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों में से 4.45 लाख से अधिक दुकानों को ई-पीओएस उपकरण से लैस कर वितरण व्यवस्था को स्वचालित बनाया गया। श्री पासवान ने आभूषणों की खरीद में गरीब लोगों और महिलाओं के ठगी के शिकार होने की घटनपाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से सोनें के आभूषणों और कला-कृतियों पर हॉल मार्किंग को अनिवार्य बनाने की घोषणा की । यह योजना 15 जनवरी 2021 से अनिवार्य होगी । अगले साल 15 जनवरी तक इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी जायेगी और दुकानदारों को पुराने गहनों को निपटाने के लिए एक साल का समय दिया जायेगा । सारेने के 14 , 18 और 22 कैरेट के सोने के आभूषण के मानक तैयार किये गये हैं ।

पेयजल पर उठे सवाल

इस दौरान खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने राष्ट्रीय राजधानी में पेय जल की गुणवत्ता की जांच करायी और मानकों पर खड़े नहीं उतरने पर घटिया पानी की आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े किये । इसके बाद राज्यों की राजधानियों के भी पानी की गुणवत्ता की जांच करायी गयी और कुछ राज्यों के पानी की गुणवत्ता को बेहतर पाया गया । विभाग ने जिला स्तर पर पानी की गुणवत्ता की जांच कराने का भी संकल्प व्यक्त किया है ।

केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के नेताओं ने जेटली को किया नमन

नई दिल्ली,(वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रेल मंत्री पीयूष गोयल और कई केन्द्रीय मंत्रियों तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने शनिवार को पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें नमन किया। श्री सिंह ने ट्वीट कर कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली जी को आज उनकी जयंती पर याद करते है। वह बुद्धिमान और विश्लेषणात्मक क्षमताओं के बड़े के रुप में हम उसे याद करते है। अरुणजी को उनकी जयंती पर आज मेरी श्रद्धांजलि। श्री गोयल ने अपने ट्वीट में कहा, हम सभी की यादों में बसे श्री अरुण जेटली जी की जयंती पर उन्हें मेरा नमन और श्रद्धांजलि। राजनीति का देशसेवा के लिए उपयोग कैसे हो, ये हमेशा उनसे सीखने को मिलता था। उनके साथ बिताया समय हम सभी के जीवन की अमूल्य यादें हैं। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा, दिन-प्रतिदिन सहज, सुलभ, दरियादिली और पैनी टिप्पणियों के साथ हमेशा उपलब्ध रहे। जब भी कोई मुद्दा सामने आता, सबके अवचेतन मन में ख्याल आता कि अब अरूण जी का नजरिया क्या होगा और जवाब प्रगट होना शुरू हो जाता। अरूण जेटली की जयंती पर नमन। अकाली नेता और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने ट्वीट कर कहा, मैं श्री अरुण जेटली जी को एक अद्भुत मार्गदर्शक और एक करिश्माई नेता के रूप में याद करती हूं। पंजाब के साथ उनका घनिष्ठ संबंध था और राज्य के लोगों को उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी। उनकी जयंती पर, मैं उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिसने अपनी निस्वार्थता और विनम्रता के साथ दिल जीता। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री आदरणीय श्री अरुण जेटली जी की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। उनकी बहुमुखी प्रतिभा, कौशल, उपलब्धियों और सरल व्यक्तित्व से हम सभी सदैव प्रेरणा प्राप्त करते रहेंगे। राज्यसभा सांसद राजीव चंद्रशेखर ने कहा, अरुण जेटली जी बुद्धिमान सांसद थे और मुझे दो दशकों से अधिक समय तक उन्हें जानने और एक दूरसंचार उद्यमी

सीएए : नुकसान की भरपाई शुरू मुस्लिम समूह ने दिए 6.27 लाख

बुलंदशहर (ए.)।उत्तर प्रदेश में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हुआ था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया था। अब बुलंदशहर के एक मुस्लिम समूह ने क्षतिपूर्ति की भरपाई के लिए यूपी सरकार को 6.27 लाख रुपए का चेक दिया है। 20 दिसंबर को हुए प्रदर्शन में नुकसान की भरपाई का नोटिस जिला प्रशासन भेजता, उससे पहले ही मुस्लिम समूह ने पैसे दे दिए। समूह ने नुकसान हुई संपत्ति के अनुमानित मूल्य के बराबर का ड्राफ्ट सरकार को सौंपा है।

डीएम और एसएसपी को सौंपे ड्राफ्ट

मुस्लिम समूह के कुछ लोगों ने जिला अधिकारी रवींद्र कुमार और एसएसपी संतोष कुमार को शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद डिमांड ड्राफ्ट सौंपा। उन्होंने बताया कि ये राशि समाज के लोगों से इकट्ठा की गई है। मुस्लिम समूह ने ड्राफ्ट के साथ अधिकारियों को एक पत्र भी सौंपा, जिसमें हिंसा की निंदा की गई है। प्रदर्शनकारियों ने 20 दिसंबर को पुलिस की एक जीप में आग लगा दी थी और एक वायरलेस सेट को नुकसान पहुंचाया था।

सीएम योगी ने दिए थे निर्देश

नागरिकाता संशोधन कानून के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों में सार्वजनकि संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की खबर सामने आने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 दिसंबर को एक निर्देश दिया था। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि वे प्रदर्शनकारियों की पहचान करें और उनसे नुकासन की भरपाई की जाए। नुकसान हुई संपत्ति के आकलन की प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी। 2009 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक, अगर प्रदर्शन हिंसक हो जाता है और सार्वजनकि संपत्ति को नुकसान होता है तो सरकार प्रदर्शनकारियों से इसकी भरपाई कर सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट भी ऐसा फैसला दे चुका है।

सरकार जब्त करने वाली थी संपत्ति

डीएम रवींद्र कुमार ने कहा कि मामला शांति से और बगैर आधिकारिक प्रक्रिया के चालू किए ही निपट गया, यह अच्छा हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक सर्कुलर जारी कर 498 असामाजिक तत्वों को चिन्हित किया था। ये लोग सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल थे। सर्कुलर के मुताबिक, सरकार जल्द ही इन लोगों की संपत्ति जब्त करने वाली थी।

एएमयू के एक हजार छात्रों पर मुकदमा दर्ज

अलीगढ़ (ए.)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इतिहास में पहली बार एक हजार छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर पिछले दिनों एएमयू परिसर में हुए बवाल में 104 आरएएफ बटालियन के कमांमांडेंट पुनीत कुमार कोलधर ने सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट लिखाई है।

थाना सिविल लाइन में एएमयू में 15 दिसंबर को हुए बवाल में आरएएफ की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोप लगाया है कि एक हजार छात्रों ने आरएएफ पर हमला किया था। पथराव कर सरकारी संपत्ति में तोडफ़ोड़ की थी। भीड़ ने देश विरोधी नारे भी लगाए। कई छात्रों को चिह्नित कर पुलिस उनका रिकॉर्ड खंगालने में जुटी है। आरएएफ कमांडेंट पुनीत कुमार कोलधर ने सिविल लाइंस थाने में लिखाई रिपोर्ट में कहा है कि 13 दिसंबर को हुए विरोध के चलते एएमयू सर्किल पर दो कंपनी आरएएफ तैनात की गई। 15 दिसंबर को रात साढ़े आठ बजे अचानक एक हजार छात्रों की भीड़ ने देश विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए। छात्रों ने अचानक उग्र होते हुए सुरक्षा बल पर पथराव कर दिया। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ गाडियों में तोडफ़ेड़ की। आरएएफ की ओर से दो बार छात्रों को चेतावनी भी दी गई, लेकिन वे नहीं रुके।

देशभर में एनआरसी की चर्चा फैलाते हैं, आज कहते हैं चर्चा ही नहीं थी

लखनऊ (ए.)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एनआरसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। लखनऊ स्थित पार्टी दफ्तर में कांग्रेस की स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा-जो देशभर में एनआरसी की चर्चा फैलाते हैं, आज कहते हैं कि चर्चा ही नहीं थी। ये देश आपको पहचान रहा है, आपकी कार्यकर्ता को पहचान रहा है और आपके झूठों से ऊब चुका है।

प्रियंका ने आगे कहा-अन्य विपक्षी दल राज्य में बहुत ज्यादा नहीं बोल रही हैं, लेकिन जैसा कि मैंने यह कहा कि हम डरनेवाले नहीं है, अगर हमें अकेले भी चलना पड़ा तो हम आवाज उठाते रहेंगे। हमें विधानसभा चुनाव में अकेले जाने की तैयारी करनी होगी। उधर, राहुल गांधी ने एनआरसी और एनपीआर को नोटबंदी से दोगुना ज्यादा बड़ा घातक बताया। राहुल ने पार्टी के 135वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम से अलग गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''ये (एनआरसी और एनपीआर) नोटबन्दी नंबर 2 है। इससे हिंदुस्तान के गरीबों को बहुत नुकसान होने जा रहा है। नोटबन्दी तो भूल जाइये, ये उससे दोगुना झटका होगा। इसमें हर गरीब आदमी से पूछा जाएगा कि वह हिंदुस्तान का नागरिक है या नहीं। लेकिन उनके जो 15 दोस्त हैं उनको कोई दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एनआरसी और एनपीआर की प्रक्रिया से भी सरकार के कुछ ''पूंजीपति मित्रों '' को फायदा होगा। गांधी ने देश में निरोध केंद्र नहीं होने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को लेकर भी उन पर निशाना साधा।

कार्यकर्ता की बात सुनीं प्रियंका ने

मंच पर पहुंचे कार्यकर्ता ने प्रियंका गांधी से कुछ बातें कहीं। विडियो देखकर ऐसा लगा कि वह प्रियंका को कुछ नसीहत दे रहा था। प्रियंका गौर से अपने कार्यकर्ता की बात सुनती रहीं और बीच-बीच में मुस्कुराती रहीं। बात खत्म करके जाने से पहले प्रियंका ने अपने कार्यकर्ता से हाथ मिलाकर उसकी बात पर गौर करने का भरोसा भी दिया। इससे पहले प्रियंका गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संघर्ष करने का मंत्र दिया। प्रियंका ने कहा, 'संघर्ष करके हमें लोगों की आवाज बनना है। दूसरी विपक्षी पार्टियां कुछ कर नहीं रही हैं। डर रही हैं या क्या है, हमें नहीं पता लेकिन हम नहीं डरेंगे। हम इतना मजबूत बनना है कि अगले चुनाव में हम अकेले लड़ें और लोगों की आवाज उठाएं।'

पूरा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी , उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश समेत उत्तर भारत भीषण शीतलहर की चपेट में है तथा न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आने से लोग हाड़ कंपा देने वाली ठंड से बेहाल हैं। राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान जमाव बिन्दू से चार डिग्री सेल्सियस नीचे रहा वहीं दिल्ली में भी शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि दिल्ली में अभी सर्दी का प्रकोप और बढ़ेगा और नये वर्ष के जश्न में बारिश खलल डाल सकती है । उत्तर प्रदेश के भी कई क्षेत्रों में नये साल पर बारिश होने का अनुमान जताया गया है। दिल्ली में आज सुबह लोग जब उठे तो उन्हें शीतलहर का भीषण सामना करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाने से लोगों का ठंड से बुरा हाल है। यहां 14 दिसम्बर से शीतलहर का प्रकोप शुरू हुआ था और अभी अगले तीन दिनों तक इस स्थिति से निजात नहीं मिलने की संभावना है । वर्ष 1901 के बाद यह दूसरी बार है जब राजधानी में इतने लंबे समय तक शीतलहर का प्रकोप झेलना पड़ा है। दिल्ली में आज सुबह 8.30 बजे सबसे कम तापमान लोधी रोड और आया नगर में 1.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सफ्दरजंग में तापमान 2.7 और पालम में 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान में तापमान में गिरावट एवं शीत लहर के कारण कड़ाके की सर्दी का कहर जारी है। सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान जमाव बिन्दू से चार डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। फतेहपुर के अलावा पर्यटन स्थल माउंटआबू, अलवर, सीकर, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल में भी न्यूनतम तापमान जमाव बिन्दू से नीचे चले जाने तथा राजधानी जयपुर सहित कई स्थानों पर तापमान पांच डिग्री से कम रहने के कारण कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हुआ। भीषण ठंड और कोहरे की चपेट में आये उत्तर प्रदेश में नये साल की शुरूआत रिमझिम बरसात के साथ होने की संभावना है।

गृहमंत्रालय का अधिकारी बताकर मंत्री से मांगे 3 करोड़, गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2 को दबोचा

नई दिल्ली (ए.)। गृहमंत्रालय का अधिकारी बताकर हरियाणा सरकार के मंत्री रंजीत सिंह से 3 करोड़ रुपये मांगने वाले दो लोगों का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। गृहमंत्री के नाम पर ठगी करने वाले उपकार सिंह और जगतार सिंह ने 20 दिसंबर को एक ऐप के जरिये हरियाणा सरकार में मंत्री रंजीत सिंह को कॉल किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने रंजीत सिंह से कहा कि अमित शाह पार्टी फंड के नाम पर 3 करोड़ रुपए मांग रहे हैं। हालांकि जब इस फोन की जांच की गई तो पता चला कि ऐसी कोई कॉल अमित शाह के घर से नहीं की गई थी। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार किये गए आरोपियों का नाम जगतार सिंह और उपकार सिंह है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार में मंत्री रंजीत सिंह को एक ऐप के जरिये कॉल किया गया था, जिसमे जब किसी को कॉल करते हैं तो, नंबर किसी और का शो होता है।

सीएम बंगले की दीवारों पर 'नफरत की इबारत', लिखा- हू इज यूटी...फडणवीस रॉक्स

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बंगले 'वर्षा' की दीवारों पर नफरत की इबारत लिखी पाई गई है। नफरत का यह संदेश महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में है। मुख्यमंत्री के इस बंगले में पहले देवेंद्र फडणवीस अपने परिवार के साथ रहते थे। जो खबरें मिली हैं उनके मुताबिक नफरत का यह संदेश उस कमरे की दीवार पर लिखा गया है जिसमें देवेंद्र फडणवीस की बेटी द्विजा रहती थी। 'वर्षा' बंगले के कमरे के दीवार पर लिखा मिला, 'हू इज यू टी...यानी यू टी कौन है...? यू टी इज मीन यानी यू टी बुरा है, शट अप...।' इस संदेश में कहीं भी साफ तौर पर नए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम नहीं लिखा है, लेकिन यू टी का मतलब उद्धव ठाकरे निकाला जा रहा है। इसके अलावा 'शटअप', 'बीजेपी रॉक्स', 'फडणवीस रॉक्स' जैसे स्लोगन भी दीवारों पर लिखे पाए गए हैं।

दीवार पर लिखा मिला, 'हू इज यू टी'

फडणवीस द्वारा यह बंगला खाली किए जाने के बाद इन दिनों इस बंगले में मरम्मत का काम चल रहा है। मरम्मत के इस काम के दौरान ही दीवारों पर लिखे यह नफरत भरे संदेश सामने आए हैं। देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने पिछले दिनों शिवसेना और उद्धव ठाकरे के खिलाफजिस तरह से ट्वीट किए हैं, उसके बाद सामने आए इन नफरत भरे संदेशों को लेकर राजनीति में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या सत्ता जाने के बाद फडणवीस परिवार उद्धव ठाकरे से इस कदर नफरत करने लगा है? क्योंकि देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे एक दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बताते रहे हैं।

फडणवीस के पक्ष में लिखा है

बंगले की मरम्मत के लिए इन दिनों मुख्यमंत्री आवास पीडब्ल्यूडी के कब्जे में है। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि फडणवीस परिवार के घर खाली करने के बाद बंगले में किसी को भी प्रवेश की इजाजत नहीं थी। देवेंद्र फडणवीस इन दिनों दक्षिण मुंबई के एक फ्लैट में रह रहे हैं। नए साल में वह अपने नए सरकारी आवास 'सागर' में रहने के लिए जाने वाले हैं।

बदनाम करने की साजिश : फडणवीस

अब तक इस बंगले में रहे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि जब उन्होंने वर्षा बंगला खाली किया था तब वहां ऐसा कुछ नहीं था। उनका कहना है कि उन्होंने स्वयं सब कुछ ठीक से देखा था। यह उन्हें बदनाम करने की कोशिश है। फडणवीस ने टिप्पणी की कि राजनीति कितने निचले स्तर तक जा रही है।

ऐसा बयान | कोटा में बच्चों की मौतः अशोक गहलोत बोले- पिछले 6 साल के मुकाबले बच्चों की सबसे कम मौतें

रोज होती है 3-4 मौतें, इसमें नई बात नहीं : गहलोत

जयपुर (ए.)। राजस्थान के कोटा में दस नवजात बच्चों की अचानक हुई मौत मामले पर प्रदेश के सीएम अशोक गहलोत ने बड़ा असंवेदनशील बयान दिया है। मीडिया से बात करते हुए शनिवार को उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर अस्पताल में हर रोज 3-4 मौतें होती हैं। यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने इस दौरान दावा किया कि इस साल पिछले 6 सालों के मुकाबले सबसे कम मौतें हुई हैं।

मीडियाकर्मियों ने सीएम से पूछा था कि अस्पताल में बच्चों की जानें गई हैं, तो इसकी भरपाई कौन करेगा। इस पर जवाब देते हुए गहलोत ने कहा कि उनके पास आंकड़ें हैं कि बीते 6 सालों में इस साल सबसे कम जानें गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इस साल केवल 900 मौतें हुई हैं। सीएम ने कहा कि एक भी बच्चे की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन मौतें 1400 भी हुई हैं, 1500 भी हुई हैं। इस साल तकरीबन 900 मौतें हुई हैं।

'बच्चों की मौत कोई नई बात नहीं'

सीएम ने आगे कहा, '900 भी क्यों हुई हैं, वह भी नहीं होनी चाहिए। देश-प्रदेश के अंदर हर दिन हर अस्पताल के अंदर 3-4 मौतें होती हैं। इसमें कोई नई बात नहीं है।' सीएम ने कहा कि इसके लिए उन्होंने जांच कराई है और ऐक्शन भी लिया है। उन्होंने कहा कि अपनी सरकार के पिछले टर्म में भी उन्होंने अस्पतालों के ऑपरेशन थिअटर को लंबे अंतराल के बाद अपग्रेड कराया था। गौरतलब है कि कोटा के जेकेलोन मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में दस नवजात बच्चों की अचानक मौत हो गई थी। इस महीने इसी अस्पताल में 77 बच्चों की मौत हो चुकी है।

ओम बिड़ला ने जताई चिंता

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इसे चिंता का विषय बताते हुए राजस्थान सरकार से इस मामले में संवेदनशीलता के साथ तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि कोटा बिड़ला का संसदीय क्षेत्र है।

अस्पताल में इस महीने 77 से ज्यादा बच्चों की मौत

बता दें कि कोटा स्थित जेके लोन अस्पताल में इस महीने 77 से ज्यादा बच्चों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। सिर्फ 2 दिनों में ही 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। इसमें नवजात शिशु भी शामिल हैं। अस्पताल भी इन मौतों को सामान्य बताने में जुटा हुआ है। अस्पताल का कहना है कि 2 दिनों में ही जिन 10 बच्चों की मौत हुई है, उनकी स्थिति काफी गंभीर थी और वे वेंटिलेटर पर थे। अस्पताल ने यह भी दावा किया है कि 23 और 24 दिसंबर को जिन 5 नवजात शिशुओं की मौत हुई वे सिर्फएक दिन के थे और भर्ती करने के कुछ ही घंटों के अंदर उन्होंने आखिरी सांस ली। अस्पताल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वे हाइपॉक्सिक इस्केमिक इंसेफ्लोपैथी से पीड़ित थे।

किसान भटक रहे, सरकार नाचने में मशगूल : रमन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी ने बस्तर क्षेत्र के सुकमा, छिंदगढ़ ,कांकेर व देवभोग समेत अनेक स्थानों में किसानों का धान खरीदने में की जा रही आनाकानी की निंदा करते हुए आदिवासियों के हितों की रक्षा की डींगे हांकने वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बस्तर के किसानों की पीड़ा महसूस नहीं हो रही है, जहां टोकन कटने के बाद भी किसानों का धान खरीदा नहीं जा रहा है और किसान कई-कई किलोमीटर का फासला तय करके आने के बाद धान नहीं बिकने पर वापस धान लेकर निराश लौट रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री उसेंडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा

प्रदेश सरकार की पीठ ठोकने को वास्तविकता से मुंह चुराना बताया है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी ने प्रदेश के किसानों, महिलाओं, युवकों समेत सभी वर्गों के साथ प्रदेश सरकार के छलावों और वादाखिलाफी को नजरंदाज करने का काम किया है। आखिर प्रदेश सरकार को किस बात की शाबाशी मिलनी चाहिए? जो मुख्यमंत्री अपने प्रदेश के आदिवासी किसानों तक को दर-दर भटकाकर धान खरीदने में आनाकानी कर रहे हैं, वे केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्तीय प्रबंधन का ज्ञान बांटते हुए शोभा नहीं देते। पहले वे अपने प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन को तो दुरुस्त करके किसानों का पूरा धान खरीदने की ईमानदारी दिखाएं।

रमन सिंह किसानों के लिये घढ़ियाली आंसू बहा रहे : शैलेष

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। रमन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुये प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि रमन सिंह किसानों के लिये घढ़ियाली आंसू बहा रहे है। किसानो से धोखाधड़ी कांग्रेस का नहीं भाजपा का चरित्र है। भाजपा जब सरकार में थी तब तो भाजपा ने वायदा कर के किसानों को धोखाधड़ी के अलावा और कुछ भी नहीं दिया। रमन सिंह जी ने कहा था कि 5 हॉर्स पावर पंपों की मुफ्त बिजली दी जाएगी,

नहीं दी। रमन सिंह जी ने कहा था कि एक-एक दाना किसान की धान की खरीद होगी, नहीं की। रमन सिंह जी ने कहा था कि 2100 रु. का धान का समर्थन मूल्य देंगे और 300 रू. बोनस 5 साल तक देंगे, नहीं दिया। किसानों से किया गया एक भी वादा न पूरा करने वाले रमन सिंह जी और भाजपा को किसानों से किया गया एक-एक वादा पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार के मुखिया भूपेश बघेल पर झूठे और निराधार आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

देश की सबसे पुरानी पार्टी 135 बरस की हुई कांग्रेस

कांग्रेस.. कल, आज और कल

राजीव भवन में पीसीसी चीफ ने फहराया ध्वज, अम्बेडकर प्रतिमा से गांधी मैदान तक निकाली भारत बचाओ संविधान बचाओ रैली

■ भारत बचाओं रैली में सीएम संग कांग्रेसी चले पैदल

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय राजीव भवन में आज कांग्रेस के 135वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने झण्डा वंदन कर, महात्मा गांधी जी के चित्र पर मार्ल्यापर्ण और पुष्पाजंलि अर्पित कर कांग्रेसजनों को बधाई दी। इस गरिमामय अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिव डॉ. चंदन यादव, आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा, महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया, शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, प्रभारी महामंत्री गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नगर घड़ी चौक के पास अम्बेडकर प्रतिमा से गांधी मैदान कांग्रेस भवन तक कांग्रेसजनों ने भारत बचाओं-संविधान बचाओं की रैली निकाली जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रभारी सचिव डॉ. चंदन यादव, प्रभारी महामंत्री गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, विधायक विकास उपाध्याय सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

134 साल पूर्व 72 लोगों से शुरु हुई थी कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस, भारत का सबसे प्राचीन राजनीतिक दल है । इसकी स्थापना 28 दिसंबर, 1885 में मुंबई के गोकुल दास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में काँग्रेस के पहले सम्मेलन में हुई थी जहाँ देश भर से 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था । काँग्रेस के संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे और अध्यक्ष थे देश के प्रतिष्ठित अधिवक्ता व्योमेश चन्द्र बैनर्जी । साल 1885 में, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस में कुल 72 सदस्य थे जिनमें महत्वपूर्ण थे दादा भाई नौरोजी, फिरोज शाह मेहता, दिनशॉ इदुलजी वाचा, काशीनाथ तैलंग, वी. राघवाचार्य, एन.जी. चंद्रावरकर, एस. सुब्रमण्यम इत्यादि ।

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के मुख्य उद्देश्य एवं कार्यक्रम थे

1. लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी आंदोलन चलाना
2. भारतीयों को राजनीतिक लक्ष्यों से परिचित कराना तथा शिक्षा देना
3. आंदोलन के लिए मुख्यालय की स्थापना करना
4. देश के विभिन्न भागों के राजनीतिक नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के मध्य मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों की स्थापना
5. उपनिवेशवादी विरोधी विचारधारा को प्रोत्साहन एवं समर्थन देना
6. एक सामान्य आर्थिक एवं राजनीतिक कार्यक्रम हेतु देशवासियों को एकमत करना
7. लोगों को जाती, धर्म एवं प्रांतीयता की भावना से उठा कर उनमें एक राष्ट्रव्यापी अनुभव को जागृत करना
8. भारतीय राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित एवं उसका प्रसार करना।

134वीं वर्षगांठ में ये 60 कांग्रेस अध्यक्ष रहे

बोमेश चंद्र बॅनर्जी, दादाभाई नौरोजी, बदरुद्दीन तैयबजी, जॉर्ज यूल, विलियम वेडरबर्न, फिरोज शाह मेहता, पी. आनंदा चारलू, अल्फ्रेड वेब, सुरेंद्र नाथ बनर्जी, रहिमतुल्ला सयानी, सी. शंकरन नायर, आनंद मोहन बोस, रोमेश चंद्र दत्त, एन. जी. चंद्रावरकर, दिनशा इदुलजी वाचा, लाल मोहन घोष, हेनरी कॉटन, गोपाल कृष्ण गोखले, डॉ. रास बिहारी घोष, पंडित मदन मोहन मालवीय, पंडित बिशन नारायण डार, आर एन. मुधोलकर, नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर, भूपेन्द्रनाथ बोस, सत्येंद्र प्रसन्ना सिन्हा, अंबिका चरण मजूमदार, श्रीमती डॉ. एनी बेसेंट, हसन इमाम, पंडित मोतीलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, सी. विजयराघवाचार्य, हकीम अजमल खान, देशबंधु चित्तरंजन दास, मौलाना मोहम्मद अली, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, महात्मा गांधी, श्रीमती सरोजिनी नायडू, एस. श्रीनिवास आयंगर, डॉ. एम.ए. अंसारी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, श्रीमती नेल्ली सेनगुप्ता, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सुभाष चंद्र बोस, आचार्य जे.बी. कृपालानी, बी. पट्टाभि सीतारमैया, पुरुषोत्तम दास टंडन, यू.एन. धेवर, एन. संजीव रेड्डी, के. कामराज, एस. निजिलिंगप्पा, जगजीवन राम, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, देवकांत बरुआ, श्रीमती इंदिरा गांधी, कार्यकारी अध्यक्ष पं. कमलापति त्रिपाठी, राजीव गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी, श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, श्रीमती सोनिया गांधी (कार्यवाहक)।

कांग्रेस सेवादल का स्थापना दिवस भी मना

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल के स्थापना दिवस के अवसर पर अम्बेडकर चौक रायपुर मे स्थित डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा मे भावभीनीश्रद्धांजलि माल्यार्पण कर भारतमाता एवं भारतीय संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया गया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस सेवादल एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कांग्रेसजनो द्वारा अम्बेडकर चौक से केन्द्र सरकार के द्वारा जनता के ऊपर थोपे जा रहे तानाशाही विधेयक एन.आर.सी. के विरोध मे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर मार्चपास्ट करते हुये जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी मैदान छोटापारा पहुंचकर समापन सभा कर, कांग्रेस पार्टी के ध्वज卐 का ध्वजारोहण किया गया ।तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीवभवन शंकरनगर मे कांग्रेसपार्टी के ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। रायपुर कांग्रेस सेवादल परिवार की ओर से आप सभी सहभागी कांग्रेसजनो एवं सेवादल साथियों का हार्दिक आभार सहित धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवादल ने किया मार्चपास्ट, ध्वजारोहण

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल के स्थापना दिवस के अवसर पर अम्बेडकर चौक रायपुर मे स्थित डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा मे भावभीनीश्रद्धांजलि माल्यार्पण कर भारतमाता एवं भारतीय संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया गया । छत्तीसगढ़ कांग्रेस सेवादल एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कांग्रेसजनो द्वारा अम्बेडकर चौक से केन्द्र सरकार के द्वारा जनता के ऊपर थोपे जा रहे तानाशाही विधेयक एन.आर.सी. के विरोध मे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर मार्चपास्ट करते हुये जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी मैदान छोटापारा पहुंचकर समापन -सभा कर, कांग्रेस पार्टी के ध्वज का फहराया गया। तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीवभवन शंकरनगर मे कांग्रेसपार्टी के ध्वज का ध्वजारोहण किया गया।

याद रहोगे, मास्टरजी!

कनक तिवारी

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी-हिन्दी साहित्य और खड़ी बोली के वाड़्मय का अब पुराना पड़ता जा रहा लेकिन मील के पत्थर की तरह लेखन के सफर का शुरुआती नाम है। साहित्यिक बिरादरी के लिए 'बख्शी जी' परन्तु अपनों के लिए 'मास्टजी' का सम्बोधन स्मृति के धुंधले तहखाने में डूबता जा रहा है। उनका मूल्यांकन उनके समकालीनों और मौजूदा पीढ़ी ने नहीं किया है। मास्टर जी के लेखन का भूगोल खैरागढ़ से उत्तरप्रदेश की साहित्यिक राजधानी इलाहाबाद के मार्फत सारे हिन्दी जगत में फैला। डायरी विधा हो या ठर्र बुद्धिजीवी गद्य, कथा विन्यास हो या कथा-आलोचना या कथा-निबन्ध मास्टर जी अपनी दुनिया के बेताज बादशाह थे। एक पोस्ट कार्ड का आवेदन उन्होंने क्या कर दिया, 'सरस्वती' के उनके पूर्ववर्ती संपादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्पादक के रूप में उन्हें नियुक्त कर इलाहाबाद स्टेशन पर स्वागत करने दौड़े आए। एक ओर बख्शी जी जैसे शास्त्रीय और दूसरे मुक्तिबोध जैसे आधुनिक लेखक ने मेरे साथ-साथ सस्ती होटलों की चिकनाई भरी चीजें और अनगिनत कप चाय अपने जिस्म में उड़ेलकर सेहत का कबाड़ा भी किया है। बक्षी जी की याद आज मेरी सबसे बड़ी पूंजी तो है लेकिन उसके साथ मुक्तिबोध के जो चाय नाश्ते के खर्च मैंने उठाये थे वह मुझ जैसे अदना आदमी के जीवन की सबसे सार्थक पूंजी निवेश भी है। मेरा सोच, मेरा लेखन बल्कि मेरा अस्तित्व उस पूंजी के ब्याज से ही प्रकाशवान है।

2 पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी निबन्ध, कविता, कहानी, उपन्यास, आलोचना आदि विधाओं के बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों बल्कि पूरी सदी के पूर्वार्द्ध के एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। एक लगभग गुमनाम कस्बे खैरागढ़ में रहते हुए सूचनातंत्र के अभाव के कारण ताजातरीन पुस्तकों तक से वंचित बख्शी जी ने असाधारण रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए कुछ नई विधाओं के प्रयोग करते हुए हिन्दी साहित्य के वांग्मय में ऐसी दस्तक दी कि श्रेष्ठि वर्ग भौंचक रह गया। बख्शी जी के पहले माधवराव सप्रे ने लगभग चमत्कृत करते हुए खैरागढ़ से भी ज्यादा बीहड़ पेन्डरा रोड से 'छत्तीसगढ़ मित्र' नामक महत्वपूर्ण साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन शुरु किया जो 1902 में बंद हो गई। बच्चू जांजगीरी और हरि ठाकुर वगैरह छत्तीसगढ़ के जुझारू लेखकों ने यह लगभग सिद्ध करने का प्रयास किया कि माधवराव सप्रे की कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' हिन्दी साहित्य की पहली कहानी है। यदि पैसों की किल्लत के कारण 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन बंद नहीं हुआ होता, तो संभव है वह हिन्दी वांग्मय के इतिहास में सबसे प्रमुख पत्र के रूप में दर्ज होता। माधवराव सप्रे के बाद पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और मुकुटधर पांडेय थे जिन्होंने इस धरती का यह दाय अपने ऊपर लिया कि साहित्य के स्थापित आचार्यों के मुकाबले युवा छत्तीसगढ़ी लेखकों की बौद्धिक चुनौतियों के स्फुलिंग बिखेरे जाएं। मुकुटधर पांडेय और बख्शी जी ने मिलकर छायावादी कविता में पहली दस्तक बनने का श्रेय प्राप्त किया है। कहते हैं मुकुटधर पांडेय ने ही 'छायावाद' शब्द का इस्तेमाल किया। यह बख्शी जी थे जिन्होंने हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ आलोचक रामचंद्र शुक्ल के बरक्स यह कहा कि नई कविताओं का जो सैलाब आया है उसे रहस्यवाद नही स्वच्छंदतावाद कहा जाना चाहिए। बाद में आलोचकों ने बख्शी जी की मान्यता को स्वीकार किया।

3 क़विता के क्षेत्र से बख्शी जी जल्दी ही हट गए क्योंकि वह उनकी प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का इलाका नहीं था। उन्होंने लगभग सौ कहानियां भी लिखी हैं, जिनका ऐतिहासिक महत्व है। लेकिन निबन्ध और आलोचना के क्षेत्र में वे सचमुच मास्टर जी हैं। कहानी और निबन्ध विधाओं को एक साथ मिलाकर बख्शी जी ने एक मिश्रण या यौगिक नहीं बल्कि एक पारदमिश्रण (अमलगम) तैयार किया है जिस पर उनका पेटेण्ट कराना चाहिए। उनके निबन्ध पढ़ने से उनमें से कहानी झांकने लगती है। कहानी की उंगली पकड़कर चलने से उसमें कविता की तरलता महसूस होती है। फिर विचार ही विचार दिमाग को झकझोरने लगते हैं। उसके बाद फिर पाठक निबन्ध के ठौर पर पहुंच जाता है। यह एक अद्भुत प्रयोग था जिसका जानबूझकर बख्शी जी के समकालीनों ने नोटिस नहीं लिया। बाद की हिन्दी की तथाकथित प्रगतिशील आलोचना बख्शी जी से बाखबर रहते हुए भी बेखबर बने रहने का छद्म करती रही। साहित्य के सूबेदार इस बात को लेकर भौंचक थे कि छत्तीसगढ़ के एक देहाती कस्बे का गदहपचीसी की उम्र का निम्न मध्यमवर्गीय गुमनाम युवक इलाहाबाद, बनारस और आगरा जैसे कुलशील नगरों के स्थापित साहित्यकारों और मानदंडों के बरक्स एक समानांतर बड़ी लकीर खींचकर उन्हें चुनौती कैसे दे सकता है।

4 बीसवीं सदी खड़ी बोली हिन्दी के गद्य की पहली सदी है। साथ ही संसार के केन्द्र में पश्चिम के आ जाने की भी यही सदी है। जिस बीसवीं सदी का अंत हुआ, वह वस्तुतः पश्चिम की बीसवीं सदी है। जाहिर है पश्चिम में इंग्लैंड और सोवियत संघ भी रहे हैं। दिग्विजय महाविद्यालय में आत्मा के दो लोहार, जो प्राध्यापक थे, अपनी शुरुआत से ही लगभग मौलिक और साहसिक भविष्यमूलक प्रयोग कर रहे थे। मुक्तिबोध उपन्यासों मुख्यतः रूसी उपन्यासकारों से प्रेरणा लेकर एक अद्भुत रूप अर्जित करने की कोशिश कर रहे थे। मुक्तिबोध कविता में उपन्यास लिखने की लगभग अभिशप्त और विफल होने की प्रशंसनीय चेष्टा कर रहे थे। उनकी कविताओं का रूपाकार, लम्बाई और तामझाम भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अनुसार मेरे इस तर्क का दस्तावेजी सबूत है। बख्शीजी मुख्यतः अंगरेजी भाषा के निबंधकारों के सम्पर्क में थे क्योंकि भारत में हिन्दी में वैसे रोल मॉडल नहीं थे। चार्ल्स लैंब, एडगर एलेन प्रो, जोसेफएडिसन, एज़ी ग़ार्डिनर, स्टील, कार्लाइल, ऑस्कर वाइल्ड, मैथ्यू आर्नल्ड, जार्ज बर्नर्ड शॉ, अल्डुअस हक्सले, हैजलिट, वर्जीनिया वुल्फ, स्टीवेन्सन वगैरह वगैरह को पढ़ने से युवा पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी में पारंपरिक भ्रूण एक विधा का वर्णसंकर रूपांतरण अपनी निजता के साथ प्रजनित करने का संस्कार रच रहा था।

5 यहां यह ठहर कर देख लेना चाहिए कि हिन्दी कविता के पांच सौ बरस से एक हजार बरस के इतिहास के बरक्स हिन्दी के गद्य को बख्शी जी के लिहाज से कोई पचासेक बरस हुए थे अपनी अस्मिता, अस्तित्व और पहचान को लेकर। भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बाबू पूर्णसिंह, बालकृष्ण भट्ट, गुलेरी, गुलाबराय, प्रतापनारायण मिश्र, रामचंद्र शुक्ल, महावीरप्रसाद द्विवेदी, बालमुकुन्द गुप्त, शिवपूजन सहाय, श्यामसुंदर दास, रामेश्वर प्रसाद, राजा लक्ष्मण सिंह, बद्रीनारायण चैधरी, ठाकुर जगमोहन सिंह, अम्बिकादत्त व्यास, माधव मिश्र, पदुमसिंह शर्मा, वियोगी हरि, पांडेय बेचन शर्मा उग्र, लाला शिवनिवास दास, स्वामी दयानन्द, गोविन्द नारायण मिश्र, जैसे गद्याचार्यों के गुरुकुल के बावजूद छत्तीसगढ़ के एक गुमनाम (अब भी) कस्बे खैरागढ़ से एक युवा, मध्यवर्गीय, शिष्ट, परम्परावादी उत्तराधिकार का लेखक भविष्य के सामने चुनौतियां बिखेरने का शगल कर रहा था। वह मुक्तिबोध की तरह दीवारों से सर टकराने की तकनीक के बदले अपनी शरीर आंखों से सायास अबोध दिखते हुए साहित्य की जागीरदारी की विरासत के समानान्तर उनसे बड़ी लकीर खींच रहा था। उसका मिट जाने में तो विश्वास रहा होगा, किसी स्थापित विधा, शैली, व्यक्तित्व या समझ को मिटाने में नहीं। यह बख्शी जी थे जिन्होंने इतना पढ़ लिया था और वह भी मुख्यतः पश्चिमी साहित्य या बांग्ला के उस्तादों को कि फिर वे महावीर प्रसाद द्विवेदी के जुमले, 'ज्ञान राशि के संचित कोष का नाम साहित्य है' को पुष्ट करने के प्रयास में खुद अपने निबंधों के ही हत्थे चढ़ते गए थे। उनके निबन्ध कहानियों की कोख में पलते लगते हैं। कहानियों में कविता का रक्त होता है। वह पूरा पिंड लेकिन विचार से सना होता है। पूरी प्रजनन-प्रक्रिया जन्म के पहले देशी भाषा, मुहावरों और जीवनानुभवों की दाइयों के भरोसे होती है। उच्च मध्य वर्ग के अभिजात एयरकंडीश्न्ड अस्पतालों के इलाहाबादी या बनारसी मैटर्निटी वार्ड के बदले जो रचनात्मक लेखन छत्तीसगढ़ में उत्पन्न होता है वह हिन्दी के समकालीन आलोचकों को लोकोक्तियों के हाथी की तरह दिखता है कि यह रस्सी है या सूप, या पेड़ का तना।

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

6 हिन्दी गद्य का गर्भगृह आजादी के आन्दोलन और आधुनिकता की सुगबुगाहट में भी है। लोहिया ने कहा है कि संसार में शायद केवल भारत है जहां की भाषा संस्कृत में कविता में ही पूरा दर्शन विचारित किया गया है और वह भी संगीतमय भाषा में। गद्य ने विचार की भाषा की भूमिका तो स्वीकार कर ली लेकिन बीसवीं सदी में उसका काफी चिन्तन अनुवाद या अन्योक्ति की भाषा में टर्राता रहा। कई बार तो हिन्दी गद्य जटिलता, सूक्ष्मता, परिष्कार और गहरी दार्शनिक उपपत्तियों से मुंह फेरे दिखाई पड़ता है। फिर वह भाषायी लाक्षणिकता के आडम्बर के कारण सम्प्रेशणीय भी नहीं हो पाता। दूसरी दिक्कत यह भी थी कि कविता में शायद वैचारिक, बौद्धिक लेखन की पूरी गुंजाइश नहीं होने से बड़े से बड़े कवि को गद्य में अभिव्यक्त होने की आजादी के विकल्प का उपयोग करना पड़ा है। जयशंकर प्रसाद, महादेवी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर, नागार्जुन, रघुवीर सहाय, श्रीकांत वर्मा, विजयदेवनारायण साही और औपन्यासिक गद्य को लेकर विनोदकुमार शुक्ल तक कवि होने के साथ गद्यकार भी हैं। ये लोग कविता मात्र से संतुष्ट नहीं हैं या कविता में ही परिपूर्णता पाने की इन्हें आश्वस्ति नहीं है-पता नहीं। अशोक वाजपेयी इसीलिए कहते हैं कि इस सदी को हिन्दी कविता में गद्य की घुसपैठ की सदी भी कहा जा सकता है। बख्शीजी ने भी शुरुआत में कविताएं लिखीं। छत्तीसगढ़ जैसे महत्वहीन इलाके के होने के कारण इलाहाबाद और बनारस से बख्शी जी के लिए मौलिक और श्रेष्ठ उद्घाटक होने के फतवे जारी नहीं किए गए। इस पचड़े में पड़े बिना कहा जा सकता है कि बख्शी जी ने जो स्थापनाएं कीं, वे ठीक उसी तरह हैं जैसे उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठों के अल्पमत के न्यायाधीष के फैसले बाद की संविधान पीठों के बहुमत द्वारा स्वीकार किये जाते हैं, इस तरह कि उनकी भविष्यमूलकता और प्रामाणिकता को प्रमाणपत्र मिल जाए। बख्शी जी के पास गद्य का कोई जैविक संसार, पूर्वज या गुरुकुल आसपास नहीं था। फिर भी उन्होंने खैरागढ़ में रहते हुए महज एक पोस्टकार्ड से इलाहाबाद के केन्द्र से संचालित कितना बड़ा समग्र साहित्य का जनपद अपने लिए स्वायत्त किया! बख्शी जी ने इतिहास के गुरूर को तो समझा होगा लेकिन उन्होंने भूगोल के भी मिथक को तोड़ा। एक नामालूम कस्बे के नामालूम मध्यवर्गीय युवक ने साहित्यपीठ के अधिष्ठाताओं की रचनाओं का 'सरस्वती' के लिए सम्पादकीय परीक्षण करके जोखिम भरी चुनौतियां बिखेरीं-यही मेरा कहना नहीं है। छत्तीसगढ़ के माध्यम से मध्यवर्ग और निम्न मध्यवर्ग के वे चरित्र जिनकी देह से इत्र फुलेल के बदले पसीने की गंध आती है-बख्शी जी की कलम से साहित्य के नियामक मूल्यों, नये प्रयोगों और लेखन की ताकत के प्रामाणिक और स्वीकार्य ईंधन बने।

7 यह बहुत कम लोगों को मालूम है कि बख्शी जी के लेखन की मूल प्रेरणा अंग्रेजी के लेखक तथा बांग्ला साहित्यकार ज्यादा रहे हैं। खड़ी बोली का इतिहास लगभग बख्शी जी का समकालीन ही कहा जाएगा। उनसे पहले जो कुछ लिखा भी गया है, वह भाषा अब धीरे धीरे व्यवहार और प्रयोग के बाहर हो रही है। यह बेहद आश्चर्यजनक है कि बख्शी जी के अधिकांश समकालीनों की भाषा आज पढ़ने पर ऐसे लगती है मानो कपड़ा धुल तो गया हो परंतु उस पर इस्तरी नहीं की गई हो। इनके मुकाबले पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की भाषा आज भी समकालीन, ताजा और आधुनिक लगती है। लेखक वही है जो कथ्य के अतिरिक्त ऐसी भाषा रचे जो बाद की पीढ़ियों को पढ़ने में लगे कि उन्हें भी ऐसी ही भाषा लिखनी चाहिए। बख्शी जी की भाषा शास्त्रीय, अलंकारिक, टकसाली या पंडिताऊ किस्म की ठर्र नहीं है। वह भाषा आमफहम, चुस्त, तरल और तराशी हुई है। भाषा ही नहीं बख्शी जी का सोच भी पूरे विश्व और भारत को अपनी परिधि में समेटता चलता है। उनके साहित्य में छत्तीसगढ़ का उसके स्थानों और चरित्रों को लेकर इतना ज्यादा उल्लेख है कि वे छत्तीसगढ़ी अस्मिता के पहले सशक्त हस्ताक्षर बन गए हैं। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ के इस शलाका पुरुष ने यहां की अस्मिता को लेकर उसे केवल क्षेत्रीयता का नकाब नहीं ओढ़ाया। बख्शी जी का भूगोल किसी एक जनपद का भूगोल नहीं बल्कि पूरी दुनिया का भूगोल है लेकिन उसमें छत्तीसगढ़ की अंतर्ध्वनि है। ऐसी ही अंतर्ध्वनियां मुकुटधर पांडेय, श्रीकांत वर्मा, शानी, बल्देवप्रसाद मिश्र, सुंदरलाल शर्मा, विनोदकुमार शुक्ल, विभु कुमार, रमाकांत श्रीवास्तव, लाल मोहम्मद रिज़वी, शंकर शेष , शशि तिवारी, परदेशीराम वर्मा आदि के लेखन में भी हैं जिसमें छत्तीसगढ़ की आत्मा धड़कती रहती है। छत्तीसगढ़ के चरित्रों, घटनाओं, अनुभवों, अवलोकन और प्रसंगों को अपने साहित्य का कच्चा माल समझकर जो उत्पाद बख्शी जी के कारखाने में बना उसमें क्षेत्रीयता का आग्रह नहीं है। वह साहित्य के आचार्यों को विनम्रतापूर्वक सूचित करता है कि भूगोल की इकाइयों में ऐसी रचनात्मक ताकत होती है कि वह इतिहास का हिस्सा बनाया जाए।

8 चार्ल्स लैम्ब सुबकता भी है। करुणा ऐसे लीपता है कि आंखें 'ड्रीम चिल्ड्रेन' पढ़कर रो पड़ती हैं। मैथ्यू आर्नल्ड शास्त्रीयता बूंकता है। नैतिकता के मानदंड जरूर स्थापित करता है। जोसेफ एडिसन समझ के झरोखे पर बैठकर आमजन की भाषा में जग का मुजरा लेता रहता है और वह भी आमफहम अखबारी भाषा में। कारलाइल का तेज गद्य कैंची या चाकू की तरह काटने छीलने को तैयार रहता है ताकि अवांछित उगी वर्जनाएं तराशी ही जाती रहें। हक्सले गम्भीर चिंतक है। उसे अतीतजीवी नहीं कहा जा सकता। वह सपनों में यथार्थ लगने के बोध को आंखों में आंज देता है। शॉ तो बात बात में लड़ पड़ता है। अपनी बात (हालांकि वह सही होती है) को मनवा लेना चाहता है। ऐसे ही कुछ और लक्षण युक्त लेखक हैं। इन सबके चलते हिन्दी के स्वनामधन्य आलोचक शायद अतिरिक्त उत्साह में बख्शी जी को हिन्दी का एज़ी ग़ार्डिनर कह देते हैं। अब ये जो एज़ी ग़ार्डिनर हैं-अंगरेजी के बख्शी जी नहीं हैं। न उन्होंने संस्थापक गद्यकारों की तरह अंगरेजी भाषा का शिल्प या वैचारिक संस्कार गढ़े, न उन्होंने विधाओं की पारस्परिकता के प्रयोग करके टेस्टट्यूब बेबी या रोबोट पैदा किए। अंगरेजी गद्य की शुचिता, शराफत, विनयशीलता, सादगी, तरल भाषा, वैचारिकता, संकेतिक व्यंग्य और अकूत संभावनाओं पर अपनी रचनात्मकता का सेटेलाइट उठाए जो यह सब रच जाता है, वही संस्थापक गद्य आचार्य एडिसन आज भी सबसे ऊपरी मंजिल के फ्लैट में रहता है। उससे मिलना हो तो प्रयोगधर्मिता, आत्मविश्वास, समझ और दिमागी खुलेपन की ताजगी वाली भाषा की लिफ्ट पर बैठना होगा। बख्शी जी हिन्दी गद्य के जोसेफ एडिसन हैं, हालांकि एडिसन का रूपांतरण नहीं। अपनी ऐतिहासिकता, प्रयोगधर्मिता, तल्लीनता और भविष्यमूलकता के कारण हिन्दी गद्य का कोई (प्राध्यापकीय लेखकों आलोचकों से अनुमति लेकर) काल पात्र बनाया जाए तो अलग अलग ललित और वैचारिक कारणों से उसमें राममनोहर लोहिया और राजेन्द्र माथुर जैसे लेखकों का गद्य भी साथ रखा जाना चाहिए क्योंकि हिन्दी का गद्य केवल साहित्यकारों द्वारा लिखा गया गद्य नहीं है। बख्शी जी में कबीर के तेवर का तो नहीं लेकिन नस्ल का वैचारिक फक्कड़पन और गांधी की तरह की आर्द्र मानवीय गरिमा हमें दिखाई पड़ती है। बख्शी जी को द्वारिकाप्रसाद मिश्र ने आजन्म प्राध्यापकी करने और मानद डीलिट् देने जैसे निर्णय लिए थे। उन्हें साहित्य वाचस्पति वगैरह उपाधियों से नवाजा भी गया।

9 बख्शी जी के ललित गद्य में कोई आडम्बर, तिलिस्म या छल नहीं है। उसमें सहज बौद्धिकता है। वे पाठकों के स्थायी संरक्षक हैं। उनकी गुण ग्राहकता अचम्भे में डालती है। संस्कृत कॉलेज रायपुर के पुस्तकालय से मेरे द्वारा लाई गई मिल्टन की 'पैराडाइज लॉस्ट' की आलोचना पुस्तकों को पढ़कर बख्शी जी और मुक्तिबोध रिटर्न गिफ्ट देने में अलग अलग तरह से अभिव्यक्त हुए। उनका अकेला श्रोता उस समय मात्र तेइस वर्ष का था। उससे दूने वर्ष बीत जाने से अब तो स्मृति भी क्षीण हो गई है। लेकिन तब जरूर लगा था कि वह महान जन्मांध अंगरेज कवि यदि लूलानिहत्था भी होता तो आदम और हव्वा का क्या बिगड़ जाता! बख्शी जी ठंडे रचनाकार नहीं थे। उनमें एक जीवन्त मनुष्य बैठा हुआ है। उन्होंने कुछ मौलिक, प्रयोग किए-केवल यही कहना तो एक स्थूल तर्क है। उसमें से स्थापित फॉर्म या विधाओं के तत्वों को बीन या नोचकर अलग अलग नहीं किया जा सकता। यह जोखिम उठाने में बख्शी जी ने स्थापित आचार्यों का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने की जरूरत नहीं समझी। बख्शी जी का सिर सम्मान व्यक्त करने या धरती को देखते रहने की आदत की वजह से झुका दिखता होगा लेकिन रीढ़ की हड्डी को अपनी नैसर्गिक अभिव्यक्तियों का आधार बनाए रखने के विश्वास का नाम भी है पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी। यह याद रहे कि वे जवाहरलाल नेहरू और राजेन्द्र प्रसाद जैसे हिन्दी भाषी लेकिन अंगरेजी में लिख रहे विद्वानों के समानान्तर हिन्दी में लिख रहे थे। उनके लेखन में न तो बौद्धिक अहम्मन्यता और न ही नैतिक आत्मप्रतारणा का स्पर्ष है। उन्हें मालूम था कि अंगरेजी बौद्धिक अवधारणाओं की भाषा है। इसलिए उन्होंने अंगरेजी में खूब पढ़ा। बौद्धिकता की कोई जाति, धर्म, या लिंग नहीं होता। लेकिन भाषा की जाति होती है और जाति की भाषा भी होती है। इसलिए तत्सम या तद्भव शब्द हों या भाषा की लाक्षणिकता को लेकर अभिधा या व्यंजना हो, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ने अपने समकालीनों के मुकाबले पहाड़ी नदी सी बहती हिन्दी के बीसवीं सदी के दूसरे, तीसरे, चैथे दषक में जिस भाषा का परिष्कार किया, वह आज भी समकालीन लगती है। उनके कई पूर्वज, अग्रज, अनुज और सहोदर ऐसी हिन्दी लिख गए हैं जो बख्शी जी की भाषा के मुकाबले सतत कुलशीला नहीं लगती, पपड़िया गई है। यही चमत्कार तो सदियां बीत जाने पर भी जोसेफएडिसन में है। उसके जैसी सरल भाषा तो हम अंगरेजी पढ़े लिखे हिन्दुस्तानी भी नहीं लिख सकते। हम लेकिन बख्शी जी की तरह नोस्टेल्जिया या यथार्थ, आंखों, अनुभवों, दूरदृष्टि, तादात्मय किसी का सहारा लेकर वह नहीं रच पाते जो बख्शी जी की कलम से रचितचित्रित छत्तीसगढ़ की दुनिया तो है लेकिन उस पर छत्तीसगढ़ का लेबल नहीं है। ठीक उसी तरह जैसे विनोदकुमार शुक्ल की मर्मस्पर्षी कविता 'रायपुर सम्भाग, बिलासपुर सम्भाग।

10 हार्डी ने वेसेक्स उपन्यास लिखे हैं। वर्ड्सवर्थ की कविता का अपना क्षेत्र है। रेणु की आंचलिकता है। वहां स्थानिकता को लेकिन बरकरार रखते हुए ही वैश्विकता के साथ घालमेल की अद्भुत प्रयोजनीयता है। बख्शी जी का छत्तीसगढ़ लेकिन भूगोल नहीं है। कारी हो या विद्याभूषण ठाकुर, नलिनी हो या डाकू रघुनाथ-छत्तीसगढ़ के भूगोल को साहित्य के इतिहास के रसायन में घोलकर बख्शी जी ने शिल्पगत नहीं विचारगत एक ऐसा प्रयोग किया है कि छत्तीसगढ़ कोई टापू नहीं बल्कि धरती और उसकी अभिव्यक्ति का जरूरी अवयव इस तरह समझा जाए कि साहित्य की प्रामाणिकता के लिए जनवादिता के नारों की नहीं, नर नारियों की जनवादिता के साहित्य रूपक तलाशे जाएं। 'Geographical indications dks historic analysis' में डुबा दिया जाए। 'छत्तीसगढ़ की आत्मा' जैसा निबन्ध आत्मा का छत्तीसगढ़ ज्यादा है। सवाल है, तर्क है, स्पष्ट है कि बख्शी जी ने छत्तीसगढ़ की आत्मा को तो उकेरा लेकिन छत्तीसगढ़ी में क्यों नहीं लिखा? क्या छत्तीसगढ़ी में लिखकर वह भूमिका अभिनीत की जा सकती थी जो इतिहास ने उन्हें चुनौती के रूप में सौंपी थी। क्या हिन्दी वांग्मय को पूरे का पूरा बख्शी जज्ब होता? क्या इस छत्तीसगढ़-सुत को आम आदमी के वंशज के रूप में साहित्य की जागीरदारी की अभिव्यक्तियों की बौछार में अक्षत रखा जा सकता था। बख्शी जी को एक जनपद की नहीं, पूरे विराट भूगोल की चिन्ता थी। इसलिए उनका छत्तीसगढ़ भौगोलिक नहीं एक बौद्धिक जनपद ज्यादा है। लोग यह क्यों समझते हैं कि उन्हें केवल अपने तत्काल को सम्बोधित करने की चिन्ता थी। उन्होंने बीसवीं सदी को केवल संघर्ष या जिजीविशा की शताब्दी रेखांकित करने के बदले उसे सुन्दरता की शताब्दी बनाने का अभिनव प्रयास किया-इसलिए आलोचक बख्शी, रामचंद्र शुक्ल जैसे शलाका पुरुष के बरक्स (एक बुजुर्ग ब्राम्हण के मुकाबले एक युवा कायस्थ) यह कहने का साहस संजो सका कि जो कविता का सैलाब आया है वह रहस्यवाद नहीं अपने रोमेन्टिसिज्म के कारण स्वच्छंदतावाद या छायावाद है। पोस्टकार्ड या सरस्वती की सम्पादकी ऐसा ही जोखिम उठाने से मिलती है। वे राजा रानियों की खिलाफत नहीं कर सके। अपने शिष्य के इस पुत्र को पोते की उम्र के बावजूद 'महाराज' कहते हुए उससे पैर छुलाने में परहेज करते रहे। खुद को 'मास्टरजी' के सम्बोधन का पेटेंट कराकर उस शब्द का बहुब्रीहि समास बन गए। प्रकाशक नहीं ढूंढ़ सके। छले गए। मंच पर नहीं चढ़ने को राजसिंहासन पर बैठना समझते रहे। बीड़ी फूंकते रहे। पन्नालाल के बदले पदुमलाल बने रहे। क्रोध भी करते रहे। छात्रों को मारते भी रहे। डॉक्टरों की अनसुनी करके अपनी देह को गलाते रहे।

क्रमशः शेष पृष्ठ 9 पर

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नासमझ दिल जिंदगी के सीख

नासमझ दिल जिंदगी के सीख में हर दिन गुज़रते है नासमझ समझती दुनियां मुझको खामोशी से हम मंजिलों की ओर बाअदब चलते है कि नंदिता नासमझ सही दिल फिर भी हमेशा दिल से हारा !! **नंदिता तनूजा**

दिल-अलाव जलते तन-मन प्रेम-अगन

दिल-अलाव जलते तन-मन प्रेम-अगन! दिल में छेद डाक्टर परदेश दर्द से प्रीत! उठती हूक निष्ठुर प्रियतम कलेजा चीर। दियना बारि, प्रिय पन्थ निहारूँ पूस की रात्रि। रूठे हैं मीत कैसे कटे रतिया सर्दी उदास। चाँदनी अश्रु धरती का आँचल भिगाती ओस। **किरण मिश्रा**

ख़ास पाती | कॉर्नर देखा है कभी तुमने वो

कॉर्नर देखा है कभी तुमने वो जो दूर पहाड़ी पर होता है न... जिसके आगे कोई रास्ता नही नज़र आती है बस एक गहरी खाई आज मैं खड़ी हूं वहीं उसी कार्नर पर सामने दिखाई दे रहा है नागिन की तरह लहराता रास्ता उस पर आती जाती रंग बिरंगी गाड़ियां कुछ सफेदी पुते, कुछ काले पत्थर जैसे करीने से सजाए गए हैं पेड़ हल्का सा पैर फिसलना बाकी है बस और सीधे उड़ने लगूंगी नील गगन में खूबसूरत बादलो के बीच कितना सुंदर है ना ये मोड़... न जानें क्यों डरते हैं सब इस मोड़ से...।। **प्रिया वच्छानी**

कभी मौका नहीं मिल पाएगा

कभी मौका नहीं मिल पाएगा मेरी शिकायत का जहाँ वाले हमें बोलेंगे दुनिया से बग़ावत का मुहब्बत की ये दुनिया है मुहब्बत कर रहे हैं हम ये मक़सद है ख़ुदा का या करिश्मा है ये कुदरत का अगर पूछे जहाँ वाले जहाँ में किसका जादू है? मैं बोलूँगी मुहब्बत का मुहब्बत का मुहब्बत का। **जया पाटिल**

संगिनी का प्रेम त्याग देह के समक्ष

संगिनी का प्रेम त्याग देह के समक्ष मुख भारती की आन हेतु मोड़ के चला गया। खोल के वो डोर प्रेम की समस्त बागडोर तीन रंग का कफन ओढ़ के चला गया। खुशहाल रहे आप हम इस देश मे तो सात फेरो के भी वादे तोड़ के चला गया। कर्ज था चुकाना माता भारती का इसलिए जन्म का दिवस भी वो छोड़ के चला गया।

नरेन्द्र गुप्ता कवि

करके बेपनाह मुहब्बत भी हमने

करके बेपनाह मुहब्बत भी हमने एवज में उसकी पाए हैं फ़क़त आँसू ही ये अश्कों की तादाद ये मौजूदगी दिल में ख़लिश ओ कसक की ये ही तो देते हैं गवाही किस शिद्दत से की थी मुहब्बत हमने मिटाकर वजूद अपना निभाया भी राब्ता ए इश्क तुमसे ।

नीलोफर नीलू

होते हैं वो बदनुमा, राजनीति मे दाग

होते हैं वो बदनुमा, राजनीति मे दाग! फैलाएँ जो स्वार्थ वश, राष्ट्र विरोधी आग! राजनीति मे घुस गए, ऐसे भी गद्दार! अमन चैन जिनको कभी,हुआ नही स्वीकार!! जाया है सब आपके, चिंतन शिविर जनाब! जयचंदों का ना किया, पहले अगर हिसाब!! **रमेश शर्मा**

समय एक महत्वपूर्ण कारक है और

समय एक महत्वपूर्ण कारक है और जिजिविषा एक महत्वपूर्ण इकाई। चाहे आकर्षक हो या विकर्षक कोई भी वर्तमान अंतिम नियति नही है। भविष्य का कैनवास सदैव कोरा है और प्रयत्न के रंग सदैव तत्पर कल्पनाओ का ब्रश आपके हाथ मे है। आप कैसे रंग भरते हैं ये नितांत आपका निर्णय है।

कुलदीप वर्मा

अदब तहज़ीब में पल के नफासत

अदब तहज़ीब में पल के नफासत को नही भूला, बना कर प्रेम का मंदिर इबादत को नही भूला, भले हो फासले कितने मग़र दिल आज भी हमदम, किसी भी मोड़ पर तेरी मुहब्बत को नही भूला।। **गोविंद शर्मा**

लघु कथा

मुट्ठी भर रोशनी

''डैडी आपको शेक्सपीयर के नाटकों में हैमलेट ही सबसे ज्यादा अच्छा लगता है ना !'' ''हाँ उसमें जीवन का गहरा सत्य जो है। शेक्सपीयर के हर कोटेशन पर थीसिस लिखी जा सकती है। गज़ब का माइंड था वह।'' डैडी से शिवली यूँ ही बात करते-करते कितना कुछ जान गई थी। उनके घर में आधुनिक उन्मुक्त वातावरण था। उसके विचारों पर कभी कोई अंकुश नहीं लगाया गया था। उसकी स्वतंत्र सोच ने मगर उसे कुछ-कुछ विद्रोही बना दिया था। किसी भी बात को स्वीकारने से पूर्व वह आश्वस्त हो जाना चाहती थी। इफ़ बट, सपोज से ही उसके तर्क आरम्भ होते। उसकी जिज्ञासाएँ अंतहीन थी। बड़ा हो जाने पर भी उसमें बाल-सुलभ औत्सुक्य बना ही हुआ था। मम्मी के पास उसके, उनके अनुसार सिली क्रेश्चंस के लिए वक्त न था। उन्हें अपनी किटी क्लब महिला उत्थान समितियों से ही फुर्सत न मिलती। अंग्रेजी में उन्होंने थीसिस कर रखी थी। वे बड़ा फख्र महसूस करतीं जब उनके पत्रों पर लिखा होता-डॉक्टर मिसेज रंजना साही। एक-दो बार तो जब उन्हें कुछ लोग डॉक्टर समझकर इलाज करवाने चले आये तो उनका हँसते-हँसते बुरा हाल हो गया। वो अक्सर लोगों को यह बात बड़े गुरूर से बतातीं। वैसे भी उन्हें उनके गुणों के कारण कम्पलीट वुमन का ख़िताब तो डैडी के दोस्तों ने दे ही रखा था। औरतें उनसे ईर्ष्या करती तो उनका ईगो पूर्णतः सन्त्रप्त रहता। वे जैसे महत्त्वाकांक्षाओं के लिए ही जीना चाहती थीं। उनको लेकर शिवली डैडी की उदासी को भाँप जाती।

आज का इतिहास

नई दिल्ली, (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 29 दिसंबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैः 1530 - मुगल शासक बाबर का बेटा हुमायूं उसका उत्तराधिकारी बना। 1844 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी का जन्म। 1911 - मंगोलिया किंग वंश के शासन से आजाद हुआ। 1922 - नीदरलैंड ने संविधान अंगीकार किया। 1942- हिन्दी फिल्म के सुपरस्टार राजेश खन्ना का जन्म। 1972 - अमेरिका में फ्लोरिडा राज्य के एवरग्लैड्स के समीप इस्टर्न त्रिस्टार जम्बो जेट विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 101 लोगों की मौत हुई। 1975 - ब्रिटेन में महिलाओं और पुरुषों के समान अधिकारों से जुड़ा क़ानून लागू हुआ। 1977 - विश्व का सबसे बड़ा ओपन एयर थियेटर 'ड्राइव' बंबई (अब मुम्बई) में खुला।

न्यूज गैलरी

टीम ने किए 100 बोरी पानी पाउच जब्त

भिलाईनगर। निगम की उड़नदस्ता टीम ने आज जवाहर नगर सहित निगम के विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले व्यवसायियों से प्रतिबंधित पानी पाउच तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग, एक्सपायरी पेय एवं खाद्य पदार्थ तथा दुकान का सामान बढ़ाकर व्यवसाय करने वालों पर कार्यवाही करते हुए कुल 5000 रूपए का अर्थदण्ड वसूलते हुए समझाईस दी। निगम क्षेत्रांर्गत विभिन्न दुकानों से 100 बोरी पानी पाउच जप्त किया गया।

बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

दुर्ग। निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन द्वारा आज डाटा सेंटर में पीएमओ आफिस, मुख्यमंत्री जन चौपाल, कलेक्टर समय सीमा, एलएमएस निदान 1100, लोक सेवा गारंटी, पीजीएन शासन से प्राप्त पत्र, ऑन लाईन जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त शिकतयों व मांग पत्रों के निराकरण का समय सीमा बैठक लेकर समीक्षा किया। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर कहा शिकायतों के आधार पर शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसका निराकरण कराए तथा संबंधित विभाग कार्यालयों से प्राप्त पत्रों का लिखित जवाब अवश्य देवें। उन्होंने कहा शिकायतों का निराकरण कर उसे ऑन लाईन कटायें। उन्होंने अतिक्रमणों की शिकायतों की जानकारी लेते हुये कहा जहॉ नोटिस जारी हो गई है वहॉ कार्यवाही प्रस्तावित करें।

6 को महापौर और निगम अध्यक्ष का चुनाव

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों का प्रथम सम्मिलन और शपथ ग्रहण कार्यक्रम 6 जनवरी को होगा। कलेक्टर कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार 6 जनवरी को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक कुशाभाऊ ठाकरे भवन आदित्य नगर में पार्षदों को शपथ दिलाई जाएगी। साढ़े 11 बजे से साढ़े 12 बजे के बीच महापौर और अध्यक्ष चुनाव के लिए नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके बाद चुनाव के लिए पार्षदों की बैठक शुरू हो जाएगी। 12.35 बजे से 1 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। दोपहर 2 बजे तक नामांकन वापसी का समय निर्धारित किया गया है। दोपहर 2 बजे से 3.30 बजे तक महापौर और अध्यक्ष पद के लिए मतदान किया जाएगा। मतदान के तत्काल बाद मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

कुम्हारी नपा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का भी चुनाव

कुम्हारी नगर पालिका के पार्षदों को 6 जनवरी को शासकीय प्राथमिक शाला, बाजार चौक कुम्हारी वार्ड क्रं.7 में सुबह 11.30 बजे से 12.30 बजे तक शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 2 बजे से पार्षदों की बैठक शुरू होगी और 2.30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच के बाद आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी का समय तय है। दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा। इसके बाद मतगणना होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे। महापौर और अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही अपील समिति के लिए 4 पार्षदों का भी निर्वाचन होगा। अपील समिति के सदस्य के चुनाव के लिए सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 12.35 बजे से 1 बजे के बीच नामांकन की जांच और आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। महापौर और अध्यक्ष के मतदान के तत्काल बाद अपील समिति के सदस्यों का चुनाव होगा। इसके बाद मतगणना होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे।

रोजाना बच्चे गाते है राज्य के गीत अरपा पैरी के धार

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। अरपा पैरी के धार छत्तीसगढ़ का राज्यगीत घोषित हो गया है। प्रदेश सरकार राज्यगीत को अधिक से अधिक अवसरों में इस्तेमाल करना चाहती है। विशेषकर स्कूलों में प्रार्थना के साथ राज्यगीत को अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है। ऐसे में पाटन ब्लॉक के गांव अमलेश्वर में एक ऐसा स्कूल है जहां अरपा पैरी के धार को प्रार्थना के साथ गाया जा रहा है। संजीवनी पब्लिक स्कूल में छग के राज्यगीत को प्रार्थना के साथ लागू करने का श्रेय यहां प्रधानाध्यापिका आस्था तिवारी को जाता है। जिन्होंने राज्य गीत घोषणा के अगले दिन से ही अपने विद्यालय में गाये जाने की घोषणा की। इस विद्यालयकी प्रार्थना सभा में रोज छत्तीसगढ़ी गीत श्अरपा पैरी के धार महानदी है अपार्य को गाया जाता है। आस्था का कहना है कि राज्यगीत को स्कूल में लागू करने से बच्चो में अपनी छतीसगढ़ी संस्कृतियों और ज्ञान का विकास होगा।

भाजपा कल निकालेगी जनसमर्थन रैली

रैली के माध्यम से बताया जाएगा कानून का सच

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। देश में चर्चा का विषय बने नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में भाजपा द्वारा 30 दिसम्बर को जनसमर्थन रैली निकाली जाएगी। रैली के माध्यम से नागरिकता संशोधन कानून को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर कर कानून के मूल उद्देश्यों को बताया जाएगा। यह रैली सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में निकलेगा। रैली में संसदीय क्षेत्र के लोगों को आमंत्रित किया है, वहीं सर्वसमाज से भी समर्थन मांगा है। रैली दोपहर 2 बजे पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम के पास स्थित मानस भवन से प्रारंभ होगी। यह जनसमर्थन रैली नया बस स्टैंड, गांधी प्रतिमा हिन्दी भवन, पटेल चौक के मार्ग होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेगी। यहां राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नागरिकता संशोधन कानून को लेकर देश को विखंडित करने में लगे विध्नसंतोषी तत्वों के खिलाफ कार्यवाही करने की आवाज उठाएंगे। यह बातें सांसद बघेल ने पत्रकारों से चर्चा में कही। इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री देवेन्द्र सिंह चंदेल, अजय तिवारी, मनोज शर्मा, सौरभ चौबे भी मौजूद थे। चर्चा में कहा कि नागरिकता संशोधन कानून पारित कराना मोदी सरकार का साहसिक फैसला है। यह कानून नागरिकता देने वाला है न कि नागरिकता छिनने वाला कानून है। कानून पारित होने का मै भी साक्षी रहा हूं। यह कानून एक नए युग की शुरुवात है। भारत के लोग नागरिकता से वंचित थे। पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में आतंक के साए में अल्पसंख्यक लोग निवासरत है। उन्होने लंबी प्रताडऩा झेली है। ऐसे लोगों को मोदी सरकार ने भारतीय नागरिकता देने की उदारता दिखाई है। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कुछ विध्नसंतोषी लोग देश में एकता व भाईचारा नही चाहते है। ऐसे लोगों द्वारा इस कानून को राजनीतिक रुप देकर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने से बाज नहीं आ रहे है। जिसका जवाब भाजपा जनसमर्थन रैली के माध्यम से देगी।

ट्रेंचिंग ग्राउंड निरीक्षण में पहुंचे आयुक्त

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। निगम क्षेत्र के वार्ड क्रं. 16 कुरूद ट्रेंचिंग ग्राउंड मे बायोरिमेडीएशन पद्धति से कचरे का निपटारा किया जा रहा है। जिसका निरीक्षण आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने किया तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कचरे को लगभग 60 से 70 प्रतिशत तक समाप्त किया जा चुका है। बायो रिमेडियेशन की प्रक्रिया मे कचरे के ऊपर कल्चर का प्रयोग किया जाता है यह कल्चर कचरे को खाद में तब्दील करने में कारगर होता है, कचरे की बदबू भी इस कल्चर के माध्यम से कम हो जाती है। पूर्व में कुरूद ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरे का ढेर लगा होता था व ऊपर से हाईटेंशन तार गुजरने के कारण आए दिन कचरे में आग लगने की शिकायतें भी प्राप्त होती थी, जिस ढेर को समाप्त करने का कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है अब इस ढेर में कल्चर का उपयोग कर इसे खाद के रूप में तब्दील किया जा रहा है जिसे विक्रय कर निगम कोष में राशि जमा की जा रही है। कल्चर उपयोग करने के पश्चात गिट्टी, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि को पृथक पृथक करने का कार्य भी कुरूद ट्रेंचिंग ग्राउंड में किया जा रहा है। आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

महापौर के लिए बाकलीवाल की दावेदारी हुई मजबूत

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर निगम के महापौर के चयन की प्रक्रिया जैसे- जैसे करीब आ रही है वैसे-वैसे दावेदारों की सक्रियता में भी अच्छा खासा इजाफा होता जा रहा है। 20 साल के बाद नगर निगम में कांग्रेस का बनवास खत्म हुआ है। कांग्रेस नगर निगम में लंबी पारी खेलने की तैयारी को लेकर योग्य पार्षद को महापौर बनाने की कोशिश में जुट गई है। कांग्रेस में ब्राम्हण पारा वार्ड 32 से भाजपा के परंपरागत कब्जे वाले गढ़ को ध्वस्त करने वाले धीरज बाकलीवाल महापौर के प्रबल दावेदार है। श्री बाकलीवाल शहर की सबसे हाईप्रोफाइल सीट से चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव को सबसे कठिन इसलिए माना जा रहा है क्योकि भाजपा का पूरा संगठन इस वार्ड में लगा हुआ था। भाजपा के नेता चैनसुख भट्टड स्वयं भीड़े हुए थे। इस वार्ड को भाजपा का वार्ड माना गया है लेकिन धीरज बाकलीवाल ने इस वार्ड में कांग्रेस का झंडा फहराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। श्री बाकलीवाल स्वभाव से सरल सहज व बेहद मिलनसार है। युवा वर्ग के साथ वरिष्ठ जनों में भी लोकप्रिय है। श्री बाकलीवाल संगठन में विभिन्न पदो पर रह चुके है और पिछले 30 वर्ष से विधायक अरुण वोरा के चुनावी मैनेजमेंट को संभालने का कार्य करते रहे है।

श्री बाकलीवाल राज्यसभा सांसद मोतीलाल वोरा और विधायक अरुण वोरा की सोच व उनकी कार्यशैली से भी वाकिफ है और वोरा परिवार के इरादो के अनुरुप काम करने की क्षमता रखते है। श्री बाकलीवाल आर्थिक रुप से भी संपन्न है। स्वाभाविक है कि वे ईमानदारी से शहर की जनता की सेवा करेंगे। श्री बाकलीवाल में लोगों को अपने साथ जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। अपने व्यवहार से लोगों का दिल जीत लेते है। पार्टी के सभी नेता उनके व्यवहार के कायल है। सूत्र बताते है कि श्री बाकलीवाल का नाम पर महापौर के रुप में पहले से चलने के कारण महापौर के एक अन्य दावेदार द्वारा उन्हे हराने की कोशिश की गई थी लेकिन बाकलीवाल इन सभी गतिरोधो को दूर कर विजयी हुए। बाकलीवाल दिमागी रुप से बेहद परिपक्व है और बड़ी से बड़ी समस्या को सुलझाने की क्षमता रखते है। श्री बाकलीवाल की पारिवारिक पृष्ठभूमि उनकी दावेदारी को मजबूत बनाती है। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व 1955 व 1962 में लोकसभा सदस्य रहे मोहन बाकलीवाल के पोते है। स्व. मोहन बाकलीवाल 1932 में भारत स्वतंत्रता आंदोलन में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार आंदोलन में 9 माह तथा 1942 से 1945 तक अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन में 3 वर्ष जेल की सजापा चुके है। इसके बाद 1937 में मध्यप्रदेश बरार विधानसभा के सदस्य भी चुने गए। 1954 से 1967 तक स्व. बाकलीवाल 14 वर्ष तक दुर्ग नगर पालिका में अध्यक्ष रहे। इसके बाद धीरज बाकलीवाल के परिवार से सूरजमल बाकलीवाल 1962 में पार्षद चुने गए। इसके बाद 1987 में मदनलाल बाकलीवाल पार्षद बने। इसके साथ-साथ घीसूलाल मदनलाल बाकलीवाल फर्म सौ वर्ष से अनाज उपलब्धता में सेवारत है। परिवार में सूरजमल प्रकाशचंद बाकलीवाल एसोसिएशन 70 वर्ष से सेल टेक्स इन्कमटैक्स सलाहकार के रुप में सेवा दे रही है। धीरज बाकलीवाल का पूरा परिवार सेवारत रहा है और राज्यसभा सांसद मोतीलाल वोरा के सबसे करीबी व पारिवारिक संबंध रखता है। इस लिहाज से धीरज बाकलीवाल की दावेदारी पुख्ता मानी जा रही है।

महापौर यादव ने बांटे एपीएल राशनकार्ड

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नवीनीकृत एपीएल राशन कार्ड का वितरण महापौर देवेन्द्र ने किया। आज सुबह 10 बजे से छावनी क्षेत्र के तीन स्थानों पर राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजित हुआ जिसके मुख्य अतिथि महापौर व विधायक देवेंद्र यादव थे। निगम के सभापति, स्थानीय पार्षद एवं एल्डरमैन की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में नया राशनकार्ड मिलने से नागरिकों ने महापौर व शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। नवीनीकृत एपीएल राशनकार्ड का तीन दिवसीय वितरण कार्यक्रम आज छावनी क्षेत्र से प्रारंभ हुआ। जोन 04 शिवाजी नगर के छावनी क्षेत्र अंतर्गत मंगल बाजार स्थित वार्ड कार्यालय में प्रातः श्री यादव ने राशन कार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम स्थल में बड़ी संख्या में राशनकार्ड के महिला हितग्राही उपस्थित हुए। छावनी क्षेत्र के ही बापूनगर व बालाजी नगर में स्थानीय जन समूह के बीच राशनकार्ड का वितरण किया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं VEDAANT RAJOO BHAISARE S/O SHRI RAJU BHAISARE निवासी QR.NO.-7B, STREET-11 ,SECTOR-7 ,BHILAI, DIST-DURG, (C.G.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम VEDAANT RAJOO S/O SHRI RAJU BHAISARE रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम VEDAANT RAJOO S/O SHRI RAJU BHAISARE से ही जाना पहचाना जावे।

VEDAANT RAJOO
QR.NO.-7B, STREET-11 , SECTOR-7 ,BHILAI, DIST-DURG, (C.G.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं HARISH AGRAWAL S/O SHRI DWARIKA DAS AGRAWAL निवासी H.NO.-147, GANESH CHOWK, NEAR RADHA KRISHNA MANDIR , NEW KHURSIPAR ,BHILAI ,DIST-DURG(C.G.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम HARISH KUMAR AGRAWAL S/O SHRI DWARIKA DAS AGRAWAL रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम HARISH KUMAR AGRAWAL S/O SHRI DWARIKA DAS AGRAWAL से ही जाना पहचाना जावे।

HARISH KUMAR AGRAWAL
H.NO.-147,GANESH CHOWK , NEAR RADHA KRISHNA MANDIR , NEW KHURSIPAR , BHILAI ,DIST-DURG, (C.G.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं VAISHALI RAJU BHAISARE W/O SHRI RAJU BHAISARE निवासी QR.NO.-7B, STREET-11, SECTOR-7 , BHILAI ,DIST-DURG, (C.G.) यह शपथ करती हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम SMT. VAISHALI RAJOO W/O SHRI RAJU BHAISARE रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम SMT. VAISHALI RAJOO W/O SHRI RAJU BHAISARE से ही जाना पहचाना जावे।

SMT. VAISHALI RAJOO
QR.NO.-7B, STREET-11, SECTOR-7 , BHILAI , DIST-DURG, (C.G.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं KSHITIJ RAJOO BHAISARE S/O SHRI RAJU BHAISARE निवासी QR.NO.-7B, STREET-11 ,SECTOR-7 ,BHILAI, DIST-DURG, (C.G.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम KSHITIJ RAJOO S/O SHRI RAJU BHAISARE रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम KSHITIJ RAJOO S/O SHRI RAJU BHAISARE से ही जाना पहचाना जावे।

KSHITIJ RAJOO
QR.NO.-7B, STREET-11 , SECTOR-7 ,BHILAI, DIST-DURG, (C.G.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-2/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका चन्दा देवी राठी पति श्री दामोदर दास राठी निवासी शंकर नगर कुम्हारी तहसील धमधा जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम/शहर लिमतरा प.ह.न. 50 में स्थित भूमि खसरा नंबर 720 रकबा 0.0310 हें/ 33362 वर्गफीट भूमि का औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
धमधा जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-2/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक सिद्धी इंडस्ट्रीज पार्टनर श्रीमती सीमा देवी ध.प. श्री कृष्णा राठी एवं अन्य 01 निवासी शंकर नगर कुम्हारी तहसील धमधा जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम/शहर लिमतरा प.ह.न. 50 में स्थित भूमि खसरा नंबर 721 रकबा 0.270 हें/29057 वर्गफीट भूमि का औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
धमधा जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग

//आम सूचना//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्राण कुंवर बेन चौहान पति श्री जीवराम भाई चौहान, निवासी 474 हाउसिंग बोर्ड कालोनी वार्ड 15 कुम्हारी जिला दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग द्वारा कुम्हारी दुर्ग में स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी. 21 (प्लाट नं. 440) जिला दुर्ग में आंबटित है। आबंटी श्रीमती प्राण कुंवर बेन चौहान द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्रक एवं फ्री-होल्ड निष्पादन पश्चात उक्त भवन को बयनामा रजिस्ट्री के आधार पर श्री कुणाल शर्मा आ. श्री किशोरी शर्मा को विक्रय कर दिया गया है। नवीन क्रेता श्री कुणाल शर्मा द्वारा पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का स्वामित्व मंडल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः नवीन क्रेता श्री कुणाल शर्मा के नाम हस्तान्तरण/नामांतरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसानों, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, वृत्तिय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो ,इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते है। म्याद/ अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति/ दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एंव नामान्तरण की कार्यवाही करने में मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक ......को जारी किया गया हैं।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र- दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./307/अ-2/2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती कामिनी बाई वर्मा पति श्री रोशन कुमार वर्मा निवासी जवाहर नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कातुलबोर्ड प.ह.न. 20 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 9/16 रकबा 0.032 हें/ 3350 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के प्रस्तुत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./318/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुरेखा ठाकुर वगै. पति स्व. कीर्तिपाल सिंह ठाकुर निवासी ग्राम सिधिया नगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम तितुरडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 48/16 रकबा 0.032 हें भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार कीर्ति पाल सिंह ठाकुर की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारद सिंह राजपूत पिता भुनेश्वर सिंह राजपूत निवासी पंचशील नगर दुर्ग मौजा बघेरा प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. दुर्ग 02 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 342/14, 342/16, 342/24 रकबा 0.009 हे. के नाम दर्ज है, भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 13.11.2019 को हो जाने के कारण वारीसानों का नाम दर्ज करने आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 09.01.2019 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्रं./अ-27/वर्ष 2018-19

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हुलाराम आ. नारायण निवासी डुण्डेरा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम डुण्डेरा तह. व जिला दुर्ग स्थित खाता क्रं. में दर्ज भूमि खसरा नंबर 1139 रकबा 0.020 हें भूमि जो कि आवेदक/आवेदिका के नाम पर शामिलात रुप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में हुए आपसी बंटवारा एवं कास्त कब्जा के आधार पर सामान हिस्सों में खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं SABBA SIDDIQUI D/O ATEEQ AHMAD निवासी PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023 यह शपथ करती हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम SABA SIDDIQUI D/O ATEEQ AHMAD रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम SABA SIDDIQUI D/O ATEEQ AHMAD से ही जाना पहचाना जावे।

SABA SIDDIQUI
PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ATEEQ AHMED S/O ABDUL AZIZ निवासी PLOT NO.5, SUPELA KOHKA NEAR NOORI MASJID WARD 8, FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम ATEEQ AHMAD S/O ABDUL AZIZ रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम ATEEQ AHMAD S/O ABDUL AZIZ से ही जाना पहचाना जावे।

ATEEQ AHMAD
PLOT NO.5, SUPELA KOHKA NEAR NOORI MASJID WARD 8, FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं MOHAMMAD OMER SIDDIQUI S/O ATEEQ AHMAD निवासी PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम MOHAMMED UMAR SIDDIQUI S/O ATEEQ AHMAD रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम MOHAMMED UMAR SIDDIQUI S/O ATEEQ AHMAD से ही जाना पहचाना जावे।

MOHAMMED UMAR SIDDIQUI
PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं JEB NISHA SIDDIQUI W/O ATEEQ AHMAD निवासी PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023 यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम JAIB NISHA SIDDIQUI W/O ATEEQ AHMAD रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम JAIB NISHA SIDDIQUI W/O ATEEQ AHMAD से ही जाना पहचाना जावे।

JAIB NISHA SIDDIQUI
PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ATEEQ AHMAD S/O ABDUL AZIZ निवासी PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023 यह शपथ करता हूं कि मेरे पुत्र का पुराना नाम MOHAMMAD IMRAN SIDDIQUE S/O ATEEQ AHMAD को त्याग कर नया नाम MOHAMMED IMRAN SIDDIQUE S/O ATEEQ AHMAD रख लिया है। अतः आज से मेरे पुत्र को समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में उसके नये नाम MOHAMMED IMRAN SIDDIQUE S/O ATEEQ AHMAD से ही जाना पहचाना जावे।

ATEEQ AHMAD
PLOT NO.5, NEAR NOORI MASJID FARID NAGAR, SUPELA BHILAI, DURG (C.G.) 490023

■ न्यूज गैलरी

वाणिज्य संकाय के गुप्तेश को गोल्ड

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के छात्र गुप्तेश नामदेव ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान (गोल्ड मेडलिस्ट) प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। एमकॉम के चारों सेमेस्टर को मिलाकर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय से सर्वाधिक अंक प्राप्त 10 छात्र-छात्राओं की सूची जारी की गई। जिसमें शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के गुप्तेश नामदेव का प्रथम स्थान रहा।

गांजा बरामद, युवक पकड़ाया

महासमुंद। बस स्टैंड के पास पुलिस ने एक युवक से गांजा बरामद की है। युवक रायपुर जाने बस का इंतजार कर रहा था। इसी बीच मुखबिर ने पुलिस को संदिग्ध युवक की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि गुरूवार रात साढ़े 11 बजे बस स्टैंड के पास अभनपुर जिला रायपुर निवासी चमन पिता बहुतर दास मानिकपुरी (22) को पकड़ा। बैग की तलाशी लेने पर 6.400 किलोग्राम गांजा बरामद की।

बैंडमिंटन के लिए पांच खिलाड़ी चयनित

महासमुंद। शासकीय एमवीपीजी कॉलेज के पांच खिलाडियों का पं रविवि रायपुर की टीम के लिए चयन हुआ है। अखिल भारतीय पूर्वी क्षेत्र बॉल बैडमिंटन महिला वर्ग में प्रतियोगिता 28 जनवरी से 2 फरवरी तक मंगलूर यूनिवर्सिटी में आयोजित है। पुरूष वर्ग प्रतियोगिता आंध्रा यूनिवर्सिटी में एक जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित है।

चर्म रोग जांच कल

महासमुंद। महासमुंद मेडिकल में 29 दिसंबर को सुबह 11से अपरान्ह 3 बजे तक चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ ऋद्धि अरोरा सेवा देंगे। पंजीयन हेतु 07723-222226 पर संपर्क किया जा सकता है।

सात प्रकरण से 304 क्विंटल धान बरामद

महासमुंद। धान के अवैध परविहन एवं भण्डारण के लिए शुक्रवार को की गई कार्रवाई में सात प्रकरण में 304.80 क्विंटल धान एवं वाहन दो जब्त किए गए। इनमें सोनाबाई ग्राम कंडीझर से 26 क्विंटल, सुन्दर सिंह दीवान ग्राम झिटकी से 130 क्विंटल, चन्द्रशेखर चन्द्राकर ग्राम रसनी से 30 क्विंटल, तोपराम साहू महासमुंद से 20 क्विंटल, चंदन पटेल पिरदा से 50 क्विंटल, टलेख कायतपाली से 38 क्विंटल, रमेश अग्रवाल ग्राम पैकिन से 10.80 क्विंटल धान किया गया।

निधन

मोहनलाल गायकवाड़

महासमुंद। ग्राम पंचायत बरोंडाबाजार के पूर्व सरपंच ग्रामीण सेवा समिति के संचालक मोहनलाल गायकवाड़(62) का निधन हो गया। वे जनसंपर्क कार्यालय महासमुंद में कार्यरत तुलाराम गायकवाड़, ज्ञानचंद गायकवाड़, शिक्षक सुरेश गायकवाड़ के पिता थे। अंतिम संस्कार गृहग्राम बरोंडाबाजार में किया गया।

शत्रुहन मेरावी

गंडई। वार्ड. 6 निवासी पेशे से शिक्षक श्री शत्रुहन मेरावी का देहावसान हो गया है। वे लंबे समय अस्वस्थ थे। शत्रुहन मेरावी हाईस्कूल सिंघनगढ़ विकासखण्ड सहसपुरलोहारा में एलबी शिक्षक थे। वे बॉलीबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे। छत्तीसगढ़ में सत्ता के शुरुआती दिनों में संगठन के बेहद विश्वसनीय कार्यकर्ता रहे। भाजपा में संगठन सहायक रहे।

नगर अध्यक्ष बनाने में निर्दलीय की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

■ पार्षद निर्वाचित होते ही जोड़-तोड़ हुई शुरू,

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। नगर पंचायत लवन में 15 वार्ड है, जिसमें नगर अध्यक्ष के लिए अनुसूचित जाति महिला आरक्षित पद है। इस आरक्षित पद के लिए नगर के वार्ड क्र. 03 से कांग्रेस प्रत्याशी दीपमाला विनोद अनंत जीती है, वार्ड क्र. 06 से भाजपा से महिला उम्मीदवार व नगर अध्यक्ष की प्रबल दोवदार श्रीमति मीना बार्वे है। वही वार्ड क्र. 13 से निर्दलीय महिला व अध्यक्ष की प्रबल दावेदार श्रीमति गंगा कुल्लू रात्रे पार्षद का चुनाव जीती है। लवन नगर पंचायत में इस बार भाजपा से 5 उम्मीदवार, कांग्रेस से 3 उम्मीदवार, निर्दलीय से 6 उम्मीदवार तथा 1 बसपा पार्टी से उम्मीदवार चुनाव जीत कर आये है। यहां निर्दलीय प्रत्याशी ही नगर सरकार बनाने में सार्थक साबित होंगे। भाजपा-कांग्रेस दोनों पार्टी ही अब अपना गणित बैठाने में लगे है। लवन नगर पंचायत में इस बार निर्दलीयों के बिना कोई भी पार्टी नगर सरकार नहीं बना सकती है या ऐसा ही समीकरण बन गया कि निर्दलीयों की सरकार बड़े पार्टियों के पार्षदों के दम पर नगर में बन जाये। ज्ञात हो कि नगरीय निकाय चुनाव में भारी संख्या में निर्दलीयों ने हल्ला बोलते हुए न सिर्फ बेहतर चुनाव संचालन किया, बल्कि मतदाताओं तक अपने छाप को पहुंचाने में सफल रहे है। इतिहास में पहली बार लवन नगर में निर्दलियों ने सर्वाधिक सीट हासिल कर राष्ट्रीय स्तर के दोनों पार्टीयों को दिखा दिया की यहां की जनता पार्टी ही नहीं प्रत्याशी के व्यक्तित्व को देखकर ही अपना मत दिए है। कहीं न कहीं दोनों पार्टीयों के प्रत्याशियों का सही चयन न होना ही लवन नगर में निर्दलीयों की जीत की एक अहम कड़ी के तौर पर देखा गया है।

आयल तेल टैंकर पलटा, लूटने मची होड़

नवप्रदेश संवाददाता

बिलाईगढ़। गिधौरी से महज चार किलोमीटर की दुरी मुख्य सारंगढ़ मार्ग कुम्हारी प्रातः शुक्रवार करीबन चार बजे के आसपास कैप्सूल टैंकर ट्रक क्र.डब्लु बी 29ए 9792आयल तेल भर कर बरगढ उडीसा से होते हुये से सारंगढ़ गिधौरी तरफ जा रहा था कुम्हारी शांति पेट्रोल पम्प के पास अनियंत्रित होकर पलट गया और टैंकर पलटने से घुमकर विपरीत दिशा की ओर हो गया है। और इण्डियन आयल तेल पलटने से भारी मात्र मे गिर रहा था वाहन मालिक सुशांत कुमार हलदीया वेस्ट बंगाल का है और सडक़ पर भी बह रहा था जिसे ग्रामीणों ने घटना की जानकारी होते ही महिला पुरुष व बच्चे भी घर मे रखे जरीकेन. बर्तन बाल्टी लेकर दौड गया और तेल डब्बे मे एकत्रित कर ले जा रहा था वहां पर लोगों का भीड एक मेला जैसै लग रहा था और सुबह उजाला हुआ तो भारी संख्या मे लोग और पहुंचे हुये थे कैप्सूल टैंकर ट्रक के चालक ...घटना स्थल से फरार हो गया था गिधौरी पुलिस को घटना की जानकारी तब जाकर मिली तो मोके पर पुलिस पहुंचे और कैप्सूल टैंकर कोअपने कब्जे लिया और टैंकर चालक की पतासाजी कर अपराध दर्ज जांच मे पुलिस जुटी हुई हैं विडंबना इस बात की है अभी तक चालक फरारहै और वाहन मालिक का पता नही चल पाया है टैंकर की मालिक घटना स्थल नही पहुंचने से टैंकर पलटा हुआ जैसे स्थिति मे है और पुलिस के लिये सिर दर्द साबित हो रहा है घंटो बीत जाने के बाद भी नही चालक और नही मालिक पहुचा है।

मनरेगा के तहत बनाया जा रहा उद्यान अधूरा

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा ने बरोंडाबाजार में मनरेगा के तहत बनाए जा रहे उद्यान का निरीक्षण किया। इस दौरान सरपंच श्रीमती साहू भी मौजूद थीं। निरीक्षण में पाया आर्टिकल्चर विभाग द्वारा अभी तक इस्टीमेट के कार्यों को स्वीकृति के बाद भी पूर्ण नहीं कराया गया है। जिसको लेकर महिला समिति के सदस्यों में आक्रोश था कि नाल्ट का निर्माण, रास्ते का निर्माण उसकी संपूर्ण भूमि का उपयोग, काली मिट्टी की ढलाई आदि कार्य अभी तक नहीं हुआ है। डॉ. चोपड़ा ने मौके पर उद्यानिकी विभाग के लोगों को निर्देश दिया कि शीघ्र ही कार्य पूर्ण कराएं और पंचायत के माध्यम से महिला समिति को देखरेख के लिए सौंप दें। इसमें उनके आय के स्त्रोत भी बनाएं ताकि वहां देखरेख का खर्च भी निकल सके। पूर्व विधायक ने विभाग को निर्देश दिया कि खर्च का ब्यौरा और जो भी कार्य बचे हैं उसकी जानकारी शीघ्र दें। इस दौरान महिला समिति के सदस्यों ने कहा कि बड़ी मुश्किल से इस जमीन को हमने बचाया है।

आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता में जुड़ा के पंचायत प्रतिनिधि हुए शामिल

लवन। छ.ग. शासन द्वारा राजधानी रायपुर में विश्व आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए ग्राम जुड़ा से जनप्रतिनिधि सम्मिलित होकर विभिन्न राज्यों एवं देशो द्वारा प्रस्तुति कार्यक्रम का आनन्द लिया। ग्राम जुड़ा से पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने बताया कि राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में आयोजित विश्व आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता 27 दिसम्बर से 29 दिसम्बर को आयोजित है। प्रथम दिवस सिक्कीम, लद्दाख, असम, तेलगाना, झारखण्ड, ओड़िसा, केरल, हिमाचल प्रदेश कनार्टक के कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी है। ग्रामवासियों ने विभिन्न प्रदेशो एवं देशो से आये कलाकारों की वेश भूसा, परिधानों एवं वाद्यंत्रों को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए।

कांग्रेसियों ने धुमधाभ से मनाया कांग्रेस का स्थापना दिवस

नवप्रदेश संवाददाता

तिल्दा। कांग्रेस के स्थापना दिवस को नगर के कांग्रेसियों ने धुमधाभ से मनाया इस अवसर पर बीते दिन शनिवार को नगर के कांग्रेस भवन में वरिष्ठ कांग्रेसी ओमगोयल ने सुबह 10.00 बजे कांग्रेस का प्रतिक ध्वज फहराया साथ ही सलामी दी।इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने एन आर सी तथा एन पी आर का पुरजोर विरोध किया व प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल तथा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान का एक स्वर में समर्थन किया कार्यक्रम के समापन में मिष्ठान वितरित कर खुशियां मनाई गई।उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर ब्लाक अध्यक्ष सुनील सोनी, ग्रामिण अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल,मोती लाल हिन्दूजा, लक्ष्मीनारायण वर्मा, विजय सोनू मार्कंडेय भीमसेन भोजवानी, शंकर लाल शर्मा, हेमलाल साहू, दिनेश साहू, देवादास टंडन, आशा यादव, संतोष यादव, शिव अग्रवाल, नीरज राठी, नरोत्तम यदू, योगेन्द्र वर्मा,प्रकाश मेघानी, जितेंद्र ध्रुव,पवन बघेल,समारू राम साहू, लेखराम वर्मा, गोवर्धन यदू दशरथ डहरिया ,अमजद खान,कमला पाटकर, आदि कांग्रेस शरिक हुए।

कांग्रेस की पंचायत चुनाव बैठक संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

गंडईपंडरिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए बैठक आयोजित किया गया। कांग्रेस की बैठक ध्रुव भवन गंडई में संपन्न हुआ। जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कांग्रेस ने जिला पंचायत क्रमांक 1 व 2 के लिए पर्यवेक्षक भी तय कर दिया है। जिला पंचायत क्रमांक 1 साल्हेवारा के लिए पूर्व मंडी अध्यक्ष लाल टारकेश्वर शाह खुशरो व जिला पंचायत क्रमांक 2 में पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी को पर्यवेक्षक बनाया गया है।बैठक में जिला पंचायत के क्षेत्र के गांव की जानकारी दी गयी।मिली जानकारी के अनुसार नामांकन भरने की अंतिम दिन 6 जनवरी है। चुनाव लड़ने के लिए दोनो जिला पंचायत में आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें जिला पंचायत क्रमांक 1 से ममता पालए जिला पंचायत क्रमांक 2 से हीरा बाई जंघेलए रेणुका हिरवानीए लोकेश्वरी साहू ने आवेदन किया है। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण के अलावा महेश दास रात्रेए रणजीत सिंह चन्देलए रेणुका हिरवानीए संजू सिंह चन्देलए सतीश सिंघानियाए बांके वर्माए राजेश पालए अमित टंडनए इमरान खानए आत्मा वर्मा आदि उपस्थित रहे।

खाद्य सचिव ने खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने शुक्रवार यहां जिले के धान खरीदी केंद्रों का सघन दौरा किया। इस दौरान कलेक्टर सुनील कुमार जैन उपस्थित थे। खाद्य सचिव ने जिले के पिथौरा विकासखंड भगतदेवरी, पेंड्रावन, परसवानी तथा सीमावर्ती जांच चौकी कटंगतराई एवं लारीपुर का निरीक्षण किया इसके अलावा सरायपाली विकासखण्ड के तोरेसिंघा, सेमरिया, सिरबोड़ा एवं अन्तर्राज्यीय बेरियर सिरपुर का निरीक्षण किया। खाद्य सचिव डॉ. सिंह भगतदेवरी पहुंचे, जहां उन्होंने लाये गए धान की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा धान बेचने आये किसानों से चर्चा की। बाद सचिव पेंड्रावन तथा परसवानी खरीदी केंद्र पहुंचे और वहां खरीदी केंद्र का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सचिव अंतरराज्यीय बेरियर कटंगतराई और लारीपुर पहुंचकर चौकी के कर्मचारियों को दूसरे राज्यों से आने वाले अवैध धान को रोकने निर्देशित किया। खाद्य सचिव ने तोरेसिंघा, सेमलिया और सिरबोड़ा का भी दौरा किया।

फर्जी सौदा पत्रक से खरीदा धान और भुगतान नहीं

महासमुंद। फर्जी सौदा पत्रक बनाकर किसानों से धान खरीदना और भुगतान नहीं करना एक राइस मिलर्स को महंगा पड़ गया। शिकायत जांच के बाद पुलिस ने साराडीह स्थित महामाया एग्रोकेट के संचालक तेजा चंद्राकर व अन्य के खिलाफ धारा 420/34 के तहत अपराध दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि राइस मिलर्स ने फर्जी सौदा पत्रक बनाकर किसानों से धान खरीदा था। इसके बाद उसने किसानों को भुगतान भी नहीं किया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ने इस मामले की जांच की। जिसमें राइस मिलर्स के खिलाफ अपराध होना पाया गया। कोतवाली प्रभारी राकेश खुंटेश्वर ने बताया कि बेलसोंडा, बम्हनी सहित विभिन्न गांवों के 32 किसानों ने शिकायत की थी कि महामाया एग्रोटेक के संचालक तेजा चंद्राकर ने फर्जी सौदा पत्रक तैयार कर वर्ष 2016-17 में किसानों से रबी सीजन का धान खरीदा था। भुगतान नहीं करने में मंडी अधिकारी की भी मिलीभगत है। किसानों का 62 लाख 25 हजार रुपए भुगतान बकाया है। उन्होने बताया कि आगे इस मामले की जांच की जाएगी। इस अपराध में जो भी संलिप्त होगा उस भी कार्रवाई की गई।

विद्यार्थियों को दिए जीवन कौशल के टिप्स

महासमुंद। स्थानीय जीएस उड़ान संस्था द्वारा ग्राम परसदा में नवजीवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उड़ान जीएस संस्था की नवजीवन प्रेरक अनुजा ने ग्रामवासियों एवं विद्यार्थियों को जीवन कौशल के टिप्स दिए। उन्होंने लोगों को किसी भी परिस्थिति में निराशा से बाहर निकलकर सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समय का सदुपयोग कर वर्तमान में जीने को प्रोत्साहित किया। पुलिस बालमित्र रोशना डेविड ने जीवन के हर पल को खुशी से जीने की बात कहते हुए कहा कि हमें आज खुशियों के साथ बेहतर रूप से जीना है। उन्होंने जीवन के कुछ महत्वपूर्ण बातों को जीवन में अपनाने की सलाह दी।

बेरोजगारों को विभिन्न ट्रेडों में दिया जाएगा प्रशिक्षण

महासमुंद। महासमुंद देना आरसेटी के निदेशक संजीव प्रकाश ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी युवकों के लिए 30 दिवसीय निःशुल्क आवासीय एवं भोजन सहित व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन मरम्मत, फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण 06 जनवरी से प्रारंभ किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के लिए पंजीयन किया जा रहा है। इसके अलावा ग्रामीण एवं शहरी युवकों के लिए 30 दिवसीय निःशुल्क आवासीय एवं भोजन सहित व्यवस्था है। इलेक्ट्रिशियन (घरेलू विद्युत रिपेयरिंग) प्रशिक्षण 03 फरवरी 2020 से प्रारंभ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए पंजीयन किया जा रहा है।

चुनाव संपन्न कराने नोडल अधिकारी नियुक्त

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जयप्रकाश मौर्य ने त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन 2020 के लिए जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अपने अनुविभाग क्षेत्र के जनपद पंचायतों के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति से लेकर मतदान, मतगणना, सारणीकरण आदि की समीक्षा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस आदेश के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गण्डई-छुईखदान सुश्री दिप्ती वर्मा को जनपद पंचायत छुईखदान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खैरागढ़ सुश्री निष्ठा पाण्डेय को जनपद पंचायत खैरागढ़, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ श्री अविनाश भोई को जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के लिए नियुक्त किया गया है।

किसान लगायेंगे प्रदेश स्तरीय महापंचायत

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। किसानों की मांगों के प्रति सरकार के रवैये के खिलाफ अब प्रदेश भर के किसान महापंचायत लगाऐंगे एवं आगामी पंचायत चुनावों में जनता भी प्रत्याशी उतारेगी इस हेतु प्रेरित करेने राज करही-मजदूर किसान यात्रा जिला किसान संघ द्वारा निकाला जावेगा। शुक्रवार को जिला किसान संघ की समीक्षा बैठक में ये निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि 2500 रू में ही धान खरीदी, सम्पूर्ण कर्ज काफी दो सालों का बोनस एवं धान खरीदी में परेशानी को लेकर 14 दिसंबर को खबरदार रैली निकाली गई थी। अभी भी 1815 एवं 1835 की दर से ही धान खरीदी की जा रही है। सिर्फ2500 देने की बात भर सरकार कर रही है। संपूर्ण कर्ज काफी, बोनस पर सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं है। धान खरीदी में परेशानियाँ कम होने का नाम नहीं ले रही है। प्रतिदिन खरीदी की लिमिट कम होने से किसान काफी परेशान है। सरकार की बेरूखी के चलते प्रदेश स्तरीय महापंचायत बुलाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश भर के प्रतिनिधियों से मशविरा करके जल्द ही तिथि की घोषणा की जावेगी।

जनता अब सिर्फ वोट ही नहीं प्रत्याशी भी देगी। कांग्रेस भाजपा दोनो का चरित्र किसान मजदूर विरोधी है। दोनों पार्टियों ने किसानों को ठगा है।

कवर्धा में विभागीय कार्यो को लेकर उच्चाधिकारियों ने ली बैठक

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड के कवर्धा स्थित सर्किल कार्यालय में अधीक्षण अभियंता वायके मनहर एवं एसके दुबे ने विभागीय कार्यो के प्रगति पर सभी सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं की बैठक लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उच्चाधिकारियों ने पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय पटेल के निर्देशानुसार विभागीय संभाग कवर्धा एवं पंडरिया में स्टॉप डिफेक्टिव मीटर एवं रिप्लेसमेंट, डिमांड, कलेक्शन एवं एरियर्स, टीएंडडी एवं एटीएण्डसी लॉस की स्थिति, संभागवार चेकिंग डिमांड एवं रिकवरी, सर्तकता जांच की मांग एवं रिकवरी, कन्ज्यूमर टैगिंग, उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों को संग्रहण, विलंब एवं बिलिंग चक्र, सबस्टेशन मेन्टेनेस, फोटो स्पॉट बिलिंग, कृषि पंपों के लिए फीडरों में डीटी मीटर की स्थिति एवं अन्य विभागीय कार्यो पर विस्तारपूर्वक जानकारी लेकर अपूर्ण कार्यो को यथासंभव पूर्ण करने के निर्देश प्रसारित किये।

जांच का विषय — जनदर्शन में भी मुख्यमंत्री के निर्देशों का अब तक नहीं किया गया पालन

सरपंच दंपत्ति पर आरोप,4 एकड़ घास भूमि में कर रहे खेती

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। जिले के ग्राम पंचायत सहसपुर दल्ली स्थित घास भूमि पर सरपंच दंपत्ति द्वारा निजी कब्जा कर खेती करने एवं पक्का निर्माण कर निवास बना लेने की शिकायत मुख्यमंत्री जनदर्शन में होने के बावजूद भी अब तक कार्रवाही नहीं की गयी है। खुद की रसूखदारी के चलते उपसरपंच संतराम नागपुरे ने अपनी सरपंच कांतिबाई नागपुरे के प्रभाव के चलते उक्त सरकारी जमीन पर कब्जा ही नहीं किया, वरन कृषि कार्य भी शुरू कर रखा है। शिकायत का असर न होने देख ग्रामीणों ने अनेक बार प्रशासनिक अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचायी है।

मिली जानकारी के अनुसार शासकीय संपत्ति का दुरूपयोग का एक बड़ा मामला राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत सहसपुर दल्ली में सामने आया है। 2009-10 में अतिक्रमणकारी संतराम नागपुरे ने उसकी पत्नी श्रीमती कांतिबाई नागपुर के सरपंच रहते हुए उक्त शासकीय भूमि पर अपना अधिकार कर लिया। शिकायतकर्ताओ ने मुख्यमंत्री जनदर्शन में पूरे दस्तावेज उपलब्ध कराते हुए बताया कि आबादी आवास खसरा नंबर 394/3 रकबा 0.25 एकड़ पर संतराम नागपुरे द्वारा निजी मकान बनाया गया है। साथ ही खुद की निजी भूमि खसरा नंबर 279/1 रकबा 1.82 एकड़ से लगी हुई घास एवं पहाड़ी भूमि खसरा नंबर 282 जो लगभग 3 एकड़ के बराबर है, पर जेसीबी मशीन चलाकर कृषि योग्य भूमि तैयार करते हुए धान एवं चने की खेती की जा रही है। संतराम नागपुरे द्वारा उक्त सरकारी भूमि पर बिना किसी शासकीय आदेश के नलकूप उत्खनन कर सिंचाई का लाभ भी लिया जा रहा है।

पत्नी के सरपंच रहते हुए खुद उपसरपंच संतराम नागपुरे ने उक्त घास भूमि पर सीमेंट के पोल लगाकर उसे चारों ओर से तार से घेर लिया है। शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करते हुए मकान एवं कृषि कार्य की शिकायत ग्राम कलकसा निवासी लेखराम नागपुरे ने दस्तावेजों के साथ मुख्यमंत्री जनदर्शन सहित जिलाधीश अनुविभगीय अधिकारी को भी किया, किंतु अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से अतिक्रमणकारी संतराम नागपुरे के हौसले बुलंदी पर है।

अक्टूबर में हुआ था जांच आदेश कार्रवाई नहीं

शिकायतकर्ता लेखराम ने मुख्यमंत्री निवास द्वारा 9 अक्टूबर 2019 को जारी किये गये पत्र की प्रति दिखाते हुए बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा उक्त घास भूमि पर बनाये गये निज निवास और किये जा रहे कृषि कार्य को अतिक्रमण मानते हुए जांच के आदेश दिये गये है। मुख्यमंत्री के निज सचिव के.के. चंद्रवंशी से हस्ताक्षर से जारी उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई इसका जवाब भी प्रशासन द्वारा नहीं दिया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

क्रमांक/1635/न.पा.परि./2019-20 बीजापुर, दिनांक 27/12/2019

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारें/फर्म से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1 निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :- 16/01/2020 शाम 5.00 बजे तक
2 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय :- 20/01/2020, अपरान्ह 3.00 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय :- 20/01/2020, शाम 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (राशि रु. में)
01	कुडा परिवहन हेतु 01 नग TATA ACE Tipper क्रय	6.79	20370/-
02	02 नग सेप्टिक क्लीनर (मल ढोने वाला वाहन) VACCUME EMPITER 3000 L	10.00	30,000/-

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज कार्यालयीन समय में कार्यालय नगर पालिका परिषद बीजापुर से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीजापुर
जिला-बीजापुर (छ.ग.)

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें। नगर पालिका करों का भुगतान समय पर करें।

स्कूलों में अंडा आहार परोसने के विरोध में धरना प्रदर्शन का तीसरा दिन

नवप्रदेश संवाददाता

दल्ली राजहरा। गायत्री परिवार के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्कूलों और आंगनबाड़ी में अंडा परोसे जाने के विरोध में धरना का आज लगातार तीसरा दिन यह धरना व्यापक रूप लेता नजर आ रहा है। गायत्री परिवार को पहले ही जैन समाज, साहू समाज, सर्व समाज, कबीरपंथ का समर्थन मिल रहा है। आज विरोध प्रदर्शन के तीसरे दिन शांतिकुंज हरिद्वार से आए देवसंस्कृति विश्वविधालय के छात्रों (जोकि अपना इंटर्नशिप करने हेतु बालोद जिला आए हुवे हैं) ने अपना विचार प्रकट किया। समाज से और भी लोग इस मंच को साझा करते नजर आए। अनुभव में आरहा है कि सरकार का यह निर्णय उसे भारी पड़ सकता है, क्यूँकि गायत्री परिवार ने सरकार की इस योजना का हर तरीके से खंडन किया है फिर चाहे वह सांस्कृतिक दृष्टिकोण हो या फिर वैज्ञानिक। उन्होंने बताया कि किस तरह सरकार अनजाने में समाज का सर्वनाश करने की योजना बना बैठी है क्यूँकि ये अंडा किसी भी तरह से प्राकृतिक और पौष्टिक आहार नहीं बल्कि यह बच्चों के रोगप्रतिरोधक क्षमता को नस्ट कर देगा, विशेषज्ञों ने बताया कि यह अंडा ब्रायलर मुर्गियों (हाइब्रिड) मुर्गियों से इंजेक्शन के द्वारा प्राप्त किया जाता है जो मासूम बच्चों के लिए एक अभिशाप है और उन्हें रोगी बना देगा, यह पोषण के नाम पर मौत परोसा जा रहा है। कुपोषण के नाम पर अंडा ही विकल्प क्यूँ? जब भारतीय खानपान में हरे शाक साब्जियाँ, फल, अंकुरित अनाज, दूध आदि में अंडे से भी अधिक पोषण विधमान है तो फिर अंडा बाटने की क्या मजबूरी आन पड़ी?

आज तीसरे दिन धरना प्रदर्शन में मुख्य वक्ता श्री शिव कुमार कलिहारी (मुख्य ट्रस्टी-गायत्री परिवार), दीपक सार्वा (संस्थापक- प्रकृति जैविक कृषक समिति/ स्वस्थ भारत मिशन), तोरण लाल साहू (अध्यक्ष- तहसील साहू संघ, दल्लीराजहरा), पवन गंगबेर (अध्यक्ष-सर्व समाज समरस्ता समिति), श्री धरम चंद जैन जी (प्रतिनिधि-जैन समाज), शीतल साहू, पीताम्बर साहू, सविता वर्मा, वीणा साहू, विमला साहू, सुरेखा साहू, ममता साहू , रेणुका गंजिर,मांडवी मिश्रा, चंद्रशेखर पवार और अन्य सभी उपस्थित गायत्री परिवार के परिजनों ने अपने अपने तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। उपस्थित महिलाओं ने प्रज्ञा गीतों के माध्यम से जनजागृति और सरकार को जगाने हेतु संदेश दिया। विनम्रता और रोष भरा विरोध जताया और कहा कि ऐसे अवैज्ञानिक, अधार्मिक, अमानवीय प्रकृति प्रतिकूल आहार को मासूम बच्चो से दूर रखा जाय। धरना प्रदर्शन में देवप्रसाद आर्य, राधेश्याम साहू, धर्मेंद्र वर्मा, टीकम साहू, राजेन्द्र प्रसाद, बंसी लाल रावटे, दिलीप निर्मलकर, श्रीमती मंजू साहू, निर्मला कलिहारी, चंद्रभामा वर्मा, केशर साहू, ओमिन साहू, धनराज साहू, शांति साहू, ओंकार साहू, ललिता साहू आदि लोगों का सहयोग रहा। इस जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन में सभी पंथ,समाज,संस्था ने निर्णय लिया है कि कल दिनाँक 28 दिसंबर 2019 को जिला मुख्यालय-बालोद में 11 बजे महारैली निकाली जाएगी। जिसमें सभी पाँच ब्लॉक से लोग भाग लेने जा रहे हैं। विशाल रैली के माध्यम से इस विरोध को व्यापक रूप दिया जाएगा और सरकार तक अपनी बात पहुंचाई जाएगी जिसमें गायत्री परिवार के नेतृत्व में जैन, कबीरपंथ, सतनाम, पतंजलि योग समिति, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, ब्राह्मण समाज, सर्वसमाज समरस्ता, साहू समाज एवं ? साई, विश्व हिंदू परिषद आदि संगठन के लोग एक जुट होकर इस रैली का अंग बनेंगे, इस अनीति के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करेंगे। गायत्री शक्तिपीठ दल्लीराजहरा में युग सैनिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन- कॉलेज के विद्यार्थियों को इस शिविर के माध्यम से भविष्य में समाज निर्माण, युग निर्माण के कार्य करने हेतु अनीति से लोहा लेने और समाज की सेवा करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें डौंडी ब्लॉक से कई युवावों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षक दिलीप निर्मलकर और रोहित साहू जी रहे।

सॉफ्टबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आठ टीमों की जबरदस्त भिड़ंत

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। 65वें नेशनल स्कूल गेम्स 2019 सॉफ्टबॉल टूर्नामेंट जो कि सीबीएसई वेलफेयर स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित किया गया है. अभ्युदय स्कूल मेजबानी में नेशनल स्कूल गेम्स 2019 में अंडर 14 सॉफ्टबॉल के सेमी फाइनल मैच में रोमांचक मुकाबले देखा गया. जिसमें आठ टीमों की जबरदस्त भिड़ंत हुई. जहाँ बॉयज दिल्ली ने महाराष्ट्र को व सीबीएसई ने छत्तीसगढ़ को पछाड़ दिया वहीं गर्ल्स छत्तीसगढ़ ने महाराष्ट्र को व सीबीएसई ने राजस्थान को करारी मात दे दी. बच्चों के द्वारा खेले गए मैच में बच्चों के साहस और जोश को देखकर दर्शकों ने दाँतों तले ऊँगली दबाई. अभ्युदय स्कूल, प्राचार्या श्रीमती व्ही शोभा ने बच्चों के प्रदर्शन और बच्चों में विकसित खेल भावना को बहुत सराहा।

शहरी आवासहीन निर्धन व्यक्तियों को मिलेगा पट्टा

बेमेतरा/साजा । प्रदेश सरकार द्वारा समस्त शहरी आवासहीन निर्धन व्यक्तियों के लिए स्थायी व्यवस्था हेतु राजीव गांधी आश्रय योजना के अंतर्गत छ.ग. नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 के अंतर्गत 19 नवम्बर 2018 के पहले निवासरत झुग्गीवासियों को जिनके पास आवास का स्थायी पट्टा नहीं है, उन्हें स्थायी पट्टा दिया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने कल शाम जिला कार्यालय के सभागृह में राजस्व विभाग एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के सी.ई.ओ. प्रकाश कुमार सर्वे, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, जिले के सभी चार बेमेतरा, नवागढ़, बेरला, साजा अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं सभी नगरीय निकाय के सी.एम.ओ. उपस्थित थे। कलेक्टर ने इस हेतु जिले के सभी चार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अपने प्रभार क्षेत्रों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। मोटर साइकिल चोरी होने की मामले को दर्ज कराने दुर्गेश श्रीवास निवासी जी श्याम नगर कवर्धा ने शनिवार को थाना पहुंचकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराया की शुक्रवार को हाथीडोब व लालपुर के बीच रोड मे खड़े वाहन क्र.सी.जी.09 जे.ई.0877 को रात 8 बजे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गए हैं कि रिपोर्ट पर थाना कवर्धा द्वारा अप.क्र.554৳19 धारा 379 भा.द.वि. कायम कर विवेचना मे लिया गया कायमी बाद मामले के बारे मे टी.आई.सुशील मलिक द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया कि मामले की गंभीरता को देखते हुऐ एसपी डॉ लाल उमेद सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी उप पुलिस अधीक्षक बीआर मंडावी के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अज्ञात आरोपी का पता तलाश करने हिदायत दिया गया कि थाना प्रभारी कवर्धा द्वारा टीम गठित कर पता तलाश हेतु लगाया गया कि षनिवार को दास पेट्रोल कवर्धा में पेट्रोल भराते आरोपी राजू उर्फ पलटू उर्फ जगत पिता राम सिंह गोंड उम्र 20 वर्ष ग्राम बोड़ला थाना रेंगाखार को मो.सा.सहित पकड़ कर जप्त किया गया व आरोपी को षनिवार को गिरफ्तार कर मान.न्यायालय पेश किया गया जहाँ से मान.न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया है इस कार्यवाही मे सहायक उपनिरीक्षक रघुवंश पाटिल प्रधान आरक्षक अनित मंडावी संतोष वर्मा राजकुमारआर.देवा सैनिक अनिल का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर और एसपी ने किया धान उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कलेक्टर श्याम धावड़े और पुलिस अधीक्षक एम.आर आहिरे ने आज जिले के छुरा विकासखंड के अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र रसेला और दुल्ला का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री धावड़े ने नमी मापी मशीन से धान की नमी का जॉच मौके पर कराया। वहीं धान की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। उन्होंने धान की तौल करने वाले हमालो से प्रति दिवस तौल के संबंध में जानकारी ली। और किसानों से रू-ब-रू चर्चा करते हुए उपार्जन केन्द्र में खरीदी हेतु बारदाने की व्यवस्था व धान परिवहन शीघ्र कराने का भरोसा दिलाया। कलेक्टर, एस.पी. ने उपार्जन केन्द्रों में स्टेकिंग में बोरों की संख्या का मौके पर गणना भी कराये। उक्त केन्द्रों में धान खरीदी और स्टेकिंग व्यवस्थित ढंग से होना पाया गया। ज्ञात हो कि धान उपार्जन केन्द्र रसेला में अब तक 3 करोड़ 31 लाख 8 हजार 340 रूपये की लागत से 15932.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। उक्त केन्द्र के अंतर्गत 452 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है।

महिलाओं की सहायता हेतु डायल 112 के कर्मचारियों को दिया गया दिशा निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। जिला कबीरधाम के नई पुलिस लाइन में षनिवार को डायल 112 के पुलिस कर्मचारी एवं वाहन चालकों का मिटिंग लिया गया मिटिंग में पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह के मार्गदशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के निर्देशानुसार,महिलाओ के सहायता व उनको रात्रि में सुरक्षित स्थान तक पहुचाने व अनेक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने के लिए हिदायत दिया गया वही वाहन चालकों को यातायात की जानकारी वाहनों का रख रखाव की जानकारी । बीपी जिला अधिकारी नरेन्द्र चंद्रवंशी तथा संतोष साहू द्वारा दिया गया। पुलिस नियंत्रण कक्ष प्रभारी उत्तम साहू द्वारा रिस्पॉन्स टाइम कैसे ठीक करें किन बातों पर अधिक ध्यान दी जाए जिससे आम नागरिकों को 112 की सहायता मिल सके पुलिस की छबि 112 के प्रति कैसा है इस संबंध में बताया गया कर्मचारी को सतर्क होकर ड्यूटी करने नशीला पदार्थ का सेवन बिल्कुल भी नही करने बताया गया है ।

कांग्रेसियों ने 135वें स्थापना दिवस मनाया

बिपतरा। कांग्रेसियो के द्वारा शनिवार को कांग्रेस की 135 वे स्थापना दिवस है जिसे हम सब वरिष्ठ जन युवा साथी शिशु मंदिर में माँ सरस्वती के शैलचित्र में पूजा अर्चना करके माल्यार्पण कर बड़े धूम धाम से मनाया गया और मिठाई श्रीफल का प्रसाद वितरण कियें इस कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेसी रामजी चंद्राकर, महादेव चंद्राकर,फूलसिंह चंद्राकर,समेलाल चंद्राकर,शिवप्रसाद चंद्राकर,चमरू,दामोदर, हरिचंद, भूषण, राजेन्द्र, जोधराम, साथ ही युवा कांग्रेस के व्यास चंद्राकर,पारस नाथ,भानुप्रताप चंद्राकर,अमन तिवारी, गोविंद और समस्त कांग्रेसी उपस्थित हुए ।

कांग्रेस पार्टी ने दोहराया इतिहास को मनाया स्थापना दिवस

कवर्धा। शनिवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 135 वे स्थापना दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष व नवनिर्वाचित पार्षद मोहित माहेश्वरी एवं एन एस यू आई के विधानसभा के अध्यक्ष वाल्मिकी वर्मा एंव कोमल साहू के द्वारा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर स्थानीय जिला अस्पताल में रक्तदान किया गया है। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के व एनएसयूआई के शहर व ग्रामीण के कार्यकर्ता उनके साथ उपस्थित रहे। स्थापना दिवस में सभा को सबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मोहित माहेश्वरी ने युवा साथियो को कांग्रेस पार्टी के इतिहास बताते हुए । षनिवार 135 वर्ष के पूर्ण होने पर सब साथियों को बधाई दी और पार्टी के प्रति कांग्रेस के प्रति और संगठन में सब का जो दायित्व मिले उसे हमेशा ऊर्जा के साथ करने का संकल्प दिलाया और हमेशा पार्टी के हित मे कार्य करने के लिए सभी युवा साथियों को अपने उद्बोधन में कहा।

नागरिकता देने का कानून है लेने का नहीं : सुमित सेन

खरोरा। भारत मे बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण देश की आंतरिक सुरक्षा पर बढ़ते खतरे और आतंकवाद जैसी पारित नागरिकता संशोधन कानून एक आवस्यक कानून है । जो इस कानून का विरोध कर रहे है उन्हें समझना चईये की यह कानून नागरिकता देने का कानून है किसी की नागरिकता लेने का नही । यह केवल हमारे पड़ोसी देश से आये शोषित अल्पसंख्यको को नागरिकता देगा अखिल भारतीय विद्यर्थि परिषद सालो से इसकी मांग कर रही है 2008 में छात्रों ने चिकन नेक पॉइंट पर विशाल आंदोलन किया ।

निकाय चुनाव के बाद अब त्रिस्तरीय चुनाव में सत्ता हासिल करने तैयारी में जुटी भाजपा

गरियाबंद। हाल में ही संपन्न नगरीय निकाय चुनाव चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद भाजपा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियो में जुट गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी भाजपा ने सत्ता हालिस करने अधिक से अधिक सदस्य जितकर आए ऐसा लक्ष्य रखा है। इस संबंध में शनिवार को भाजपा के जिला स्तरीय समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक सांई मंदिर प्रागंण में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य हेतु भाजपा समर्थित उम्मीदवारो के नामो की घोषणा करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी हेतु नामो पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष राजेश साहू ने बताया कि जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत सदस्य हेतु भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मैदार में उतारेगी।

मनमानी: टोकन के लिए किसान परेशान

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। ग्राम कनकी सोसाइटी में धान ख़रीदी में चल रही तानासाही । समिति संचालक कर रहे मन मानी गांव वालों का कहना न ही कर्मचारी 10-11 बजे तक आते नही है और किसानों को घुमाया जा रहा समय पे कभी कोई कर्मचारी नही आते है ।

व अपने निजी आदमियों के ही धान लिया जा रहा है व वहाँ भवनेश्वर साहू, व अन्य कई कर्मचारी जो कि सोसाइटी में ही कार्यरत है वो लोगो से पैसे लेकर टोकन दिलाता है व इससे परसदा, मादाडीह,व कनकी के किसान बहुत परेशान है व उनका आक्रोश दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है व एक एक बोरी में 3 -4 किलो धान ज्यादा लिया जा रहा है किसानों के साथ धोखा हो रहा है । जब दैनिक भास्कर संवददाता वहाँ पहुंचे और मौके पर जब सोसाइटी कर्मचारियों से सवाल किया तब सोसाइटी कर्मचारी सवालो का जवाब देने के बजाय सवालो से बचते नजर आए । अब देखना है साशन क्या कार्यवाही करती है। मोहित कुमार ,धनसिंग ,योगेंद्र, राकेश नरेंद्र कुमार ,हेमचंद ,अशोक ,दयाराम एवं अनेको किसानों को तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है । हमारे यहाँ किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो उस पर उचित कार्यवाही की जाएगी ।

निधन

रतन लाल वर्मा

खरोरा। ग्राम गनियारी निवासी रतन लाल वर्मा उम्र 65 निधन हो गया। उसका अंतिम संस्कार 27 दिसंबर को किया गया । वे भरत लाल , उमाशंकर , शत्रुघ्न लाल , चोवाराम के पिता थे। इसके अंतिम यात्रा में गांव के गणमान्य नागरिक सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

निर्देश पंचायत चुनाव को सफल निपटाने एसपी ने ली बैठक

अवैध शराब विक्रेताओं कोचियों पर होगी सख्त कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिले में होने वाले त्रिस्तरीय चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक बालोद श्री एमएल. कोटवानी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालोद के बैठक की जिसमे आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2019-20 के परिप्रेक्ष्य में जिले के समस्त थाना/चौकी एवं कैम्प प्रभारियों का बैठक आहुत कर चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने अवैध शराब विक्रेता,कोचियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने, पिछले चुनाव के दौरान विवाद कर चुनाव में बाधा पहुंचाने वाले ऐसे असामाजिक तत्व जो इस चुनाव में भी बाधा पहुंचा सकते हैं उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही तथा बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया था चुनाव से पूर्व सभी मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर ग्राम रक्षा समिति, जीव दया समिति के सदस्यों को सक्रिय करने हिदायत दिया गया, साथ ही वर्षांत माह होने से थाना के लंबित अपराध/चालान का शीघ्र निराकरण करने निर्देशित किया गया आहुत बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद श्री डी.आर. पोर्ते, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बालोद श्री पी.सी.श्रीवास्तव, नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा श्री अब्दुल अलीम खान, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक बालोद श्री अमर सिदार, प्रशिक्षु भा.पु.से. श्री येदूवेल्ली अक्षय कुमार जिला बालोद, रक्षित निरीक्षक बालोद श्री मधुसूदन सिंह नाग तथा जिला बालोद के सभी थाना/चौकी प्रभारी बैठक में उपस्थित रहे। चुनाव संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। निर्विघ्न एवं-शांतिपूर्ण चुनाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश सभी थाना /चौकी प्रभारियों दिया गया।

बाबा गुरु घासीदास के बताये रास्ता में चलो सफलता जरूर मिलेगी : सुशील शर्मा

भाटापारा। सिमगा ब्लॉक के ग्राम खपराडीह में आयोजित परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में आसपास के गांवो से आये सैकड़ो ग्रामीणों को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा ने कहा कि पूरे देश मे धार्मिक आस्था के माध्यम से मानव मानव एक समान का संदेश देने वाले हमारे प्रथम गुरु परम पूज्य बाबा घासीदास छतिषगढ़ से है जिनके बताये रास्तो पर चल कर हम अपना जीवन सपल कर सकते है,सत्य के प्रतीक सफेद झंडा है,सत्य बोलकर अपने जीवन को हम निष्कलंक रख कर समाज और परिवार को एक नई दिशा में ले जा सकते है, मांस और मदिरा का सेवन करना सबसे बड़ा अपराध है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

क्रमांक/1646/न.पा.परि./2019-20 बीजापुर, दिनांक 28/12/2019

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारें/फर्म से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1 निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :- 17/01/2020, शाम 5.00 बजे तक
2 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय :- 21/01/2020, अपरान्ह 3.00 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय :- 21/01/2020, शाम 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (राशि रु. में)
01	बीजापुर नया बस स्टैण्ड के समीप सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य	19.99	15000/-
02	वार्ड क्र. 15 नयापारा शिविर में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.86	5900/-

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज कार्यालयीन समय में कार्यालय नगर पालिका परिषद बीजापुर से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीजापुर
जिला-बीजापुर (छ.ग.)

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें। नगर पालिका करों का भुगतान समय पर करें।

पीकअप पलटी, 20 से ज्यादा घायल

कवर्धा। जिले के समीप ग्राम बदराडिह के पास तेज रफ्तार से आ रही पिकअप वाहन अनियंत्रि होकर पलट गई। इस घटना में लगभग 17 महिलाएं घायल होने की जानकारी समाचार के लिखे जाने तक मिल रही थी। तो वहीं 5 महिलाओं को गंभीर रूप से चोट आई है। बताया जा रहा है कि पीकअप में एक ही परिवार के 25 लोग सवार थे जिसमे महिलाएं और बच्चे शामिल थे। दरअसल, मडमडा गांव का रहने वाला परिवार अपनी बेटी के घर सहसपुर गांव छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ड्राइवर के द्वारा तेज रफ्तार से वाहन को चलाया जा रहा था, इसी दौरान अचानक सामने मोड़ आने से अनियंत्रित होकर पलट गया। पीकअप में सवार 25 महिलाएं और बच्चे सभी गाड़ी में फंस गए थे। आसपास के लोगों ने महिलाओं और बच्चों को बाहर निकाला और डॉयल 112 को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही 112 वाहन घटना स्थल पहुंची और घायलो को उपचार के लिए अस्पताल ले गये।

तीन निर्दलीय पार्षदों के हाथ में है अध्यक्ष बनाने की जादुई ताकत

पालिका अध्यक्ष के लिए कांग्रेस-भाजपा दोनों को नहीं मिला बहुमत

नवप्रदेश संवाददाता

डोंगरगढ़। नगर पालिका चुनाव संपन्न हो जाने के बाद अब इस बात की चिंता ने भाजपा कांग्रेस बढ़ा दी है कि अध्यक्ष पद किसे बिठाये नगर पालिका चुनाव में शहर की जनता ने दोनों राष्ट्रीय पार्टी को बहुमत से दूर रख दिया है । 24 सदस्यीय पालिका में जनमत में भाजपा को 11 व कांग्रेस को 10 सीट सहित 3 सीट पर निर्दलीय के जीत ने दोनों पार्टी को संशय में डाल दिया । अध्यक्ष के लिए भाजपा को 2 वहीं कांग्रेस को तीनों निर्दलीयों का समर्थन की आवश्यकता है, दोनों प्रमुख पार्टी की पैनी नजर इन तीनो निर्दलीय पार्षदों पर है, वहीं सूत्रों की माने तो दो निर्दलीय पार्षद को कांग्रेस ने साम दंड भेद के तहत अपने अंडर में रखने की चर्चा है, रही बात एक निर्दलीय पार्षद की उसे भाजपा समर्थक होने के चलते कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता अपने स्तर पर जोर आजमाइस में लगे है, वहीं दूसरी ओर चर्चा है कि अस्थाई जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव जीते पार्षद को 6 माह के भीतर स्थाई जाति प्रमाण पत्र देना होगा किसी कारण स्थाई जाति प्रमाण पत्र जमा नहीं होने की स्थिति में निर्दलीय पार्षद को अयोग्य घोषित भी किया जा सकता है । वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस सरकार वहीं दबंग जिला कांग्रेस अध्यक्ष के गढ़ होने से कांग्रेस अपनी पुरजोर ताकत लगाने से परहेज नहीं कर रहे है, आरक्षित अध्यक्ष सीट होने के चलते कांग्रेस के पास एक ही पार्षद वहीं दूसरी ओर भाजपा के पास तीन पार्षद अध्यक्ष बनने की योग्यता रखते है । ज्ञात हो की 24 दिसंबर को चुनाव परिणाम घोषित होने से दोनों राष्ट्रीय पार्टी में किसी भी पार्टी के पास बहुमत नहीं होने के चलते तीन निर्दलीय पार्षदो की भूमिका किंगमेकर की हो गई दोनों पार्टी इन किंगमेकरो को मानने की जुगाड़ में लगे हुए है, वहीं इस बात की भी खूब चर्चा है कि नगरपालिका अध्यक्ष की कुर्सी की लड़ाई महाराष्ट्र विधानसभा की तश्वीर के साथ दोनों प्रमुख पार्टी में अंतर कलह मची हुई है । प्रदेश में सत्तासीन कांग्रेस को अध्यक्ष के लिए निर्दलीय तीनों पार्षद वहीं भाजपा को दो पार्षदों को अपने खेमे में लेना है, जबकि दोनों पार्टी के लिए संकट बने निर्दलीयों में स्वयं अध्यक्ष बनने व उपाध्यक्ष की कुर्सी कंफर्म के साथ पूरे घटनाक्रम में शिकायतों के साथ लालच धमकी चमकी सहित साम दाम दंड भेद का सिलसिला चल रहा है ।

जगत के पालनहार को ठंड से बचाने भक्तों ने उड़ाया शाल

कवर्धा (नवप्रदेश)। जिले में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है जिसके चलते जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है तो इसके साथ ही भगवान श्रीराम, माता सीता, भैया लक्ष्मण और दादा बजरंगबली को इस कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए राम जानकी मंदिर के पुजारी अखिलेष षुक्ला ने भगवान को षाल उढ़ाया है। तथा खेड़ापति हनुमान मंदिर में भी बजरंगी दादा को साल उड़ा कर ठंड से बचाया जा रहा है। इस बार पडने वाली कड़ाके के ठंड ने लोगों को शाम होते ही घर में दुबक कर रहे ने मजबूर कर दिया है।

माता कामाख्या के मंदिर पहुंचने सुगम नहीं मार्ग, मुश्किल से पहुंचते हैं भक्त

पंडरिया (नवप्रदेश)। जिले की नैसर्गिक सौन्दर्य से विभूषित तहसील पंडरिया का भ्रमण किया। पंडरिया से कुकदुर मार्ग पर लोखान ग्राम में मैकल पहाड़ पर कामाख्या देवी का महाकाली रूप स्थापित है साथ में त्रिदेव,गणेश जी तथा भैरव देव की प्रतिमा स्थापित है।पहाड़ी पर चढ़ने के लिए आधे दूर तक सीढ़ी बनी है। यहाँ के पुजारी पंडित रामानन्द मिश्रा ने बताया कि वर्तमान मूर्तियाँ 10 वर्ष पूर्व स्थापित की गई है। पहली बार वन अधिकारी श्री सिंह ने कामाख्या नाम दिया वे स्वयं देवी कामाख्या के भक्त थे। यहाँ पर नवरात्र पक्ष में मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित होती है।खेलों की नर्सरी सिंगपुर में पदस्थ शिक्षक राजर्षि पाण्डेय ने जानकारी दी कि यहाँ विगत तीन वर्ष से बसंतपंचमी को सामूहिक सरस्वती पूजन की जाती है जिसमे आसपास के विद्यालयों के विद्यार्थी और शिक्षक सम्मिलित होते हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि यदि यहाँ सुविधाएँ उपलब्ध करा दिए जाएँ तो यह पर्यटन चक्र में सम्मिलित हो सकता है।

गांव में शीतलहर, पड़ रही कड़ाके की ठंड

बिलाईगढ़ (नवप्रदेश)। बिलाईगढ़ के अंतर्गत आसपास के सभी गांव में शीतलहर के कारण पड़ रही भीषण ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार बिलाईगढ़ एवं आसपास के गांव में शीतलहर का प्रकोप विगत 3 दिनों से जारी है शीतलहर के कारण पड़ रही भीषण ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो गया है यहां रोजाना मॉर्निंग वॉक में जाने वालों की तादाद में अचानक कमी आ गया है सुबह एवं शाम के समय लोग जन अलाव के सहारे ठंड का मुकाबला करते कई जगह दिखलाई पड़े रहे हैं वही मोबाइल नेट से बिलाईगढ़ का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस बता रहा है क्षेत्र में चल रही ठंडी हवाओं से लोग हलकान हैं सुबह के समय लोग देरी से अपने घरों से निकल रहे है, तो शाम के वक्त जल्दी से अपने अपने घरों में दुबक जा रहे हैं क्षेत्र में अचानक शीतलहर से जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो गया है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

छत्तीसगढ़ का हम...

में गोजरी नृत्य प्रस्तुत किया, जो जम्मू कश्मीर में खासकर विवाह के मौके पर होता है। पुंछ से आए दल के नेतृत्वकर्ता मुहम्मद चौहान ने नवप्रदेश से बातचीत में कहा कि हालांकि जम्मू कश्मीर छत्तीसगढ़ से ज्यादा विकसित हैं। हमने सुना था कि छत्तीसगढ़ राज्य गरीब है। गरीबी का तो पता नहीं लेकिन एक बात जो हमें साफ-साफ समझ आई वो ये है कि यहां के दिल के काफी अमीर हैं।

हमारे यहां भी...

जाहिदा ने कहा कि दूसरे राज्यों के कलाकार हमारे राज्य में आएंगे तो हमें भी अच्छा लगेगा।

चिल्फी पर चढ़ने लगी...

चुका है। हालांकि मौसम के इस बदले मिजाज से क्षेत्र के लोगों को ठंड से बचने के तमाम उपाय करने पड़ रहे हैं। लेकिन इस मनोरम प्राकृतिक दृश्य को देखने के लिए दूर-दराज के लोगों का चिल्फी पहुंचना शुरू हो गया है।

सर्द हवाओं का शुरू हुआ दौर

मौसम खुलने के बाद अब क्षेत्र में सर्द हवाओं का दौर शुरू हो गया है। हालात ये हैं कि शाम के बाद लोग घरों में ही दुबक कर बैठे रहते हैं। किसान भी खेतों में देरी से जा रहे हैं। पूरा क्षेत्र घने कोहरे के आगोश में लिपटा नजर आता है। जिससे वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ती है।

इनका भी अपना अलग आकर्षण -पासीघाट का टॉवर

चिल्फी घाटी इलाके में पासीघाट भी स्थित है, जहां एक ऊंचा टॉवर बनाया गया है। सर्दियों में इस टॉवर से चिल्फी घाटी का दीदार करने का मजा ही कुछ और है। लिहाजा पर्यटक इस टॉवर से चिल्फी का सौंदर्य निहारने के लिए पहुंच रहे हैं।

-सुखार में वन्य प्राणियों की बढ़ी हलचल

चिल्फी घाटी से लगे हुए क्षेत्र सुखार में भी इन दिनों वन्य प्राणियों की चहलकदमी बढ़ गई है। कान्हा नेशनल पार्क व अचानक मार्ग से लगा हुआ पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण वन्य प्राणियों का आवागमन क्षेत्र में बना रहता है। वर्तमान में इस क्षेत्र में ज्यादातर बाघ, हिरण, तेंदुआ, लोमड़ी, बारहसिंघा सहीत कई प्रकार के वन्यजीव देखे जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में शीत लहर की चेतावनी

उत्तर एवं मध्य छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में शीत लहर की चेतावनी जारी की है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मौसम विज्ञानी एच.पी.चन्द्रा ने जारी चेतावनी में बताया है कि अगले 24 घंटे में उत्तर एवं मध्य छत्तीसगढ़ के कोरिया, बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, बिलासपुर, कवर्धा, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, बेमेतरा, जांजगीर, राजनांदगांव, बलोदा बाजार एवं महासमुन्द जिलों के कुछ पैकेट में तेज शीतलहर पड़ने की संभावना है।उन्होने बताया कि इन 15 जिलों में अगले 48 घंटे में शीतलहर का प्रकोप बने रहने की संभावना है। इस बीच राज्य में पिछले 24 घंटे में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है।उत्तरप्रदेश एवं झारखण्ड से सीमा से जुड़े सरगुजा एवं बिलासपुर संभाग में जहां तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है वहीं राजधानी रायपुर में ठंड का प्रभाव काफी बढ़ गया है। ठंडी हवाओं के कारण लोगो को गर्म कपड़ें पहने के साथ ही जल्द घर पहुंचने को मजबूर होना पड़ रहा है।

रिकार्डतोड़ ठण्ड से...

दिसंबर से अब तक 8 कोल्ड डे और 7 सीवियर कोल्ड डे रेकॉर्ड हो चुके हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार कोल्ड डे तब होता है, जब अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री कम हो जाए। दूसरा सीवियर कोल्ड डे वह होता है। जब अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 6.5 डिग्री सेल्सियस कम होता है।

यातायात प्रभावित

ठंड का असर यातायात पर भी पड़ रहा है। ट्रेन लेट हैं और फ्लाइट्स का रूट डायवर्ट किया गया। अब तक की जानकारी के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट पर कम दृश्यता के कारण चार उड़ानों की दिशा बदली जा चुकी है। वहीं, देशभर में 194 ट्रेनें देरी से चल रही हैं जबकि 71 ट्रेनों के रूट डायवर्ट करने पड़े हैं। कोहरे की वजह से ही 11 ट्रेनों का समय बदला गया था।

कांग्रेस स्थापना दिवस...

उनके पास पहुंच गए।

सीएम श्री बघेल का गुस्सा और तमतमाई आवाज से वहां मौजूद सभी आवाक रह गए। सीएम भूपेश बघेल अपना आपा खो बैठे और नारेबाजी कर रहे कार्यकर्ताओं से फटकार भरे लहजे में पूछा कहां से हो, क्यों नारेबाजी कर रहे हो? बोले यह कांग्रेस भवन है कोई आम जगह नहीं है। जब नाराज कार्यकर्ता ने बताया कि वह फाफाडीह से है और निकाय चुनाव में कुछ पार्टी के लोगों की वजह से हार हुई है तो वे बोले जिला कांग्रेस कमेटी से शिकायत करो, नारेबाजी कर रहे हो फिजूल में। फिर गुस्से में पीसीसी चीफ से मुखातिब होते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि इन्हें नोटिस दो। ये कांग्रेस भवन है कोई आम जगा नहीं। सीएम के तेवर देख उनके अंगरक्षक से लेकर वहां मौजूद सभी कांग्रेसियों में सन्नाटा पसर गया।

कवरेज से रोकते रहे कुछ कांग्रेसी नेता

फूल छाप कांग्रेसी वाले नारेबाजों की कवरेज करने से पहले रोका गया फिर जब सीएम के गुस्से वाला मामला हुआ तब वहां मौजूद मीडिया कर्मी इसकी कवरेज कर रहे थे। तभी चंद कांग्रेसियों संग अरुण भद्रा ने मीडिया को कवरेज से रोकने की कोशिश की ताकि पूरा मामला सोशल मीडिया में न फैले।

यह था पूरा मामला

दरअसल नगर निगम के रमण मंदिर वार्ड में हार से नाराज कार्यकर्ताओं का गुस्सा राजीव भवन में फूटा. कार्यकर्ताओं की नाराजगी सीएम भूपेश के सामने बाहर आ गई और नाराज कार्यकर्ताओं ने फूलछाप कांग्रेसियों को बाहर निकालने के लिए जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने सीएम से शिकायत की कि गलत टिकट वितरण की वजह से पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी से फूलछाप कांग्रेसियों को बाहर किया जाए। कार्यकर्ताओं की शिकायत सुनने के बाद सीएम ने उनसे सवाल किया कि उन्होंने ये शिकायत जिला अध्यक्ष से की। कार्यकर्ताओं ने जवाब में कहा कि उन्होंने कोई शिकायत नहीं की है। जिससे भूपेश बघेल नाराज हो गए और उन्होंने पार्टी नेताओं को नारेबाजी करने वाले कार्यकर्ताओं को नोटिस देने की बात कही।

नजरबंदी शिविर...

देते हुए श्री गांधी ने कहा श्री मोदी ने अपने भाषण में कहा था कि हिंदुस्तान में कहीं कोई नजरबंदी शिविर नहीं है। उसके बाद मैने ट्वीट किया और आप सबने इस वीडियो को देखा है। यह नजरबंदी शिविर की वीडियो है। इसे देखकर आप ही तय कीजिए कि झूठ कौन बोल रहा है। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर भी उन्होंने श्री मोदी पर निशाना साधा और इसे नोटबंदी से भी ज्यादा खतरनाक बताते हुए कहा कि इससे गरीबों को बहुत नुकसान होगा। मोदी सरकार के इस फैसले का लाभ सिर्फश्री मोदी के 15 नजदीकी कारोबारी मित्रों को मिलेगा।

यूपी हिंसा में...

से संवेदनशील इलाकों में भीड़ भड़काने, आगजनी, गोलीबारी और बमबारी करने में सिमी के कथित नए रूप पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की भूमिका का भी खुलासा हुआ है। यूपी हिंसा में पीएफआई की भूमिका का पता लगाने के लिए एक विस्तृत जांच चल रही है। राज्य केंद्रीय गृह मंत्रालय से संगठन के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने का आग्रह करेगा। हिंसा के दौरान प्रदेश में 21 लोगों की मौत हो गई और लगभग 400 लोग घायल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित पश्चिमी उत्तर प्रदेश रहा, जहां आगजनी, गोलीबारी और सरकारी संपत्ति नष्ट करने के मामले में 318 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बैंकों को सीबीआई...

कहा कि पहली बार इस बैठक में सीबीआई निदेशक एवं संयुक्त निदेशक भी शामिल हुये हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय, राजस्व खुफिया निदेशालय और आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ भी इस तरह की बैठक करेंगी और उन्हें भी बैंक अधिकारियों को धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में सतर्कता बरतने के बारे में बताने की अपील करेंगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम
जोन क्र. 7, रायपुर
मंगलम काम्पलेक्स, अग्रसेन चौक के पास, रायपुर (छ.ग.)

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 368/2019-2020
वार्ड का नाम- तात्यापारा-38

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि तात्यापारा वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 38/188 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती इमरान हुसैन पिता शेख अली के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती युसुफ अख्तर पिता स्व. इमरान हुसैन कोठावाला, अमना अजीज पिता स्व. इमरान हुसैन कोठावाला ने मृत्यु प्रमाणपत्र/ सहमति पत्र/ शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर, जोन क्र.-07, नगर पालिक निगम, रायपुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./334/अ-2/2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री ...

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया ...

विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./333/अ-2/ वर्ष 2019-20
ऑनलाईन पंजी. 201912100400109

...

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

प्र.क्र.//अ-2/2019-20

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संतोष कुमार ...

आज दिनांक 27.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी, पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

कार्यालय, नगर पालिक निगम
जोन क्र. 7, रायपुर
मंगलम काम्पलेक्स, अग्रसेन चौक के पास, रायपुर (छ.ग.)

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 370/2019-2020

...

दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर, जोन क्र.-07, नगर पालिक निगम, रायपुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./330/अ-2/2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री अजय कुमार ...

है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

DIRECTORATE OF RESEARCH SERVICES
INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDAYALYA
KRISHAK NAGAR, RAIPUR 492012 (C.G.)
Phone & Fax : 0771-2443035

No. DRS/Store/2019 Raipur, Dated.../ 2019

TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited form the Consultant Agency for hiring of consultancy Services **for NABL Accreditation and APEDA Certification.** The tender document with terms and conditions can be downloaded from the website www.igau.edu.in and the tender fee can be submitted with tender in the form of DD. The last date of submission of sealed tenders is up to 23.01.2020 at 2.00 PM.

S.-23916/1 **Director Research Services**

कार्यालय, नगर पालिक निगम
(जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 384/2019-20

...

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर, जोन क्र.-04, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
नगर निगम मुख्यालय नया प्रशासनिक भवन, गांधी चौक, रायपुर के पास
फोन : 0771-25355780, फैक्स:0771-227395
ई मेल : dcrmc@reddiffmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 333/2018-19
वार्ड का नाम- श्यामाप्रसाद मुखर्जी-63

...

प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त, जोन क्रमांक-6, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
नगर निगम मुख्यालय नया प्रशासनिक भवन, गांधी चौक, रायपुर के पास
फोन : 0771-25355780, फैक्स:0771-227395
ई मेल : dcrmc@reddiffmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 332/2018-19
वार्ड का नाम- श्यामाप्रसाद मुखर्जी-63

...

सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त, जोन क्रमांक-6, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि योगिता इंगलिश मिडियम स्कूल दशरंगपुर जिला कबीरधाम में संचालित था जिसे आज दिनांक 28.12.19 से परिवर्तन कर ब्लासम पब्लिक स्कूल रखा गया है।

अतः आज से शासकीय अशासकीय व सामान्य तौर पर समस्त कार्य के लिए इस स्कूल को ब्लासम पब्लिक स्कूल के नाम से जाना व पहचाना जाये।

संचालन समिति
जन जागरण सेवा समिति कवर्धा
जिला-कबीरधाम
आज दिनांक 28.12.19

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 334/19-20
वार्ड का नाम- कालीमाता-30

...

प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 28/12/19 **जोन आयुक्त, जोन क्रमांक-3, नगर पालिक निगम, रायपुर**

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 333/19-20
वार्ड का नाम- लालबहादुर शास्त्री-33

...

के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 27/12/19 **जोन आयुक्त, जोन क्रमांक-3, नगर पालिक निगम, रायपुर**

FORM NO.V
(See Rule 4)
THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932

Notice of change in the constitution of the firm or of the dissolution of the firm "M/s. AGRAWAL ASSOCIATES"

Presented or Forwarded to the Registrar of Firms for filling by Shri Anuj Agrawal, PARTNER under section 63 (i) of the Indian Partnership Act, 1932, notice is hereby given that :-

i) The Firm "M/s. AGRAWAL ASSOCIATES" Registration No. 345 Year-2007 Raipur date of registration 30/10/2007 has been Reconstituted on Date : 01/04/2019 AS UNDER :-

Name & full address of the incoming Partner & date of his joining the firm	Name & full address of the outgoing Partner & date of his ceasing to be Partner
1) Shri Krishna Lal Agrawal S/o Shri Ram Swaroop Agrawal resident of H.No. 429, Ward No. 16, Main Road, Jhalap Mahasamund 493551 (C.G.)	1) Shri Ajay Agrawal S/o Shri Krishna Lal Agrawal Main Road, Jhalap Mahasamund, 493551 (C.G.)

STATION: RAIPUR

WITNESS:
SIGNED IN MY PRESENCE:

SIGNATURE OF THE CONTINUING PARTNERS
1. Shri Anuj Agrawal
SIGNATURE OF THE INCOMING PARTNERS
1. Shri Krishna Agrawal
SIGNATURE OF THE OUTGOING PARTNER
1. Shri Ajay Agrawal

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

पृष्ठ 4 का शेष...

लेकिन पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ने इतिहास की नींव में अपनी मिट्टी को अपने अलाव में पकाकर एक अलग ईंट रखी, भूगोल को स्वायत्त, विस्तृत और बहुधर्मी किया। अर्थशास्त्र को सामाजिक संघर्ष का प्रकट हथियार बनाने के बदले विषमता से उत्पन्न करुणा का बौद्धिक गायन किया। आलोचना विधान को उसकी जातीय कुलीनता से अलग हटकर उसे कड़ियल धरती के बेटों की वाग्मिता और अर्थमयता की घुट्टी पिलाई। शिल्पायन नामक अभिव्यक्ति की दूकान खोलने के बदले विधायन नामक दूकान खैरागढ़ में खोली। उसे राजनांदगांव स्थानान्तरित किया और आज के वैष्विक उपभोक्तावाद की जुबान में उसका उत्पाद इलाहाबाद में बेचकर दिखाया। छत्तीसगढ़ की शशि तिवारी को तो श्रेष्ठ कहानीकार घोषित करते रहे लेकिन भगवतीचरण वर्मा और सुमित्रानन्दन पन्त को सरस्वती प्रेस में आने के बाद ही मुठभेड़ के बाद छापने को सहमत हुए। छायावाद और स्वच्छंदतावाद की संज्ञाएं इसलिए ढूंढ़ीं कि अंगरेजी साहित्य के न केवल अनसंधित्सु पाठक थे बल्कि बकौल किशोरीलाल शुक्ल रामानन्द चटर्जी के 'मॉडर्न रिव्यू' में अंगरेजी में लिखते थे जब फकत बीए पास थे। जैसे कॉलरिज ने अमर कवि होने के अतिरिक्त 'आलोचना के नये प्रतिमान' (नामवर सिंह से साभार) गढ़े हैं, वैसे ही बख्शी जी ने हिन्दी साहित्य के तीन काल सबसे अलग हटकर लौकिक, रस और बौद्धिक साहित्य के नाम पर गढ़े हैं। 'बौद्धिक' शब्द पर उनका कोई समकालीन इतना अधिक आसक्त, आग्रही या उन्मेशक नहीं रहा है। साहित्य को नैतिक स्थापनाओं का शाश्वत प्रायोजक, प्रवक्ता और प्रतीक माना गया है। बख्शी जी के पास इसकी थोक और खुदरा दोनों बानगियां हैं। आप पढ़ें तो।

11 सवाल यह भी है कि बख्शी जी की पीढ़ी ने छत्तीसगढ़ी में क्यों नहीं लिखा? बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध भारत के लिए खलबली पैदा करने का समय रहा है। दो विश्व युद्धों के अतिरिक्त भारतीय आजादी की लड़ाई का यही कालखण्ड है। बख्शी जी का शुरुआती लेखन प्रथम विश्वयुद्ध के साथ साथ शुरू हुआ। उनका प्रौढ़ लेखन दूसरे विश्वयुद्ध के साथ साथ परवान चढ़ा। 1920 में उन्हें 'सरस्वती' की संपादकी मिली जिस वर्ष महात्मा गांधी ने तिलक के अवसान के बावजूद कांग्रेस की बागडोर संभाली। जाहिर है कि अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं और देश में चल रही राजनीतिक उथलपुथल से भी बख्शी जी का परिचय रहा होगा क्योंकि बख्शी जी से ज्यादा पढ़ाकू व्यक्ति हिन्दी साहित्य के इतिहास में इने गिने ही हैं। यदि साहित्यिक झंडाबरदार उन लेखकों की सूची को संकलित करें जिन्हें पढ़ना पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ने कबूल किया है तो वे उन वृत्तियों का अन्वेषण कर सकेंगे जो बख्शी जी के मानस की रचना करती हैं। इसके अतिरिक्त दोनों विश्वयुद्धों तथा कांग्रेस के जनयुद्ध से उत्पन्न बौद्धिक चुनौतियों और अभिव्यक्तियों का जो जखीरा बना था उससे लेखक बख्शी ने किस तरह आत्म साक्षात्कार किया, वह भी अध्येताओं के लिए एक दिलचस्प विषय होना चाहिए। छायावाद की पहली कविता मुकुटधर पांडेय छत्तीसगढ़ी में किस तरह लिख सकते थे जबकि उन्हें अंगरेजी राज में हिन्दी के सत्ताधीषों के तिलिस्म के इस गुरूर को तोड़ना था कि छायावाद की मौलिक रचनाएं छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में बैठकर लिखी जा सकती थीं। सुंदरलाल शर्मा ने जेल से पत्र लिखकर उसे पत्रिका की तरह प्रसारित किया जिससे राष्ट्रीय परिदृश्य में छत्तीसगढ़ का नाम फोकस में आए। इतिहास की जरूरत थी कि अंगरेजों और अंगरेजी से मानसिक आजादी के लिए लेखक भी सामने आएं क्योंकि फ्रांस और रूस की राज्य क्रांतियों सहित अमरीका का स्वाधीनता आंदोलन और मैग्ना कार्टा यह सूचित कर रहे थे कि साहित्य भी जुल्म और आतंक से लड़ने का एक विश्वसनीय और कारगर तरीका है। यही वजह है कि रामदयाल तिवारी ने 'गांधीवाद की समीक्षा' का अपना ग्रंथ अंगरेजी में लिखा जिससे पूरे देश में यह संदेश जाए कि गांधी को समझने की कोशिश छत्तीसगढ़ में भी चल रही है और यह कि गांधी बाकी हिन्दुस्तान और इंगलिस्तान की समझ के लिए आरक्षित नहीं हैं। इन सबके समानांतर बख्शी जी भारतीय मनीषा के अनुकूल पश्चिम के बड़े विचारकों से प्रेरणा लेकर आधुनिक गद्य का एक अलग ड्राफ्ट लिखना हिन्दी को सिखा रहे थे। उन्होंने आलोचना के महारथियों से भी लोहा लिया और विश्व साहित्य की समीक्षा तक की। साहित्य की विधाओं के औपचारिक प्रारूपों की परवाह किए बिना बख्शी जी ने छत्तीसगढ़ की छोटी छोटी पहाड़ी नदियों की तरह बहती हुई शीतल और तरल भाषा का आविष्कार किया है। ऐसे ही साहित्य में डूब जाने का मन करता है।

12 'अब तक छप्पन' की तरह उनकी इतनी ही किताबें हैं। साठ वर्षों तक उन्होंने साहित्य की उपासना की। महाभारत के अध्यायों की तरह 18 निबंध संग्रह हैं। तीन सौ से ऊपर निबंध हैं। सौ के करीब कहानियां हैं। दो काव्य संग्रह हैं। तीन कहानी संकलन हैं। आलोचना के ग्रंथ हैं। 17 वर्ष की उम्र में लिखी कहानी 'सोना निकालने वाली सीपियां' और 'भाग्य' से प्रभावित महावीर प्रसाद द्विवेदी ने उन्हें आमंत्रित किया। 1902 में 'छत्तीसगढ़ मित्र' बन्द हो गया था। 1920 में छत्तीसगढ़ सुत अदृश्य नदी सरस्वती के नगर में अक्षर सरस्वती के लिए भगीरथ के वंशज की भूमिका में मुस्तैद हो गया था। 'पंचपात्र' 'झलमला' 'कथाचक्र' 'कुछ' 'नाम' 'मोटर स्टैण्ड' 'बंदर की शिक्षा' 'हिन्दी साहित्यः एक ऐतिहासिक समीक्षा' 'विश्व साहित्य' जैसी कुछ बड़ी सीपियां हैं, जिनमें ढूंढ़ने पर मोती मिलते हैं। वे कहते थे कि मुझे भाषा की कारीगरी नहीं आती। यह अलग बात है कि उनकी भाषा साहित्यिक कारीगरों को रन्दा चलाना सिखा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि लगभग 1935 तक के अपने लेखन को वे मौलिकता और प्रौढ़ता के अभाव के कारण बहुत महत्वपूर्ण नहीं मानते। उसे निर्ममतापूर्वक खारिज कर देते हैं। वे अपने एक दर्जन निबंधों को छांटकर छपवाना चाहते थे। सॉमरसेट मॉम भी कहता था कि साहित्य के इतिहास में उसका उल्लेख बमुश्किल दो या तीन पंक्तियों में होगा। बख्शी जी लेखन को पार्ट टाइम गतिविधि नहीं, पूर्णकालिक जीवन प्रयोजन मानते थे। यह बात कम से कम ब्राम्हणों और कायस्थों को बख्शी जी की सलाह के अनुसार मसिजीवी लेखक बनने के लिए याद रखनी चाहिए। आलोचक बख्शी अपनी गलतियों को स्वीकार करने की साहसी आत्मा रखते थे। वे मुक्तिबोध के उलाहने वाले जुमले में साहित्य के दारोगा नहीं थे। उन्होंने कोई गुट नहीं बनाया। आन्दोलन नहीं चलाए। वे पेड़ की तरह थे। पेड़ न चले। छाया देता है। फल देता है। जरूरत पड़ने पर खुद को यज्ञ की समिधा बना देता है। मुक्तिबोध आग की तरह हैं। छुएंगे तो हाथ जलेगा। बख्शी जी की प्रकट शीतलता बर्फ की तरह है। लेकिन छुएंगे तब भी हाथ जलेगा। ये दोनों तत्व हैं। तत्व की प्रकृति एक ही होती है। वह प्रकृति दिग्विजयी होती है।

13 एक प्रगतिशील फतवा भी जारी किया गया है कि बख्शी जी बौद्धिक किस्म के लेखक नहीं थे। जिस व्यक्ति ने अपने स्कूली जीवन से लेकर आखिरी सांस तक शायद छत्तीसगढ़ में बल्कि देश के इने गिने पढ़ाकुओं के बीच अपना सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित किया हो, उसकी अध्यवसायिता को लेकर सवाल खड़े नहीं किए जाने चाहिए। यह बात वे लोग कहते हैं जो प्रतिबद्धता का साहित्य पढ़ते हैं और साहित्य के किसी फॉर्म को तोड़ तक नहीं पाते। क्या बख्शी जी ने जो कुछ पढ़ा उसे जज्ब या हजम नहीं किया? यह अलग बात है कि जो कुछ उन्होंने लिखा उससे वैचारिक सहमति जरूरी नहीं है। बौद्धिक मतभेद ही लोकतंत्रीय साहित्य का निर्माण करते हैं। लेकिन क्या रामचंद्र शुक्ल के बरक्स स्थापना करना, धनंजय वर्मा के अनुसार 'कथा-निबन्ध' की विधा का आविष्कार करना, हिन्दी साहित्य के कालखंड को लौकिक काल, रस काल और बौद्धिक काल में विभक्त करना, अंगरेजी भाषा की बौद्धिक अवधारणाओं को हिन्दी में जांच परख कर युगधर्म के अनुसार रचनात्मक साहित्य में तब्दील करना ऐसे कृत्य नहीं हैं जिन्हें बौद्धिक कहा जाए। मुझे याद है मुझ पर कटाक्ष किए गए जब मैंने बख्शी शताब्दी समारोह आयोजित कर छत्तीसगढ़ में बख्शी जी के नाम पर सृजन पीठ और शोध पीठ स्थापित करने की घोषणा मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से करवाई। एक बड़ा लेखक वर्ग है जिसके लेखे बख्शी जी एक पारंपरिक और केवल ऐतिहासिक महत्व के मझोले दर्जे के लेखक हैं।

14 ये फतवे सुनना दिलचस्प और तकलीफदेह लगता है कि बख्शी जी का बहुत सा लेखन अब प्रासंगिक नहीं है या कि बख्शी जी का योगदान केवल ऐतिहासिक धरोहर की तरह है। रामचंद्र शुक्ल और उनके अनुयायियों ने उन्हें हिन्दी भाषा के निर्माताओं में शामिल नही किया। पंक्ति-च्युत कर दिया। खैरागढ़ जैसी छोटी जगह का एक लगभग अज्ञात युवक 'सरस्वती' जैसी पत्रिका का सम्पादक कैसे हो गया जो समूची हिन्दी की रचनात्मकता को एक तरह से नियमित करती थी। उसने अपने जमाने की प्रतिभा को नियमित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उसने यह सिद्ध किया कि साहित्य भी संसार को समझने का एक जायज, विश्वसनीय और कारगर तरीका हो सकता है। यह बात फिर से क्यों नहीं हो सकती? क्यों एक छद्म महानगरीयता साहित्य पर हावी है? क्यों सभी लेखक और प्रकाशक एशिया के सबसे प्रदूषित शहर दिल्ली को अस्तित्व का आलय बनाए हुए हैं, जो पहले से ही प्रचलित मुहावरे में ठगों का शहर है। ताली और गाल वे लेखक बजाते हैं जो खुद दिल्ली तो दिल्ली रायपुर और भोपाल में मंत्रियों के फूहड़ हावभाव और कृत्यों पर कसीदे काढ़ते हैं। मुख्यतः शरद गुप्ता और पोती नलिनी, गणेश खरे आदि राजनांदगांव के दिग्विजय महाविद्यालय परिवार ने ही उन पर शोध किया है। गणेशशंकर शर्मा की कोई किताब सरकार ने छापी है। मास्टरजी तो शाहजहां जैसे चालाक थे जिसने कैद में रखे जाने पर भी बेटे औरंगजेब से यही फरियाद की थी कि उसे जेल में ही सही मास्टरी करने दी जाए। दिग्विजय महाविद्यालय के किले में रहते बख्शी जी, रियासत खैरागढ़ में रहते बख्शी जी, स्थायी मास्टरजी हैं अर्थात् साहित्यकारों के स्थायी उस्ताद। शागिर्दों की इस महफिल में छत्तीसगढ़ की वह आत्मा यहीं कहीं भूगोल, इतिहास और साहित्य की जिल्दें अपने छात्रों के लिए खंगालती नजर आने लगेगी बशर्ते उनके शागिर्द उन्हें ढूंढ़ने की कोशिश तो करें।

15 बख्शी जी ने न केवल बहुत अरसा तक लिखा है बल्कि बहुत भी लिखा है। उनके लेखन का बड़ा हिस्सा आर्थिक कठिनाइयों की वजह से पत्र पत्रिकाओं तक के लिए भी लिखा गया है। उनके लेखन का ऐसा हिस्सा कालजयी जीवाणुओं से युक्त भले न हो, वह पूरा नश्वर भी नहीं है। मास्टरजी एक औघड़ बाबा थे, जिनके भक्त भी इस दोहरे व्यवहार की संकुल दुनिया से ऊपर उठे हुए शंकर के बारातियों की तरह हैं। हम लोग बख्शी जी के व्यक्तित्व से इस कदर अभिभूत हैं कि उनके कृतित्व का मूल्यांकन करने के लिए कलम की स्याही खर्च करने के बदले उनकी याद में अब भी श्रद्धांजलियों की बरसात बहाये जा रहे हैं। पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के लेखन पर विशवविद्यालयीन शोध तो किए गए हैं परन्तु हिन्दी के आला दर्जे के आलोचकों ने उनके बारे में सोचने का मौसम ही अब तक नहीं ढूंढा है। उनके लेखे पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी उस बूढ़े की तरह हैं जो जर्जर हवेलीनुमा मकान के दीवानखाने में उकड़ूं बैठकर खों-खों करने, हुक्का पीने और पौत्र पौत्रियों को अपना दुलार देने के अधिकारी तो हैं, साहित्य के सचेतन रचनाषील घर के बुनियादी मत मतांतरों, वादों, आन्दोलनों और रचनाकर्म के स्वाभाविक बहाव का उससे क्या लेना देना? यह तो बख्शी जी के साथ सरासर अन्याय है। धनंजय वर्मा ठीक कहते हैं कि कथा-आलोचना की जिस विधा को समुन्नत करने का ढोंग बहुत से आलोचक पाले हुए हैं, उसकी शुरुआत मास्टरजी के शिल्पी हाथों ने की है। कमलेश्वर तो बख्शी जी पर फिदा रहे हैं। अपनी पत्नी को माधवराव सप्रे पर शोध कराते उन्होंने कहीं जरूर सोच रखा है कि बख्शी जी के साहित्यिक अवदान पर सामूहिक ऐलान की एक मुहर तो लगवायी जाए। एक ललित निबंधकार के रूप में पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का अप्रतिम योगदान है। हमारी पीढ़ी के सबसे जीवंत ललित निबंधकारों में अग्रणी रमेशचन्द्र शाह इस विधा में बख्शी जी को अपना गुरु मानते हैं। कुबेरनाथ राय हों या विद्यानिवास मिश्र-बख्शी जी के व्यक्तित्व से अलग हटकर इनके लेखन का मूल्यांकन ऐतिहासिकता से तो संदर्भहीन होगा ही। उनके निबन्ध एक साथ चन्द्रकान्ता-सन्तति, गोदान, छोटी बहू और अरे यायावर रहेगा याद के सम्मिश्रण का घोल हैं। मास्टरजी अपनी प्रौढ़ावस्था के लेखन में चाहे जितने रूढ़ क्यों न हो गये हों, उनमें मुक्तिबोध की तरह समकालीनता और वैश्विकता का आग्रह भले न रहा हो, प्रयोगधर्मिता, प्रगतिशीलता और प्रतीकात्मकता के मुकाबले भले पुरातनपंथी रहे हों, भारतीय पद्धति की कुश्ती के गुरु हनुमान की तरह साहित्य की शास्त्रीयता के अखाड़े के वे उस्ताद हैं जिनके चरण छुए बिना साहित्य की क्लासिकी का विद्यार्थी अपने हुनर में माहिर होने का प्रमाण पत्र नहीं ले सकता। मिथक के स्पर्श, रहस्यात्मकता की चादर, धर्मशीलता की भित्ति और किसी गांव की पगडंडी की तरह अर्द्धवर्तुल किन्तु निश्चित पाथेय वाली वृत्ति लिए पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का साहित्य नई पीढ़ी के लिए अराकान की चट्टान की तरह अबूझा नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

16 बख्शी जी का कथा साहित्य आज कितना सामयिक, प्रासंगिक और स्वीकार्य है- कहा नहीं जा सकता। वह साहित्य केवल उपादेय है लेकिन इतना कहना भी पर्याप्त नहीं है। प्रेमचंद अपना विपुल कथा संसार लिये आज भी कथा साहित्य में अंगद चरण हैं। केवल तीन कहानियां लिखकर गुलेरी अमर हो गये हैं। 'पर्जन्यकुन्ड', 'गदल' और 'धरती अब भी घूम रही है' जैसी महान कहानियां हम सबको याद हैं। अंतर्मन के द्वन्द्व के साहित्य को मानवपिंड बनाकर मुक्तिबोध ने दिग्विजय महाविद्यालय को अपनी कहानी 'विपात्र' में अमर कर दिया है। हम सब उसमें अपना चरित्र अब भी ढूंढ़ते हैं। लेकिन बख्शी जी की ठोस धरातल पर खड़ी शष्टि कहानियां तीक्ष्ण नहीं हैं। वे हमारी बुनियाद को झकझोरने की कोशिश नहीं करतीं। उनके विशाल जखीरे की कई कहानियां अपने भ्रूण में हेनरी जेम्स, वर्जीनिया वुल्फ और जेम्स जॉयस की कहानियों की याद दिलाती हैं, परन्तु उन कहानियों की वय बढ़ते-बढ़ते न केवल शैली बदल जाती है परन्तु प्रयोजनीयता भी। कभी कभी लगता है कि मास्टरजी को छत्तीसगढ़ में रहकर गृहस्थी के बोझ से दबाकर विश्वविद्यालय की पढ़ाई तक पूरी नहीं कराकर संघर्ष के बीजाणु तो उनकी आत्मा में नियंता ने भर दिए परन्तु यदि इस लेखक को रवीन्द्रनाथ टैगोर के परिवार जैसा शैशव मिला होता तो किसी श्रेष्ठ पुरस्कार पर अधिकार मेरे गृह जिले राजनांदगांव के एक लेखक का भी अवश्य होता। व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने कृतित्व का वास्तविक अन्तिम नायक नहीं होता। वह सदैव संभावनाओं का नायक होता रहता है। पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी भी दंतकथाओं के नायक बनकर न रह जाएं, इसका डर है। उनका साधु स्वभाव उन्हें हमसे और दूर करता है। लेकिन यदि मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला में उनके लेखन की पड़ताल की जाए तो बख्शी जी की महानता इस अर्थ में प्रकट होगी कि नियतिचक्र ने ही उन्हें महान बनने से ही रोक दिया था। बख्शी जी का संघर्ष एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार के औसत हिन्दुस्तानी का संघर्ष रहा है जिसे उसके चाहने पर भी कोई बौद्धिक महानायक की भूमिका नहीं दे पाता।

17 बख्शी जी तो अपने लेखन के लगभग सौ वर्ष पूरे कर रहे हैं और जीवित हैं। बख्शी जी आत्मपरक निबन्धों के आदि रचनाकारों में हैं लेकिन वे केवल आत्ममुग्ध होकर अपना लिखा नहीं पढ़ते थे। वे अपने लिखे को छत्तीसगढ़ के लेखन की बुनियाद घोषित नहीं करते थे। यही व्यक्ति एक तरफ अपने लिए इतना निर्मम है और दूसरी तरफ एक संपादक आलोचक के रूप में इतना उदार कि वह पूरी छायावादी कविता को लेकर पुनर्विचार करता है और साहसपूर्वक लेकिन नये तर्कों के साथ अपनी गलतियों को स्वीकार करता है। यह है साहित्य के सर्जक का असली चेहरा जो कालजयी है, उज्जवल है और मौलिक भी। छत्तीसगढ़ के बौद्धिक निर्माण में जो खप गए हैं उनका नामलेवा भी होना चाहिए। स्थानिकता जब राष्ट्रीयता और वैश्विकता में बख्शी जी के साहित्य की तरह घुलती है तब वह सर्वकालिक और शाश्वत होती जाती है। छत्तीसगढ़ की पहचान बनाने के लिए ठाकुर जगमोहन सिंह, जगन्नाथ प्रसाद 'भानु', लोचनप्रसाद पांडेय, प्रभात त्रिपाठी, विभु कुमार, बैकुंठ षुक्ल, कुंजबिहारी चैबे, शारदा प्रसाद तिवारी, मेहरुन्निसा परवेज़, बसंत कुमार तिवारी, केशव पांडेय, सतीष चैबे, गुरुदेव चैबे, रम्मू श्रीवास्तव, नारायणलाल परमार, सुंदरलाल त्रिपाठी, हीरालाल शुक्ल, रमेश याज्ञिक, शंकर तिवारी, लतीफ घोंघी, किरीट दोषी, जयप्रकाश, आनंद हर्शुल, राजेन्द्र मिश्र, ललित सुरजन, रमेष नैयर, सुनील कुमार, डॉ मलय, गणेश खरे, राजेन्द्र दानी, मनोज रूपड़ा, सियाराम शर्मा, लोकबाबू, राजेश्वर सक्सेना, जया जादवानी, पुष्पा तिवारी, परदेसीराम वर्मा, प्रभुनारायण वर्मा, षरद कोकास, विजय सिंह, कैलाश वनवासी और विनोद साव जैसे लेखकों का भी योगदान है (जो नाम छूट रहे हैं वे भी इनके ही साथ हैं।) गजानन माधव मुक्तिबोध का 1957 से 1964 तक का लेखन दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापक के रूप में किया गया जो दिग्विजयी और कालजयी है। क्या उसे छत्तीसगढ़ का साहित्य नहीं कहा जाना चाहिए? साहित्य संकुलता का यह समय अपने गाल बजाने और साहित्यिक समारोहों में नेताओं और नौकरशाहों के भाषणों पर ताली बजाने का नहीं है। लेखकीय पीठों पर गैर लेखकों को बिठाने से साहित्य का कबाड़ा होता है। बुद्धिजीविता पराश्रयी नहीं होती। कितनी पूंजी थी बख्शी जी के पास? कितने मुफलिस थे मुक्तिबोध? प्रमोद वर्मा सा इस दौर का एक तेज तर्रार छत्तीसगढ़ का लेखक क्या कोई पूंजीपति था? सरकारें साहित्य और संस्कृति के प्रति उतनी ही प्रतिबद्ध हों जितना भारतीय संविधान इजाजत देता है। सरकारी समारोहों में यह सुनते सुनते लोगों के कान पक रहे हैं कि जिस प्रतिपाद्य लेखक के समारोह में वक्ता महोदय शामिल हुए हैं, उसको उन्होंने पढ़ा तो नहीं है लेकिन वे यह जरूर मानते हैं कि वह बड़ा लेखक था। इसके बाद सरकारी मानदेय राशि का लिफाफा उनकी जेब के हवाले होता है जिसके लिए उन्हें बुलाया जाता है। गैर लेखकों अथवा अपठित लोगों का समूह साहित्य के इलाके में चोर दरवाजे से सरकारी संरक्षण में प्रवेश करता जा रहा है। पता नहीं गुलिस्तां का अंजाम क्या होगा। माखनलाल चतुर्वेदी, मुकुटधर पांडेय और पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे साहित्य सूरमाओं को डी लिट् की उपाधि देकर विश्वविद्यालयों ने अपने चेहरे पहले से इसलिए उज्जवल कर लिए होंगे ताकि बाद में वे राजनीतिक दबावों के चलते उस पर कभी कभी कालिख मल सकें। बख्शी जी छत्तीसगढ़ की सरलता, सादगी, विनयषीलता, सहजता, दब्बूपन, सहिष्णुता, विनोदमयता आदि गुणों के सबसे बड़े गुणग्राहक के रूप में 28 दिसम्बर 1894 को इस धरती पर आते हैं। उन पर फतवा कसने या अतिशयोक्ति में स्तुति करने के बदले यदि उन्हें पढ़ा जाए तो बख्शी जी का तो नहीं पाठक का जरूर भला होगा।

18 पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी कई मायनों में प्रगतिशील विचार रखते थे तो विचित्र विरोधाभासों के दर्शन-शास्त्र के अनुसार वे एक पुरातनपंथी हिन्दू भी थे। सामाजिक वर्जनाओं, जड़ताओं और वहशी प्रथाओं के विरुद्ध मास्टरजी ने जगह-जगह और समय-समय पर कुछ न कुछ लिखा है, वहीं दूसरी ओर अनेक ऐसे संस्मरण उद्धरण मौजूद हैं, जब उन्होंने सामाजिक व्यवहार के यथा स्थितिवाद का पोषण किया है। लेकिन अपने प्रत्येक आग्रह, प्रतिबद्धता या ऐलान के पीछे पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का सचेतन मस्तिष्क सदैव काम करता था। यह बख्शी जी थे जिन्होंने मेरे खिलाड़ी पिता को मार-मार कर मैट्रिक पास करने पर मजबूर किया जो अन्य किसी अध्यापक के बूते की बात हो ही नहीं सकती थी। वह मेरे पिता के मास्टर जी थे जिनका मैं सहकर्मी बना और दिग्विजय महाविद्यालय के अध्यापक कक्ष को उनकी तथा मुक्तिबोध की मौजूदगी में हमने एक गप्पखाने में परिवर्तित कर दिया था। यह बख्शी जी थे जो किशोरीलाल शुक्ल की वजह से दिग्विजय महाविद्यालय के दिग्विजयी प्राध्यापक बने रहे। यह भी बख्शी जी थे जो 23 साल के मुझ जैसे अध्यापक को खुद प्रणाम करके 'महराज' ही के सम्बोधन से पुकारते-पुकारते जाने कहां चले गये। यह मास्टरजी थे जो विद्याभूषण ठाकुर की दुकान को अपनी दैनिक उपस्थिति से विद्यामंदिर बनाये हुए थे और यह बख्शी थे जिनकी मैयत की सभा में पहली बार मैंने उनकी आत्मा को दुखी करके ब्राम्हण होने के बावजूद उनके चरण स्पर्श किये थे। बख्शी जी ने मुक्तिबोध के साथ मेरी आत्मा के लोहारखाने में बैठकर तर्क, संवेदनशीलता, अध्यवसाय और रचनाधर्मिता के अनेक नये औजार गढ़ने के प्रयास किये थे। एक ओर बख्शी जी जैसे शास्त्रीय और दूसरी ओर मुक्तिबोध जैसे आधुनिक ने मेरे साथ-साथ सस्ती होटलों की चिकनाई भरी चीजें खाकर और अनगिनत कप चाय अपने जिस्म में उड़ेलकर सेहत का कबाड़ा भी किया था। बख्शी जी की याद आज मेरी सबसे बड़ी पूंजी तो है लेकिन उनके तथा मुक्तिबोध के जो चाय-नाश्ते के खर्च मैंने उठाये थे वह मुझ जैसे अदना आदमी के जीवन का सबसे सार्थक पूंजी निवेश भी है। मेरी सोच, मेरा लेखन बल्कि मेरा अस्तित्व उस पूंजी के ब्याज से ही प्रकाशवान है। मूलधन का हिसाब तो पुनर्जन्म में विश्वास करने वाले बख्शी से मैं कभी न कभी करूंगा, मुक्तिबोध तो इन चीजों को मानते ही नहीं थे, उनसे हिसाब कैसे होगा।

19 मास्टरजी ने खुद को सदैव 'मसिजीवी लेखक' घोषित किया है। यह शब्दांश तो अब सुनाई भी नहीं पड़ता। अब तो स्याही की तरलता के बदले सूखे बॉल पेन लेखनकर्म के हथियार हैं। स्याही लेखक का माध्यम नहीं, साधन भर है। कलम वस्तुतः लेखक का सहारा है, असली हथियार नहीं है। उसका असली हथियार उसका जेहन है, उसकी विचारशीलता है। उसका मन है और इस सबसे बढ़कर उसका अध्यवसाय और अध्ययन है। बख्शी जी ने जितना अधिक लिखा, उससे कहीं अधिक पढ़ा भी था। मुक्तिबोध और बख्शी दोनों को दिग्विजय महाविद्यालय की प्राध्यापकी के दिनों में मैंने अन्य आडम्बरों के बदले कागज से रोमांस करते देखा है। किसी भी नई कृति या बहुत दिनों से ढूंढ़ने पर नहीं मिल रही कृति को मेरे द्वारा दिए जाने पर उनमें बुढ़ापे में भी लजीलापन जैसे गालों की सुर्खियां बनकर दौड़ता था। मुक्तिबोध जहां एक-एक पढ़े गये अक्षर को अपनी प्रतिक्रिया के लिए सहेज कर रखते थे और इसलिए धीरे-धीरे अति बौद्धिक, दुरूह, जटिल और प्रयोगधर्मी हो गये, वहीं बख्शी जी ने एक-एक अक्षर को पढ़ा तो, लेकिन जो पसंद नहीं आया तो तुरन्त रफादफा किया। अपनी अतिशय विनम्रता में वह अक्सर कहते थे कि उन्हें मुक्तिबोध और अन्य समकालीन आधुनिक लेखकों की रचनाएं समझ नहीं आतीं। बख्शी जी दिमागी कसरत करके अंततः उस लेखन को समझना भी नहीं चाहते थे। इसके बदले कबीरदास की मुद्रा में हुक्के के बदले बीड़ी पीते हुए विद्याभूषण ठाकुर की दुकान पर समझ के झरोखे पर बैठकर जिस दुनिया की ओर निगाह उठाकर देखा करते थे, उसके असंख्य कीड़े मकोड़ों में एक इकाई होने का गौरव इन पंक्तियों के लेखक का भी है। मास्टरजी एक जिज्ञासु विद्यार्थी की तरह अपने निबन्धों की पहली कंडिका में जैसे किसी स्कूल में दाखिला लेते हैं और धीरे-धीरे कंडिकावार ऊंची कक्षाओं में तरक्की पाते पाते निबन्ध के सफर के आखिरी पड़ाव में लेखन का निचोड़ इस तरह पेश करते हैं मानो साहित्य के महारथी विद्यार्थियों को उन्होंने घुट्टी पिला दी हो। बख्शी जी ने निबंध जैसे शुष्क, अनुशासनप्रिय और विचार प्रधान माध्यम का सहारा लेकर सरस्वती के मंदिर में इस तरह प्रवेश किया जैसे छप्पनभोग और विभिन्न तरह के फल फूलों के बदले कोई औसत निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का भक्त सूखा नारियल लिये चला जा रहा हो। आप नारियल चबाते जाइये, रस उसमें से अपने आप मिठास के साथ निकलता आएगा। शब्द उसका बयान नहीं कर सकते। जिव्हा उसको केवल भोगती भर है, मन किन्तु मिठास से भर जाता है।

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी पर विशेष

बालको पर पानी का 252 करोड़ रुपए बकाया

कंपनी पर हजारों करोड़ की बिजली बिल का देयक बाकी, बकाया होने का मामला पहले ही आ चुका सामने

ईश्वर चंद्रा

कोरबा। बालको के निजीकरण के बाद कंपनी पर विभिन्न मदों में बकाया राशि लगातार बढ़ती ही जा रही है। बालको पर पहले हजारों करोड़ के बिजली बिल बकाया होने का मामला सामने आने के बाद अब उस पर सैकड़ों करोड़ का पानी का बिल बकाया होने की बात सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालको के दो विद्युत संयंत्रों पर जलसंसाधन विभाग का पानी का करीब 252 करोड़ रुपए बकाया है।

बालको के साथ-साथ जिले के अन्य एक दर्जन संयंत्र भी ऐसे हैं, जिनसे विभाग को पानी बिल का करीब 1200 करोड़ रुपए का बकाया वसूल करना है। खास बात यह भी है कि बालको समेत अन्य बकायादार बढ़ी हुई राशि के लिए जलसंसाधन विभाग द्वारा जलापूर्ति के लिए लगाए गए मीटर को दोष देते हैं। ये उपक्रम राशि नहीं चुकाने के लिए मीटर के जरिए अनाप शनाप बिल आने का बहाना बनाते हैं। इसको लेकर बालको प्रबंधन के साथ ही राज्य विद्युत कंपनी का जलसंसाधन विभाग के साथ काफी दिनों से विवाद भी चल रहा है।

रायपुर तक पहुंचा मामला

जल संसाधन विभाग को बालको संयंत्र से करीब दो अरब 51 करोड़ 73 लाख रुपये लेना है। इसको लेकर अब विभागों के बीच ठन गई है। स्थानीय स्तर के बाद मसला रायपुर मुख्यालय स्तर पर आ पहुंचा है, लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं हो सका है।

इसलिए बनी है विवाद की स्थिति

बांगो बांध का पानी नहर के माध्यम से बालको के पॉवर प्लांट समेत अन्य संयंत्रों तक पहुंचता है। इसकी आपूर्ति जल संसाधन विभाग द्वारा की जाती है। पहले संयंत्रों की आवश्यकता व खपत के अनुरूप जल कर निर्धारित रहता था। अब जलापूर्ति के लिए फ्लो मीटर लगाया गया है। मीटर के जरिए जितना पानी हसदेव नदी या नहर के माध्यम से संयंत्र को सप्लाई किया जाता है उसके अनुरूप बिल संबंधित उपक्रम को दिया जाता है।

छह साल से नहीं चुकाई राशि

पिछले 6 साल से चल रहे मीटर विवाद के कारण प्रबंधन ने संयंत्र को मिलने वाले पानी के एवज में जल कर राशि अदा नहीं की है। अकेले बालको के दो पॉवर प्लांट पर पानी बिल का बकाया 252 करोड़ तक जा पहुंचा है। लेकिन बालको प्रबंधन द्वारा इसे चुकाने में आनाकानी की जा रही है।

जल संसाधन विभाग की दलील

जल संसाधन विभाग का कहना है कि जितना पानी मीटर के माध्यम से संयंत्रों तक पहुंचता है, मीटर रीडिंग के आधार पर उन्हें बिल प्रदान किया जाता है। बालको संयंत्र में तीन साल पहले ही फ्लो मीटर लगाया गया है। इसके पहले मीटर नहीं होने पर जितना पानी नहर में छोड़ते थे, उतना बिल भेजते थे। इससे गैरजरूरी पानी का बिल भी थमा दिया जाता था। जबकि अब ऐसा नहीं है। इस्तेमाल किए गए पानी का बिल ही दिया जाता है। लेकिन बालको समेत बकायादार उपक्रमों को ये तर्क रास नहीं आ रहा। जानकार बताते हैं कि मीटर का बहाना बनाकर वे राशि अदा करने में आनाकानी कर रहे हैं।

इनका कहना है

जलकर की राशि को लेकर बालको प्रबंधन को लगातार पत्राचार किया जा रहा है। लेकिन अब तक जलकर की राशि जमा नहीं कराई गई है। जलकर की राशि पिछले 5-6 वर्षों से लंबित होने के कारण लगातार बढ़ रही है।

-प्रदीप वासनिक, कार्यपालन अभियंता, जलसंसाधन विभाग

अधिक मात्रा में आया धान बढ़ी मुसीबत, लगा जाम

नवप्रदेश संवाददाता

डौण्डी। खरीदी केंद्रों में बंपर धान आने से डौण्डी समिति प्रबंधकों की मुसीबत बढ़ गई है। धान जाम होने से किसानों को भी अब धान बेचने के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। खरीदी बंद होने से पहले काफी मात्रा में धान आने की संभावना है ऐसे में उठाव में तेजी नहीं आई तो खरीदी रुक सकती है। डौण्डी सोसायटी में अब तक करीब 22 हजार 573 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। उठाव नहीं होने से दिक्कत आ रही है। यही स्थित मे अब मैदान में धान रखा गया है। धान की बंपर आवक के कारण समितियों में धान जाम हो गया।

20 हजार 363 क्विंटल से ज्यादा धान जाम

धान खरीदी केन्द्र में उठाव नहीं होने से बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति डौण्डी में रोज किसान धान लेकर काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। ट्रैक्टर व अन्य साधनों से धान लेकिन समिति आ रहे हैं लेकिन धान का उठाव नहीं होने से खरीदी बंद होने की स्थिति बन गई है।

किसानों ने बताया कि वे रोज धान लेकर आ रहे हैं लेकिन धान रखने व गाड़ी खड़ा करने की समस्या है। धान खरीदी समिति अध्यक्ष ने बताया कि जगह खाली नहीं रहने से अब धान रखने की समस्या आ रही है। यहां पिछले साल 62400 क्विंटल धान खरीदी हुई थी। इस साल 707 किसानों का पंजीयन हुआ है। अब तक 22 हजार 573 क्विंटल धान खरीदी की गई है। अभी तक सिर्फ 2 हजार 210 क्विंटल धान का उठाव हो पाया है। 20 हजार 363 क्विंटल धान अभी पड़ा है। इससे वहां धान रखने की समस्या बढ़ती जा रही है। मौसम को देखते हुए अगर धान का जल्दी उठाव नहीं किया गया तो धान रखने की बहुत बड़ी समस्या होगी। एक दो दिन में धान का उठाव शुरू नहीं हुआ तो खरीदी बंद होने की संभावना है।

बलौदाबाजार ग्रामीण मंडल की विशेष बैठक सम्पन्न

बलौदाबाजार। भारतीय जनता पार्टी बलौदाबाजार ग्रामीण मंडल का विशेष बैठक जिला कार्यालय बलौदाबाजार में 28 दिसंम्बर 2019 को दोपहर 02 बजे सम्पन्न हुआ जिसमें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को जिताने के लिए कार्यकर्ताओं को आव्हान किया गया बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्रीमती लक्ष्मी बघेल पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुलेश्वर सेन, कुशल वर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश साहू, अनिल बघेल, डोमन वर्मा, रेवाराम साहू, गोविंद राम वर्मा, मुरारी साहू, धनीराम साहू, रामकुमार वर्मा, लक्ष्मीकांत वर्मा, डॉ. गुलपत ध्रुव, गजेन्द्र नायक, सोहरन वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, राजकुमार बंजारे, मनोज यादव, लखन टण्डन, गंगादास मधुकर, सुरेश वर्मा, बिहारी वर्मा, तीजराम वर्मा, धरम चतुर्वेदी, सत्यनारायण चेलक, रमेशर यदु, रविशंकर वर्मा, महेन्द्र साहू, भगवानी ध्रुव, बद्री प्रसाद वर्मा, राकेश साहू, चन्द्रशेखर बघेल, अजय गर्ग आदि उपस्थित रहे।

ट्रक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, गंभीर

नवप्रदेश संवाददाता

कसडोल। जिले के कसडोल-कटगी मुख्यमार्ग पर शनिवार की शाम करीब 4:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने कसडोल के हड़हापारा चौक पर अमोदी से कसडोल आ रहे रामकुमार कैवर्त उम्र 35 वर्ष को टक्कर मार दिया जहां टक्कर इतना भंयकर था कि रामकुमार कैवर्त को गंभीर चोटें आई। वही हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। जिससे ट्रक की पहचान नहीं हो पाई, वही पीड़ित का मोटर साइकिल ट्रक के सामने आ जाने से मोटर साइकिल को घसीटते हुए ट्रक चालक फरार हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानिय लोगों ने 108 संजीवनी एक्सप्रेस को फ़ोन किया लेकिन किसी अन्य काम की वजह से 108 की सुविधा नही मिल पाई। जिसके बाद लोगों ने कसडोल थाना में सूचना दिया गया जिसके बाद मामले को गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी दीनबंधु उइके घटना स्थल में पहुँचे और अपने पुलिस वाहन में कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल लाया गया। जहाँ पीड़ित युवक को। प्राथमिक इलाज दिया गया। वही मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

मोहरा में खाद्य निरीक्षक ने पकड़ी अतिरिक्त धान खरीदी

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। जिला कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देश पर खादय निरीक्षक संजय ठाकुर के द्वारा धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया उन्होंने धान उपार्जन केंद्र मोहरा सिमगा में भारी गड़बड़ी पकडी। उपार्जन केंद्र प्रभारी सुकदेव वर्मा की उपस्थिति में जांच के दौरान पाँच काटा बाटा के साथ कुल 27 हमाल उपस्थित थे।धान की बोरियों में अधिक धान की आशंका व्यक्त किया गया। जिस दौरान फूड इंस्पेक्टर के द्वारा पुनः धान की बोरियो का वजन कराया गया। इस दौरान सभी कट्टो में लगभग डेढ़ से दो किलो ग्राम अतिरिक्त धान मिला गया। इसलिये धान खरीदी केंद्र के 26 स्टेगो में से रैंडम 50 बोरो का वजन करने में लगभग औसतन 659 ग्राम अतिरिक्त धान मिला। इस केंद्र में कुल खरीदे गए 18300 क्विंटल में से 324.72 क्विंटल की अतिरिक्त धान खरीदी जाना पाया गया है।

धान खरीदी से सम्बंधित सभी अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

भाटापारा। संयुक्त जिला कार्यालय के सभागृह में कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने अब तक किए गए धान खरीदी की समीक्षा की।जिसमें बिंदुवार धान का उठाव ,बारदानों की स्थिति, स्टेकिंग, स्टेकिंग गणना, तालपत्री की व्यवस्था, टोकन कटान एवं तौल पत्रों में मिलान आदि सभी बिन्दुओ पर चर्चा किए।श्री गोयल ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को बेहद सख्त निर्देश दिए है कि धान खरीदी में जरा भी कोई लापरवाही नही बरतने कहा है। साथ ही लघु एवं सीमांत किसानों को खरीदी में कोई भी परेशानी न हों इस बात का ध्यान रखने कहा गया। कोई भी कोचिया अवैध रूप से सोसायटी के माध्यम से धान बेच ना पाए इसका भी विशेष ध्यान रखने कहा है।

स्वतंत्र पंचायत की मांग के लिए उतरे ग्रामीण

चुनाव बहिष्कार करने की दी चेतावनी

नवप्रदेश संवाददाता

कुसुमकसा। कुसुमकसा को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की मांग का विरोध करते हुए अनिल सुथार पूर्व जनपद सदस्य ने कहा कि डोंडी विकासखण्ड में पूर्व में बने नगर पंचायत चिखलाकसा में शामिल ग्राम कारुटोला, कुंजामटोला, भोयरटोला व डोंडी में शामिल ग्राम उन्कारी के ग्रामीण नगर पंचायत में शामिल होने के बाद से ही स्वतन्त्र पंचायत की मांग करने लगे है वहां के ग्रामीण तब से नगर पंचायत चुनाव का बहिष्कार कर रहे है। क्योकि ग्रामीणों को जो सुविधा ग्राम पंचायत में मिलती है वो नगर पंचायत में नही मिल पाती कुसुमकसा के ग्रामीण ग्राम पंचायत में संतुष्ट है। शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। ग्राम पंचायत में निवासरत ग्रामीणों को मनरेगा के रोजगार मिल रहा है। ग्राम में 80 प्रतिशत मजदूर व किसान वर्ग निवासरत है ,ग्राम पंचायत में मकान टेक्स,गली लाइन कर,नलजल योजना के तहत 40 रुपये महीना में पानी ग्रामीणों के घर पहुंच रहा है। ग्रामीण अपने मकानों को तोड़कर पुनः निर्माण कर लेते है, ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सभा मे ग्रामीण अपनी समस्याओं, शासन से मिलने वाली पेंशन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का चयन, जैसे अनेक कार्यो का अनुमोदन कराने का अधिकार रहता है जो कि नगर पंचायत बनने से ग्रामीणों का अधिकार समाप्त हो जाएगा व वह अधिकार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को मिल जाएगा।

ग्रामीणों को मनरेगा का रोजगार नही मिलेगा

समेकित कर बढ़ जाएगा, मकान टेक्स, गली लाइन टेक्स, नलजल का शुल्क में बेतहासा जाएगा, ग्रामीणों को छतिग्रस्त मकान को संधारण करने के लिए इंजीनियर से नक्शा बनवाकर नगर पंचायत का चक्कर मकान संधारण की अनुमति लेने लगाना पड़ेगा जिससे ग्रामीणों को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। नितिन जैन ने कहा कि कुसुमकसा के ग्रामीण ग्राम पंचायत में शासन द्वारा मिलने वाली मूलभूत सुविधा से संतुष्ट है ,ग्रामीणों को पेयजल हेतु समुचित पानी मिल रहा है ,ग्राम के कुछ गलियों को सी सी रोड निर्माण हो चुका है।

विद्यार्थियों में भी नेतृत्व करने की क्षमता का विकास हो

भाटापारा। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता पर एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि के रुप में भारत के सबसे कम उम्र के शिक्षाविद् और डॉन बॉस्को के पूर्व छात्र 'लिलुआ' के सबसे कम उम्र के सचिव,श्री हर्षित चोखानी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ऋतु रजनीश नें पुष्प गुच्छ भेंट करके किया। इस कार्यक्रम में श्री चोखानी जी ने यह बताया कि कक्षा में एक शिक्षक और छात्र के बीच कैसा संबंध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा भविष्य की मज़बूत नींव है। एक शिक्षित व्यक्ति ही समाज को नई दिशा प्रदान कर सकता है।

भोपाल में जिले की प्रतिभाएं जीतीं मिला कांस्य पदक

नवप्रदेश संवाददाता

कसडोल। 65वी राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता भोपाल में 24 से 27 दिसम्बर को आयोजित हुआ। जिसमे शा. उ. मा. शा. कटगी के दो छात्र बलराम और भुनेश्वर ने कांस्य पदक (टीम इवेंट) और तीन बालिका खिलेश्वरी, दुर्गेश्वरी ने कांस्य पदक (डबल इवेंट) और नंदनी ने कांस्य पदक (टीम इवेंट) जो कि मिनी गोल्फ खेल में बेहरतीन प्रदर्शन कर प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने इस सफ्लता का श्रेय व्यायाम शिक्षक आलोक मिश्रा को दी है। जिनके कुशल मार्गदर्शन पर यह सम्भव हो सका है। खिलाड़ियों ने कहा कि सर हमे हमेशा खेल के कौशल के बारे में बताते है और खेलने के लिए हमेशा प्रेरित करते रहते है। जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खेल अधिकार एवं समस्त व्यायाम शिक्षक बलौदाबाजार व शा. उ. मा. शा. कटगी के विकास समति के सभी सदस्य व अध्यक्ष प्राचार्य स्टाफ व नगरवासियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मसीही समाज ने थाना पहुंचकर कार्रवाई की मांग की

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। भाटापारा मे चर्च के सदस्य एवं ईसाई धर्म से जूड़े लोगो मे भारी रोष देखा गया , कारण था फ्लिप कार्ड के एक विडियो मे दिखाए गए कार्यक्रम मे ईसाई धर्म से जूड़े बाइबिल पवित्र ग्रंथ के ''हाल्लेलुयाह'' शब्द का मजाक उड़ाया गया जिसके कारण ईसाई समाज की आस्था एवं धार्मिक भावनाओ को ठेस पहॅुचाया गया जिसका विरोध करते हुए भाटापारा के ईसाई धर्म मानने वाले भाटापारा शहर थाना पहॅुचे एवं इस कार्यक्रम से जूड़े कामेडियन भारती सिंग , अभिनेत्री रवीना टंडन एवं निर्माता निर्देशक फराह खान पर कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा । समाज प्रमुख रेवरेंज संजय मसीह ,असेम्बली आफगॉड चर्च भाटापारा ने बताया कि हम यहां थाने मे एफआईआर दर्ज करने इसलिए आए है कि रवीना टंडन ,फराह खान एवं भारती सिंग ने अपने शो मे हमारे बाइबिल के पवित्र शब्द ''हाल्लेलुयाह'' का जिस तरह से मजाक उड़ाया और गंदा शब्द , गंदी बात कहा ।

नई शुरूआत | विद्युत अधिनियम में बदलाव से होने वाले नुकसान समेत अन्य मुद्दों को लेकर विद्युत कंपनी के अभियंता संघ एवं सभी ट्रेड यूनियन ने किया जनजागरूकता अभियान शुरू

संशोधित इलेक्ट्रिसिटी एक्ट से पावर प्लांटों पर निजीकरण का खतरा

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । विद्युत अधिनियम में बदलाव से होने वाले नुकसान समेत अन्य मुद्दों को लेकर विद्युत कंपनी के अभियंता संघ एवं सभी ट्रेड यूनियन ने संयुक्त रूप से जनजागरूकता अभियान शुरू कर दिया। आमसभा को संबोधित करते हुए अभियंता संघ के अध्यक्ष राजेश पांडेय ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट संशोधन का सीधा असर देश भर की शासकीय पावर कंपनियों पर पड़ेगा। शासन को अधिकार मिल जाएगा कि वह जब चाहे इन कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी अनुपातिक रूप से या संपूर्ण रूप से निजी व्यक्तियों को बेच सकती है। इसके साथ वर्तमान बिजली की दरों में भी वृद्धि होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

एचटीपीपी संयंत्र के मुख्य गेट में आयोजित आमसभा में सभी ट्रेड यूनियन के वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए और जनहित एवं कर्मचारी हित में इलेक्ट्रिसिटी एक्ट संशोधन से भविष्य में होने वाले दुष्परिणामों से कर्मचारियों का हित सुरक्षित रखने के संदर्भ में जानकारी दी।

सभा को अभियंता संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पांडेय, फेडरेशन 56 इंटक के प्रांतीय अध्यक्ष राम इकबाल सिंह, बीएमएस महामंत्री आरएस जायसवाल, जनता यूनियन के प्रांतीय महासचिव एसए सईद, फेडरेशन 01 आरके पटेल, आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ से कमलेश ठाकुर, वर्किंग वूमेन एसोसिएशन से सुप्रिया रानी, पेंशनर एसोसिएशन से हरीश चंद्र निषाद ने संबोधित किया। इंटक 56 के प्रांतीय महासचिव राम इकबाल ने वर्तमान में केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध उपस्थित जन समुदाय को जागरूक करते हुए वर्तमान प्रदेश सरकार को अपनी घोषणाओं पर अमल न करने के लिए कटघरा में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को मंहगाई भत्ता में वृद्धि की घोषणा किए चार माह व्यतीत होने के पश्चात? भी इस संदर्भ में कोई आदेश जारी नहीं किया है, न ही संविदाकर्मियों को नियमित किए जाने की दिशा में ही कोई प्रयास होता दिख रहा है। फेडरेशन 01 के आरके पटेल ने भी केंद्र सरकार की छलावे वाली नीतियों को जमकर कोसा। पेंशनर एसोसिएशन के हरिशचंद्र निषाद ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की वकालत करते हुए कंपनी एवं कर्मचारी हित में एकजुट होकर संघर्ष करने का आव्हान किया। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री एवं बिजली कर्मचारी संघ महासंघ के अध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल में अपने संबोधन में प्रदेश में बिजली उद्योग पर मंडराना रहे संकट पर कहा कि यदि आज कर्मचारी एकजुट नहीं हुए, तो भविष्य में काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस मौके पर काफी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी व सभी यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल एवं सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

आमसभा के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने एचटीपीपी कार्यालय पहुंच कर कार्यपालक निदेशक पीपी मोडक को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अभियंता संघ के पदाधिकारी व सभी यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बिजलीकर्मियों की समस्या निराकरण करने की मांग रखी। इस पर कार्यपालक निदेशक मोडक ने आश्वस्त किया कि ज्ञापन उच्च अधिकारियों के माध्यम से राज्यपाल व सीएम को भेजा जाएगा।

निजी घरानों पर नहीं हो रही कार्रवाई

आमसभा में वक्ताओं ने कहा कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में निजी घरानों के घोटाले से बैंकों का ढाई लाख करोड़ रुपये पहले ही फंसा हुआ है फिर भी निजी घरानों पर कोई कठोर कार्रवाई करने की बजाय नए बिल के जरिए बिजली आपूर्ति निजी घरानों को सौंपकर जनता पर भार डालने की तैयारी की जा रही है। इससे जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही बिजली की कीमत में इजाफा होगा और इसका असर उपभोक्ताओं की जेब में पड़ेगा।

ठेका प्रथा की जगह विभागीय भर्ती हो

आमसभा में वक्ताओं ने बिजलीकर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि आंदोलन के माध्यम से प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी एक्ट अमेंडमेंट का विरोध, बिजली कंपनियों का एकीकरण, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, ठेकेदारी प्रथा की जगह विभागीय भर्ती तथा अन्य पब्लिक सेक्टर एवं प्राकृतिक संसाधनों का निजीकरण बंद करने की मांग प्रमुखता से रखी गई है। आगामी आठ जनवरी को रायपुर कंपनी मुख्यालय के समक्ष गेट मीटिंग कर प्रदर्शन किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पेन विडियो समीक्षा प्रणाली से हताश

मेलबर्न (ए.)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने कहा कि न्यू जीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान उनके विवादास्पद तरीके से आउट होने के बाद वह क्रिकेट की विडियो समीक्षा प्रणाली से काफी हताश हैं। अंपायर मराइस इरासमस के साथ चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया था। पेन ने कहा कि तीसरे अंपायर अलीम डार ने विडिया समीक्षा के बाद पहले के 'नॉट आउट' के फैसले को पलट दिया, जिससे वह नाराज थे। इससे पेन अपने शतक से 21 रन से चूक गए और 79 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने एबीसी रेडियो से अपनी हताशा व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें डीआरए पर कुछ संशय हैं।

कोहली की टीम ने मेरा सपना पूरा कर दिया : लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्टायलिश बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि साल 2019 भारतीय टीम के लिए काफी अच्छा रहा, क्योंकि इस साल विराट कोहली की टीम ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने के उनके सपने को पूरा कर दिया। 1947 के बाद पहली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती। भारत ने चार मैचों की सीरीज में टिम पेन की कप्तानी वाली टीम को 2-1 से हराया है। लक्ष्मण ने एक कार्यक्रम में कहा, 'यह साल भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार रहा है।

कमिंस के पंजे से न्यूजीलैंड 148 रन पर ढेर

- आस्ट्रेलिया पहली पारी- 467 रन और दूसरी पारी चार विकेट पर 137 रन
- न्यूजीलैंड पहली पारी- 148 रन

मेलबोर्न, (वार्ता)। तेज़ गेंदबाज़ पैट कमिंस के 28 रन पर पांच विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को 148 रन पर ढेर कर दिया। मेज़बान टीम ने इसी के साथ स्टम्प्स तक दूसरी पारी में छह विकेट शेष रहते 456 रन की विशाल बढ़त हासिल कर ली है। आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दिन की समाप्ति तक 45 ओवर में चार विकेट खोकर 137 रन बना लिये हैं। पहली पारी के आधार पर अब उसकी कुल बढ़त 456 रन हो गयी है। अभी उसके बल्लेबाज़ मैथ्यू वेड 15 रन और ट्रेविस हेड 12 रन बनाकर नाबाद क्रीज़ पर हैं। ओपनर डेविड वार्नर ने 38 रन और जो बर्न्स ने 35 रन बनाये। न्यूजीलैंड की ओर से नील वेगनर ने दो विकेट और मिशेल सेंटनर ने 22 रन पर एक विकेट लिया।

इससे पहले सुबह न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी की शुरूआत कल के 44 रन पर दो विकेट के स्कोर से आगे की। उस समय

बल्लेबाज़ रॉस टेलर 2 रन और टॉम लाथम 9 रन के साथ क्रीज पर थे। टेलर अपने स्कोर में इजाफा नहीं कर सके और कमिंस ने उन्हें आते ही जो बर्न्स के हाथों कैच करा दिन का पहला और न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट निकाला। इसके बाद कीवी टीम ने लगातार विकेट गंवाये और हैनरी निकोल्स खाता खोले बिना कमिंस की ही गेंद पर बोल्ड हो गये। बी जे वाटलिंग सात रन बनाकर पांचवें बल्लेबाज़ के रूप में जेम्स पैटिनसन का शिकार बने और मात्र 58 रन पर आधी मेहमान टीम पवेलियन लौट गयी। आठवें बल्लेबाज़ के रूप में आउट हुये सेंटनर का आउट होना काफी विवादों में रहा जब गेंद उनके ग्लव्स से छूकर निकली जिसे आस्ट्रेलियाई फील्डर ने लपका लेकिन मैदानी अंपायर मरायस एरासमस ने इसे नाटआउट दिया जिसे थर्ड अंपायर अलीम डार ने बरकरार रखा और इसे लेकर काफी हंगामा हुआ।

मैरी की निखत पर जीत के बाद हुआ हंगामा

नई दिल्ली, (वार्ता)। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम ने बहुप्रतीक्षित ट्रॉयल में निखत जरीन को शनिवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 9-1 के बड़े अंतर से हरा दिया और फरवरी में चीन में होने वाले मुक्केबाजी के पहले और अंतिम क्वालिफायर का टिकट हासिल कर लिया। ओलंपिक क्वालिफायर के लिये महिलाओं के पांच वजन वर्गों के ट्रायल हुये जिसमें सभी निगाहें 51 किग्रा वर्ग में मणिपुर की मैरीकॉम और तेलंगाना की निखत के बीच टक्कर पर लगी हुयी थी। इस ट्रॉयल को कवर करने के लिये भारी संख्या में

मीडिया और निखत के राज्य तेलंगाना के अधिकारी तथा पिता मौजूद थे। मुकाबला हंगामाखेज़ रहा। मुकाबले के 10 जजों ने 9-1 से मैरी के पक्ष में फैसला दिया। मुकाबला समाप्त होने के बाद मैरी ने निखत से हाथ नहीं मिलाया और गुस्से में रिंग से बाहर निकल गयीं। दूसरी ओर अपनी हार से निखत रो पड़ीं और उनके पिता जमील अहमद रिंग से बाहर निकलती मैरीकॉम पर बरस पड़े। माहौल अचानक गरम हो गया और हंगामा खड़ा हो गया। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने सामने आकर बीच बचाव किया और मामले को शांत करने की कोशिश की।

निखत उनका सम्मान करना नहीं जानती

तेलंगाना मुक्केबाजी संघ के सह सचिव ए पी रेड्डी ने तो यहां तक कह दिया कि वह इस मुकाबले की रिकार्डिंग आईबा को देखने के लिये कहेंगे। मुकाबले के बाद सिंह ने कहा, ट्रॉयल पूरी तरह निष्पक्ष थे और इसके लिये 10 जजों को तैनात किया गया था। मैरीकॉम ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि निखत उनका सम्मान नहीं करना जानती हैं, इसलिये वह उनसे हाथ मिलाना पसंद नहीं करेंगी। मैरी ने साथ ही कहा कि उन्हें खुद को कितनी बार साबित करना पड़ेगा।

रणजी में दिल्ली 7 विकेट से जीती

नई दिल्ली, (वार्ता)। दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुफ ए और बी मुकाबले में हैदराबाद से मिले 84 रन के मामूली लक्ष्य को मैच के चौथे और आखिरी दिन शनिवार को 27.5 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर जीत की औपचारिकता पूरी कर सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत से दिल्ली को 6 अंक मिले। यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गये इस मुकाबले में दिल्ली ने चौथे दिन की सुबह अपनी पारी की शुरूआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से आगे बढ़ाते हुये की थी। उस समय कप्तान शिखर धवन 15 रन और कुणाल चंदीला 6 रन बनाकर क्रीज़ पर थे। चंदीला अपने कल के स्कोर में कोई इजाफा नहीं कर सके और मोहम्मद सिराज के हाथों आउट हुये। पहली पारी के

शतकधारी शिखर भी स्कोर में खास इजाफा नहीं कर सके और 43 गेंदों में दो चौकों की मदद से 21 रन बना पाये। उन्हें रवि किरन ने समर्थ के हाथों स्टम्प्स के पीछे कैच करवाया और दूसरा विकेट निकाला। इसके बाद ध्रुव शौरी ने 63 गेंदों में छह चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाकर जीत की औपचारिकता पूरी की। रवि किरन ने 11 ओवर में 29 रन देकर दो विकेट और सिराज ने 33 रन देकर एक विकेट निकाला। पहली पारी में दिल्ली के लिये 140 रन बनाने वाले शिखर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। संक्षिप्त स्कोर- दिल्ली- पहली पारी-284 और 3/84 हैदराबाद- 69 और 298 रन।

बीबीएल में डेब्यू पर ही बैकफायर हुई 'स्टेनगन', हार गई टीम

नई दिल्ली(ए.)। साउथ अफ्रीका के फास्ट बोलर डेल स्टेन बेसब्री के साथ अपने बिग बैश लीग में अपने डेब्यू का इंतजार कर रहे थे। ग्लेन मैक्सवेल की कप्तानी वाली टीम मेलबर्न स्टार्स के लिए शुक्रवार को स्टेन को जब डेब्यू का मौका मिला तो विरोधी टीम ऐडिलेड स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज जेक वेदराल्ड ने उनकी खुशी को मैदान पर आते ही फीफा कर दिया। मेलबर्न के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने यहां टॉस जीतकर पहले बोलिंग का फैसला लिया था। जैसे ही पारी का दूसरा ओवर फेंकने के लिए मैक्सवेल ने डेल स्टेन को गेंद थमाई तो स्टेन की स्टेनगन यहां रिवर्स मोड पर दिखी। कप्तान को उम्मीद थी कि अपनी घातक बोलिंग के लिए मशहूर डेल स्टेन यहां विरोधी टीम पर हमला बोलकर टीम को कामयाबी दिलाएंगे लेकिन यह हमला विरोधी टीम ने ही स्टेन की बोलिंग पर कर दिया। अपने पहले ओवर की पहली गेंद को स्टेन ने उम्मीद के मुताबिक डॉट फेंकी थी। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने स्टेन के डेब्यू की खुशी को फीफा कर दिया। ऐडिलेड स्ट्राइकर्स के ओपनिंग बल्लेबाज जेक वेदराल्ड ने स्टेन की लगातार दो गेंदों पर 2 छक्के उड़ाए और इसके बाद अगली दो गेंदों पर दो करारे चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोर लिए।

राहुल के लिए कप्तानी करने का सही वक्त

बेंगलुरु(ए.) । इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रैंचाइजी किंग्स इलेवन पंजाब पर इस बार खास नजरें होंगी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले इसके क्रिकेट ऑपरेशंस के निदेशक बने हैं। मोहाली आधारित इस फ्रैंचाइजी से जुड़ने के बाद इस पूर्व लेग स्पिनर ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफइंडिया से खास बातचीत की।

आईपीएल में वापसी करने पर

खिलाड़ियों के बीच वापस आना और युवा, अंतरराष्ट्रीय व अनुभवी खिलाड़ियों के साथ काम करना अच्छा अनुभव है। जब किंग्स इलेवन पंजाब ने मुझसे इस बारे में बात की तो फैसला लेने में मैंने थोड़ा वक्त लिया। फिर मैंने सोचा कि चलो किया जाए और युवाओं के साथ काम करते हैं। मेरा काम खिलाड़ियों को निखारने के लिए माहौल देना है।

केएल को कप्तान बनाने पर

वह बीते दो साल से किंग्स इलेवन पंजाब के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं। सभी केएल का सम्मान करते हैं और मुझे लगता है कि यह उनके जैसे खिलाड़ी के लिए आगे बढ़कर कप्तानी की भूमिका स्वीकार करने का यह सही वक्त था। किसी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के इर्द-गिर्द टीम बनाना महत्वपूर्ण है और इसी वजह से हमने केएल को चुना।

टीम की यूनिटी पर

यह जरूरी है कि एक टीम के तौर पर हम सब अच्छी तरह घुल-मिल जाएं। एक ही इलाके से कुछ खिलाड़ियों का होना मदद करता है। हमारी टीम में पंजाब से चार, कर्नाटक से पांच, पश्चिम बंगाल से दो और वेस्ट इंडीज से तीन खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को एक-दूसरे के प्रदर्शन का लुत्फउठाना और चुनौतियों का मिलकर सामना करना बहुत महत्वपूर्ण है।

भारोत्तोलक सीमा पर डोपिंग के कारण 4 वर्ष का बैन

नई दिल्ली, (वार्ता)। राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता भारत की महिला भारोत्तोलक सीमा पर डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के मामले में चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने जारी बयान में बताया कि विशाखापत्तनम में इस वर्ष हुई 34वीं राष्ट्रीय महिला भारोत्तोलक चैंपियनशिप के दौरान सीमा के नमूने लिये गये थे। एजेंसी ने कहा, सीमा के शरीर में चैंपियनशिप के दौरान प्रदर्शन बेहतर करने के

लिये प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी पायी गयी है, जो साफतौर पर धोखाधड़ी का मामला है और डोपिंग रोधी नियमों का भी सिरे से उल्लंघन है। बयान के अनुसार, सीमा के नमूनों में प्रतिबंधित दवा हाईड्रॉक्सी-4, सेलेक्टिव एस्ट्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलर मेथेलोन, एनाबोलिक स्टेरोएड ओस्टारिन, सेलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलर जैसे पदार्थों की मौजूदगी पायी गयी है। ये सभी पदार्थ वैश्विक डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की वर्ष 2019 की प्रतिबंधित दवाओं की सूची में शामिल हैं। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक जांच समिति ने सीमा को डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के मामले में चार वर्ष के लिये प्रतिबंधित किया है। उल्लेखनीय है कि सीमा ने वर्ष 2017 की राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था तथा वर्ष 2018 के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 75 किग्रा वर्ग में छठा स्थान हासिल किया था।

साल 2019 विश्वकप क्वॉलिफायर और एशिया कप में शुरू में ही बाहर हो गई भारतीय टीम

भारतीय फुटबॉल का विश्व कप सपना टूटा

नई दिल्ली (ए.)। करिश्माई फुटबॉलर सुनील छेत्री का शानदार प्रदर्शन इस वर्ष भी जारी रहा लेकिन भारतीय फुटबॉल टीम फीफा रैंकिंग में 11 पायदान लुढ़कने के अलावा विश्व कप क्वॉलिफायर और एशिया कप में शुरू में ही बाहर हो गई।

इस साल भारतीय फुटबॉल में कुछ दूरदर्शी फैसले हुए जिसमें अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने 12 सत्र पुरानी आई लीग (राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के तौर पर 11 साल बाद) को घरेलू क्लब प्रतिस्पर्धा में दूसरे दर्जे की कर दिया। शीर्ष स्तर लुभावनी इंडियन सुपर लीग ने ले लिया जो इसके काफी बाद में 2014 में शुरू हुई। ज्यादातर क्लब लीग के

स्तर को लेकर एक तरफ थे और महासंघ एक तरफा लेकिन एआईएफएफ ने एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के हस्तक्षेप के बाद आईएसएल को शीर्ष स्तर की लीग के तौर पर मान्यता दी।

आईएसएल जीतने वाली टीम को अब महाद्वीप की शीर्ष स्तर की एशियाई चैपियंस लीग में खेलने का मौका मिलेगा जबकि आई लीग विजेता दूसरे दर्जे के एएफसी कप में खेलेगी। सकारात्मक बात यह रही कि एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल की संचालन संस्था फीफा परिषद में चुने जाने वाले पहले भारतीय बने जो ऐतिहासिक रहा। भारत को 2020 में फीफा महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी अधिकार भी दिए गए। भारत ने साल की शुरुआत फीफा रैंकिंग में 97वें स्थान से की लेकिन दो जीत, चार ड्रॉ और सात हार से टीम वर्ष के अंत में 108वें स्थान पर खिसक गई। हालांकि इन नतीजों से मौजूदा एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ 2022 विश्व कप क्वॉलिफायर मैच में ड्रॉ खेलना अच्छा रहा। टीम को क्रोएशिया के इगोर स्टिमक के रूप में बेहतरीन कोच मिला जो 1998 विश्व कप कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य थे। स्टीफन कांस्टेनटाइन के जनवरी में एशिया कप के बाद इस्तीफा देने के बाद उन्हें चुना गया। कप्तान छेत्री (35 साल) पिछले दो वर्षों में अपनी सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेल रहे हैं और उन्होंने भारत के लिए मैच खेलने के मामले में पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों की सूची में अर्जेंटीना के जादूगर लियोनल मेसी (70 गोल) को पछाड़ दिया और वह पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो (99) से पीछे दूसरे स्थान पर हैं।

नॉकआउट में बन सकता था इतिहास

भारत ने थाईलैंड को पहले मैच में हराया लेकिन वह मेजबान संयुक्त अरब अमीरात से 0-2 और बहरीन से 0-1 से हारकर बाहर हो गई। बहरीन के खिलाफड्रॉ भी भारत को नॉकआउट तक पहुंचा सकता था जो इतिहास बन जाता। लेकिन टीम ने इंजुरी टाइम में पेनल्टी पर गोल गंवा दिया। स्टिमक ने हालांकि खिलाड़ियों की खेलने की शैली में परिवर्तन किया लेकिन छह महीनों में टीम 10 मुकाबलों में से जून में किंग्स कप में मेजबान थाइलैंड के खिलाफमहज एक जीत दर्ज कर पाई। विश्व कप क्वॉलिफायर में कतर के खिलाफड्रॉ अच्छा रहा लेकिन कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ1-1 से ड्रॉ निराशाजनक रहा क्योंकि भारत ने निर्धारित समय से दो मिनट पहले ही गोल गंवाया।

विंडीज़ के क्लाइव को मिलेगा नाइटहुड सम्मान

लंदन (वार्ता)। वेस्टइंडीज़ के दिग्गज क्रिकेटर क्लाइव लाएड को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान से नवाज़ा जाएगा जबकि इंग्लैंड को आईसीसी विश्वकप-2019 का खिताब दिलाने वाली क्रिकेट टीम के पांच खिलाड़ियों को क्वीन न्यू ईयर सम्मान की सूची में शामिल किया गया है। पूर्व विंडीज़ कप्तान लाएड के नेतृत्व में कैरेबियाई टीम का कई वर्षों तक क्रिकेट में दबदबा रहा था। 75 साल के पूर्व कैरेबियाई कप्तान को नववर्ष पर नाइटहुड सम्मान से नवाजा जाएगा जिसकी जानकारी वेस्टइंडीज़ क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट कर दी। लाएड ने 1974 से 1985 तक विंडीज़ टीम की कप्तानी की। उनके अलावा वेस्टइंडीज़ के गैरी सोबर्स, एवर्टन वीक्स और विवियन रिचर्ड्स को भी इस पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इंग्लैंड वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान को सीबीई, बेन स्टोक्स को ओबीई, जोस बटलर और जो रूट को एमबीई तथा टीम के पूर्व कोच ट्रेवर बेलिस का नाम ओबीई सम्मान सूची में शामिल किया गया है। इन पांच खिलाड़ियों के अलावा इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष कोलिन ग्रेव्स को सीबीई सम्मान की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में खिलाड़ियों के शामिल होने पर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष टॉम हैरिसन ने खुशी जताते हुए कहा, हमें बेहद खुशी है कि विश्वकप 2019 को जीतने में कई सारे खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा और उनका नाम न्यू ईयर की सम्मान सूची में शामिल किया गया है।

यूपी के झांझी-गरद, झारखण्ड के डमकच ने मचाई धूम

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में विभिन्न राज्यों के लोक कलाकारों द्वारा विवाह एवं अन्य संस्कार, पारंपरिक त्यौहार एवं अनुष्ठान, फसल कटाई व कृषि तथा अन्य पारंपरिक विधाओं पर नृत्य प्रस्तुत किया। महोत्सव के प्रथम सत्र में सवेरे नौ बजे से उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान के आदिवासी नृत्य दलों ने आकर्षक संगीत मय नृत्य प्रस्तुत किए। समारोह स्थल में नृत्य दलों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में तालियों की गुंज सुनाई देती रही।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने वहां के पारंपरिक पोशाक में झुमरी तलईया के बोल पर आकर्षक लोक नृत्य झांझी प्रस्तुत किया। यह नृत्य नयी फसल आने के बाद अच्छी फसल होने के खुशी में किया जाता है। जनजाति कलाकारों ने गरद नृत्य भी प्रस्तुत किया। गरद नृत्य उत्तर प्रदेश में गोंड जाति द्वारा किया जाता है। यह नृत्य वीरता के प्रतीक के रूप में किया जाता है। पुरूष कलाकारों द्वारा महिलाओं को अपने शौर्य के माध्यम से आकर्षित करने के लिए किया जाता है।

झारखण्ड के कलाकारों ने विवाह के उपलक्ष्य में किए जाने वाला डमकच नृत्य प्रस्तुत किया। बिहार के उरांव जाति के कलाकारों ने करमा नृत्य प्रस्तुत किया। करमा नृत्य फसल कटाई के समय किया जाता है। उरांव जाति के लोग अच्छी फसल और सामाजिक उत्थान के लिए करमा नृत्य करते हैं। करमा नृत्य करने वाली लड़कियां उपवास करती है और एक जगह करमा स्तंभ बनाकर सब मिलकर नृत्य करते हैं।

गुजरात के वसावा में दिखी छत्तीसगढ़ के पंथी की झलक

महाराष्ट्र के लिंगो और मध्यप्रदेश के सैला नृत्य में झूम उठे दर्शक

गुजरात के कलाकारों द्वारा वसावा नृत्य प्रस्तुत किया गया। वसावा होली नृत्य है, इस नृत्य को गुजरात के वसावा जाति लोग करते हैं। कलाकार धोती पहनकर पैरों में घुंघरू बांधकर पूरी रात नृत्य करते हैं। वसावा नृत्य में छत्तीसगढ़ की पंथी नृत्य का झलक दिखाई दिया। महाराष्ट्र के जनजातीय कलाकारों द्वारा विवाह संस्कार पर आधारित लिंगो नृत्य प्रस्तुत किया। गढ़चिरौली जिले में लिंगो और झिंगो देवी की आराधना के लिए यह नृत्य किया जाता है। त्रिपुरा के कलाकारों ने फसल कटाई के समय किए जाने वाले ममिता नृत्य प्रस्तुत किया। मध्यप्रदेश के जनजातीय कलाकार ने सैला गेंडी नृत्य प्रस्तुत किया। महिलाओं और पुरूषों ने सैला नृत्य प्रस्तुत किया। पुरूषों ने गेंडी नृत्य किया। तेलंगाना के कलाकारों ने कृषि आधारित लंबाड़ी नृत्य और राजस्थान के कलाकारों ने आकर्षक गवरी नृत्य प्रस्तुत किया।

राजस्थान के सहरियां स्वांग, हिमांचल का डंडा रास पर झूमें दर्शक

आंध्रप्रदेश के कलाकारों ने यहा की जनजाति द्वारा दशहरा, विवाह सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रस्तुत किए जाने वाला भीमसा नृत्य की प्रस्तुति दी। राजस्थान के कलाकारों ने शरीर में रंग पोतकर विभिन्न पर्व के अवसर पर किया जाने वाला नृत्य सहरियां स्वांग के माध्यम से दर्शकों को थिरकने को मजबूर किया। सहरियां स्वांग में ढोल, मंजीरा, झांझ और कलाकारों की जुगलबंदी को सभी ने सराहा। हिमांचल प्रदेश के कलाकारों ने डंडा रास नृत्य, जम्मू-काश्मीर के कलाकारों ने गुजर नृत्य कर दर्शकों की वाहवाही बटोरी। अरूणांचल प्रदेश द्वारा रेह, तेलंगाना के कलाकारों द्वारा लम्बाड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

उत्तराखण्ड का हारूल नृत्य व श्रीलंका के शोर इन ड्रैगन नृत्य ने बांधा समां

राष्ट्रीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव-2019 के आयोजन के दूसरे दिन भारत के गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड प्रांत सहित अंडमान निकोबार तथा मालदीव, श्रीलंका, युगाण्डा देश के कलाकारों ने अपनी स्थानीय संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गीतों का रोचक ढंग से प्रस्तुति दी। अधिकांश प्रस्तुतियां पारम्परिक उत्सवों व त्यौहारों पर आधारित थीं, वहीं वीररस, श्रृंगाररस से ओतप्रोत नृत्य कलाकारों के द्वारा मंच पर प्रस्तुत किए गए। इस दौरान प्रदेश के संस्कृति एवं खाद्य मंत्री अमरजीत सिंह भगत उपस्थित थे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन आज सुबह से विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति मंच पर दी। स्थानीय साइंस कालेज मैदान में आयोजित महोत्सव में गुजरात के कलाकारों ने पारम्परिक पोशाक के साथ वसावा नृत्य किया। रिदम के साथ मंच पर एक साथ थिरकते कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

गांवों की तस्वीर बदलेगी सुराजी गांव योजना

हिमांचल के कलाकारों ने की योजना की तारीफ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में रहन-सहन और खेती-किसानी में सुराजी गांव योजना से बड़ा परिवर्तन आएगा, ऐसा मानना है हिमांचल प्रदेश से आए कलाकारों का। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में हिमांचल प्रदेश से आए कलाकार कृषि विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में रूचि दिखायी। इन कलाकारों ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में यह योजना बहुत कारगर है, इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए।

कलाकार चिमन लाल और हरीश ने योजना के तहत छत्तीसगढ़ में गोठानों में पशुओं को डे-केयर की सुविधा और यहां बायो गैस जैविक खाद में महिला समूहों को मिल रहे रोजगार की प्रशंसा की। इन कलाकारों ने बताया कि भारतीय कृषि व्यवस्था में पशुओं का आदिकाल से महत्व रहा है, ये हमारे संस्कृति के भी अंग हैं। गोबर से बनी हुई वस्तुओं को आम जीवन में पवित्र माना जाता है। गोबर के दीये, गमले, और अगरबत्ती जैसे उत्पादों को लोगों ने हाथों-हाथ लिया है। गोबर से बने उत्पादों की बिक्री का बाजार पूरे देश में है। कलाकारों ने कहा कि यह योजना किसानों को जलवायु परिवर्तन जैसे खतरों से निपटने के लिए सहायक है। यह योजना जल प्रबंधन और भू-जल को बढ़ाने में सहायक है। रासायनिक खाद की जगह अब जैविक खेती को बढ़ावा देने की पहल भी सराहनीय है। जैविक खाद के लिए मवेशियों को संरक्षित करना जरूरी है। चर्चा के दौरान इन कलाकारों ने फसल विविधिकरण पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि फल, सब्जी और मसाले उत्पादन के लिए भी यह योजना फायदेमंद रहेगी।

बहुरंगी लोक वाद्य यंत्र युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। इन वाद्य यंत्रों का परंपरागत लोक नृत्यों और विभिन्न सामाजिक उत्सवों पर प्रमुखता से उपयोग होता है। जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी में इन वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए गए पारंपरिक वाद्य यंत्रों में फरक्का, सारंगी, चिकारा, रूंजू, मांदरी, मृदंग, दफरा, नंगाड़ा, तोडी, कोडोड़का, छड़ी, कोपीबाजा, बांस बाजा, खल्लर, हिर नांग, तंबूरा, मुंडा बाजा, कुतुर्गी, चटका, गुजरी, चरहे, ठोड़का, हुलकी, खनखना, बाना, नकडेवन, खजेरी, तुर्रा, मोहरी, गतका शामिल है।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ की भी दिखी झलक

राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में राम वन गमन पर्यटन परिपथ की झलक भी लोगों को देखने को मिल रही है। देश-विदेश से आए कलाकारों और स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सराहना भी की जा रही है। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल में छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण स्थलों के साथ ही राम वन पर्यटन परिपथ को भी प्रदर्शित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में राम वन गमन पर्यटन परिपथ निर्माण की घोषणा की है। जिसके तहत राम वन गमन पथ पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें प्रथम चरण में सीतामढ़ी हरचौका, रामगढ़, शिवरीनारायण, तुरतुरिया, चंदखुरी, राजिम, सिहावा के सप्तऋषि आश्रम, जगदलपुर और सुकमा जिले के रामाराम को राज्य शासन के पर्यटन विभाग द्वारा इन स्थलों को पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही रायपुर जिले के चंदखुरी स्थित माता कौशल्या के प्राचीन मंदिर परिसर का भी जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने शुक्रवार को पर्यटन मण्डल के स्टॉल का अवलोकन कर इसकी प्रशंसा की। इस अवसर पर संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया एवं विधायक मोहन मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। पर्यटन विभाग का स्टॉल मुख्य रुप से इको एवं एथनो थीम पर तैयार किया गया है। जिसमे चित्रकोट एवं तीरथगढ़ जलप्रपात के लाइव मॉडल्स लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त बस्तर दशहरा का रथ, सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर सहित छत्तीसगढ़ के अन्य पर्यटन स्थलों के मॉडल्स एवं इनसे संबंधित वीडियो को बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोगों को दिखाया जा रहा है।

शिल्पग्राम बना लोगों के आकर्षण का केन्द्र

रायपुर के साइंस कालेज मैदान में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव न केवल विभिन्न देशों और प्रदेशों के कलाकारों के सांस्कृतिक प्रदर्शनों से लोगों को अपने जादुई आकर्षण में बांध रहा है, बल्कि यहां आदिवासी एवं लोक, कला, संस्कृति, रहन-सहन, रीत-रिवाज और जीवन शैली के मॉडल और जीवंत प्रदर्शन भी लोगों को मोह रहे है।

छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति को देखने उमड़ी भीड़

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शानदान एवं भव्य द्वार तथा यहां आयोजित शिल्पग्राम का द्वार भी छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने के साथ-साथ आकर्षण और कौतूहल पैदा करता है। महोत्सव में आने वाले बड़ी संख्या में दर्शक इस प्रदर्शनी और शिल्पग्राम कभी अवलोकन करते और कभी देश की कला-संस्कृति माटी की महक महसूस करते है।

शिल्पग्राम में प्रदर्शनी के साथ-साथ बुनकरों द्वारा बनाए गए वस्त्र, कांस्य, लोह, बेलमेटल, बांस और मिट्टी के बने कला संस्कृति प्रतीक स्वरूप सामग्रियां की विविधता भी सहज आकर्षण का केन्द्र बन रही है। इस शिल्पग्राम में कुल 36 स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें 14 स्टॉल हाथकरघा बुनकरों, 12 हस्तशिल्प के स्टॉल, 4 स्टॉल माटीकला बोर्ड के, एक रेशम प्रभाग का स्टॉल और दो खादीग्राम बोर्ड के स्टॉल लगाए गए हैं। खादीग्राम बोर्ड के स्टॉल में सरगुजा के भित्ती चित्र का विशेष रूप से प्रदर्शन किया गया है। साथ ही माटीकला बोर्ड के द्वारा मिट्टी से बर्तन बनाए जाने की विधि का प्रदर्शन किया जा रहा है। इन स्टॉलों में बिलासा हैण्डलूम्स के रनिंग मटेरियल्स का एक स्टॉल, कोसा साड़ियों का एक स्टॉल, रेडिमेंट गारमेंटस का एक स्टॉल व एक स्टॉल फर्नीसिंग डबल बेड सीट के और विशेष रूप से नेचुरल डाई से तैयार किए गए वस्त्रों का स्टॉल लगाया गया है। इस महोत्सव में आए मेहमान प्रतिभागियों और राजधानी वासियों की पहली पसंद शिल्पग्राम बना हुआ है। इस शिल्पग्राम में महोत्सव के प्रथम दिवस में ही लगभग 4 लाख रूपए के हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री हुई है। आज इस प्रदर्शनी और शिल्पग्राम का कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे सहित अथितिगणों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने अवलोकन किया और इसका आनन्द उठाया।